



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्रमाणिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 8] नई दिल्ली, शनिवार, फरवरी 22, 1997/फाल्गुन 3, 1918
No. 8] NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 22, 1997/PHALGUNA 3, 1918

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)

भारत सरकार के मंत्रालयों (रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) द्वारा जारी किए गए सांविधिक आदेश और अधिसूचनाएँ
Statutory Orders and Notifications Issued by the Ministries of the Government of India
(Other than the Ministry of Defence)

विधि और न्याय मंत्रालय
(विधि कार्य विभाग)
(न्यायिक अनुभाग)
सूचना

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1997

कां०आ० 465.—नोटरीय नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्रीमति सुषमा दत्ता, एडवोकेट ने वे उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे कलकत्ता उच्च न्यायालय (पश्चिम बंगाल) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर विहित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं० 5(8)/97-न्यायिक]

एन०सी० जैन, सक्षम प्राधिकारी एवं अपर विधि सलाहकार

MINISTRY OF LAW AND JUSTICE
(Department of Legal Affairs)
(Judicial Section)
NOTICE

New Delhi, the 3rd February, 1997

S.O. 465.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Smt. Shushma Dutta, Advocate for appointment as a Notary to practise in Calcutta High Court (West Bengal).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(8)/97-Judl.]
N. C. JAIN, Competent Authority
and Addl. Legal Adviser

सूचना

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1997

का०आ० 466.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री मुरलीधर एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए किया है कि उसे कोटकपुरा/फरीदकोट (पंजाब) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं० 5(9)/97—न्यायिक]

एन०सी० जैन, सक्षम प्राधिकारी एवं अपर विधि सलाहकार

NOTICE

New Delhi, the 3rd February, 1997

S.O. 466.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Murli Dhar, Advocate for appointment as a Notary to practise in Kothapura Faridkot (Punjab).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(9)|97-Judl.]

N. C. JAIN, Competent Authority
and Addl. Legal Adviser

सूचना

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1997

का०आ० 467.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्रीमति जया सन्यास, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे सिलीगुड़ी, बाजिलिंग जिला (पश्चिम बंगाल) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं० 5(10)/97—न्यायिक]

एन०सी० जैन, सक्षम प्राधिकारी एवं अपर विधि सलाहकार

NOTICE

New Delhi, the 3rd February, 1997

S.O. 467.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the

Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Smt. Jaya Sanyal, Advocate for appointment as a Notary to practise in Siliguri, Distt. Darjeeling (West Bengal).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(10)|97-Judl.]

N. C. JAIN, Competent Authority
and Addl. Legal Adviser

सूचना

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1997

का०आ० 468.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री गुरमीत सिंह, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए किया है कि उसे लुधियाना जिला (पंजाब) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं० 5(11)/97—न्यायिक]

एन०सी० जैन, सक्षम प्राधिकारी एवं अपर विधि सलाहकार

NOTICE

New Delhi, the 3rd February, 1997

S.O. 468.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Gurmeet Singh, Advocate for appointment as a Notary to practise in Distt. Ludhiana (Punjab).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(11)|97-Judl.]

N. C. JAIN, Competent Authority
and Addl. Legal Adviser

सूचना

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1997

का०आ० 469.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री फतेह सिंह, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी

को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे चरखी दादरी, मिर्जापी जिला (हरियाणा) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं० 5(12)/97-न्यायिक]

एन०सी० जैन, सक्षम प्राधिकारी एवं अपर विधि सलाहकार

NOTICE

New Delhi, the 3rd February, 1997

S.O. 469.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Fateh Singh, Advocate for appointment as a Notary to practise in Charkhi Dadri Distt. Bhiwani (Haryana).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(12)/97-Judl.]

N. C. JAIN, Competent Authority
and Addl. Legal Adviser

सूचना

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1997

का०आ० 470.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्रीमती बी०आर० शशिकला, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे ब्यालीकवल पंगलौर (कर्नाटक) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं० 5(13)/97-न्यायिक]

एन०सी० जैन, सक्षम प्राधिकारी एवं अपर विधि सलाहकार

NOTICE

New Delhi, the 5th February, 1997

S.O. 470.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Smt. B. R. Shashikala, Advocate for appointment as a Notary to practise in Vyalikaval, Bangalore (Karnataka).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing

to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(13)/97-Judl.]

N. C. JAIN, Competent Authority
and Addl. Legal Adviser

सूचना

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1997

का०आ० 471.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री भूपेन्द्र कुमार शर्मा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे तहसील कोट खैर अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाए।

[सं० 5(14)/97-न्यायिक]

एन०सी० जैन, सक्षम प्राधिकारी एवं अपर विधि सलाहकार

NOTICE

New Delhi, the 5th February, 1997

S.O. 471.—Notice is hereby give by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Bhupendra Kumar Sharma, Advocate for appointment as a Notary to practise in Teh. Court Khair Aligarh (U.P.).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(14)/97-Judl.]

N. C. JAIN, Competent Authority
and Addl. Legal Adviser

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1997

सूचना

का०आ० 472.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री गणेश कुमार सेठी, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे अमोहर (पंजाब) में व्यवसाय करने के लिये नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाये।

[(सं. 5(17)/97-न्यायिक)]

एन०सी० जैन, सक्षम प्राधिकारी एवं
अपर विधि सलाहकार

NOTICE

New Delhi, the 6th February, 1997

S.O. 472.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Ganesh Kumar Sethi, Advocate for appointment as a Notary to practise in Abohar (Punjab).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(17)/97-Judl.]

N. C. JAIN, Competent Authority &
Addl. Legal Adviser

सूचना

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1997

का.आ. 473.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री अनन्त परशुराम पश्टे, एडवोकेट उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिये दिया है कि उसे मुम्बई (महाराष्ट्र) में व्यवसाय करने के लिये नोटरी के रूप में नियुक्त पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाये।

[सं. 5(16)/97-न्यायिक]

एन.सी. जैन, सक्षम प्राधिकारी
एवं उप निधि सहायक

NOTICE

New Delhi, the 6th February, 1997

S.O. 473.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Anant Parshuram Pashte, Advocate for appointment as a Notary to practise in Bombay (Maharashtra).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(16)/97-Judl.]

N. C. JAIN, Competent Authority &
Addl. Legal Adviser

सूचना

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1997

का.आ. 474.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री मालुतई वेकटेश कुलकर्णी, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिये दिया है कि उसे अथनी बेलगांव जिला (कर्नाटक) में व्यवसाय करने के लिये नोटरी के रूप में नियुक्त पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाये।

[सं. (5) 15/97-न्यायिक]

एन.सी. जैन, सक्षम प्राधिकारी
एवं अपर निधि सहायक

NOTICE

New Delhi, the 6th February, 1997

S.O. 474.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Miss Malutai Venkatesh Kulkarni, Advocate for appointment as a Notary to practise in Athani, Distt. Belgaum (Karnataka).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(15)/97-Judl.]

N. C. JAIN, Competent Authority &
Addl. Legal Adviser

सूचना

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1997

का.आ. 475.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री रमेश राज लुना, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिये दिया है कि उसे भुसावर (पंजाब) में व्यवसाय करने के लिये नोटरी के रूप में नियुक्त पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में मेरे पास भेजा जाये।

[सं. 5(19)/97-न्यायिक]

एन.सी. जैन, सक्षम प्राधिकारी एवं
अपर निधि सहायक

NOTICE

New Delhi, the 7th February, 1997

S.O. 475.—Notice is hereby given to the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Desh Raj Loona, Advocate for appointment as a Notary to practise in Muktsar (Punjab).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of the notice.

[No. F. 5(19)/97-Judl.]

N. C. JAIN, Competent Authority &
Addl. Legal Adviser

सूचना

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1997

का.आ. 476.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री अरविन्द कुमार झा, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिये दिया है कि उसे हाई कोर्ट रांची बेंच (बिहार) में व्यवसाय करने के लिये नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में भेजे पास भेजा जाय।

[नं. 5(20)/97-न्यायिक]

एन.सी. जैन, सक्षम प्राधिकारी
एवं अपर विधि सहायकार

NOTICE

New Delhi, the 7th February, 1997

S.O. 476.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Arvind Kumar Jha, Advocate for appointment as a Notary to practise in High Court Ranchi Bench (Bihar).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(20)/97-Judl.]

N. C. JAIN, Competent Authority &
Addl. Legal Adviser

सूचना

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1997

का.आ. 477.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री श्यामल कुमार बन्धोपाध्याय, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिये दिया है कि उसे सुप्रीम कोर्ट (नई दिल्ली में) व्यवसाय करने के लिये नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में भेजे पास भेजा जाय।

[नं. 5(21)/97-न्यायिक]

एन.सी. जैन, सक्षम प्राधिकारी
एवं अपर विधि सहायकार

NOTICE

New Delhi, the 7th February, 1997

S.O. 477.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Shyamal Kumar Bandyopadhyay for appointment as a Notary to practise in Supreme Court (New Delhi).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(21)/97-Judl.]

N. C. JAIN, Competent Authority &
Addl. Legal Adviser

सूचना

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1997

का.आ. 478.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री गुरव्रत सिंह, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिये दिया है कि उसे राष्ट्रीय राजधानी, दिल्ली में व्यवसाय करने के लिये नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आक्षेप इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप में भेजे पास भेजा जाय।

[नं. 5(22)/97-न्यायिक]

एन.सी. जैन, सक्षम प्राधिकारी
अपर विधि एवं सहायकार

NOTICE

New Delhi, the 7th February, 1997

S.O. 478.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Gurcharan Singh Advocate for appointment as a Notary to practise in N.C.T. of Delhi.

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(22)/97-Judl.]

N. C. JAIN, Competent Authority
and Addl. Legal Adviser

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1997

सूचना

का.आ. 479.—नोटरीज नियम, 1956 के नियम 6 के अनुसरण में समक्ष प्राधिकारी द्वारा यह सूचना दी जाती है कि श्री रमेश चन्द्र, एडवोकेट ने उक्त प्राधिकारी को उक्त नियम के नियम 4 के अधीन एक आवेदन इस बात के लिए दिया है कि उसे तहसील फाजिल्का (पंजाब) में व्यवसाय करने के लिए नोटरी के रूप में नियुक्ति पर किसी भी प्रकार का आपेक्ष इस सूचना के प्रकाशन के चौदह दिन के भीतर लिखित रूप से मेरे पास भेजा जाए।

[सं. 5(23)/97-न्यायिक]

एन. सी. जैन, समक्ष प्राधिकारी एवं
अपर विधि सलाहकार

NOTICE

New Delhi, the 7th February, 1997

S.O. 479.—Notice is hereby given by the Competent Authority in pursuance of Rule 6 of the Notaries Act, 1956 that application has been made to the said Authority, under Rule 4 of the said Rules, by Sh. Ramesh Chander, Advocate for appointment as a Notary to practise in Teh. Fazilka (Punjab).

2. Any objection to the appointment of the said person as a Notary may be submitted in writing to the undersigned within fourteen days of the publication of this notice.

[No. F. 5(23)/97-Judl.]

N. C. JAIN, Competent Authority
and Addl. Legal Adviser.

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 12 फरवरी, 1997

का.आ. 480.—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में, गृह मंत्रालय के निम्न-लिखित कार्यालयों में हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान रखने वाले कर्मचारियों की संख्या 80 प्रतिशत से अधिक हो जाने के फलस्वरूप उन्हें एतद्वारा अधिसूचित करती है :—

- (1) कार्यालय कमाण्डेंट 80 बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल।
- (2) कार्यालय पुलिस उप महानिरीक्षक, के.रि.पु. बल, नागपुर, महाराष्ट्र।
- (3) कमाण्डेंट - 99 बटालियन, द्रुत कार्य बल, के.रि.पु. बल।
- (4) कमाण्डेंट - 105 बटालियन, द्रुत कार्य बल, के.रि.पु. बल।

[संख्या 12017/1/95-हिन्दी]

के.सी. कपूर, निदेशक

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 12th February, 1997

S.O. 480.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Languages (use for Official purposes of the Union) Rules, 1976, the Central Government hereby notifies the following offices of the Ministry of Home Affairs where the percentage of Hindi knowing staff has gone above 80 per cent :—

1. Office of the Commdt., 80 Bn., C.R.P.F.
2. Office of the Deputy Inspector General of Police, C.R.P.F., Nagpur, Maharashtra.
3. Commandant, 99 Bn. R.A.F., C.R.P.F.
4. Commandant, 105 Bn., R.A.F., C.R.P.F.

[No. 12017/1/95-Hindi]

K. C. KAPOOR, Director.

विस्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

(बैकिंग प्रभाग)

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1997

का.आ. 481.—भारतीय यष्टु उद्योग विकास बैंक अधिनियम, 1989 (1989 का 39) की धारा 6 की उपधारा (1) के खंड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग

करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग), नई दिल्ली के निदेशक श्री डी.के. त्यागी को श्री जी.आर. रामन के स्थान पर भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के निदेशक के रूप में नामित करती है।

[फा. सं. एफ 9/3/96-बी.ओ. 1(i)]

के.के. मंगल, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

New Delhi, the 4th February, 1997

S.O. 481.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of Section 6 of the Small Industries Development Bank of India Act, 1989 (39 of 1989), the Central Government hereby nominates Shri D. K. Tyagi, Director, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Banking Division), New Delhi as a Director of Small Industries Development Bank of India vice Shri G. R. Summan.

[F. No. 9/3/96-BO. I(i)]

K. K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1997

का.आ.—482 निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम अधिनियम, 1961 (1961 का 47) की धारा 6 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, श्री वी.बी. व्यास, उप सचिव, वित्त मंत्रालय, आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग), नई दिल्ली को श्री सुधीर श्रीवास्तव के स्थान पर निक्षेप बीमा और प्रत्यय गारंटी निगम में निदेशक के रूप में नामित करती है।

[फा.सं. 9/3/96-बी.ओ. 1(ii)]

के.के. मंगल, अवर सचिव

New Delhi, the 4th February, 1997

S.O. 482.—In exercise of the powers conferred by clause (c) of sub-section (1) of Section 6 of the Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation Act, 1961 (47 of 1961) the Central Government hereby nominates Shri B. B. Vyas, Deputy Secretary, Ministry of Finance, Department of Economic Affairs, (Banking Division), New Delhi as a director of Deposit Insurance and Credit Guarantee Corporation vice Shri Sudhir Sriwastava.

[F. No. 9/3/96-BO-1 (ii)]

K. K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 4, फरवरी, 1997

का.आ.—483 बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिशों पर, एतद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10-ख की उपधारा (1) एवं (2) के उपबन्ध, सांगली बैंक लिमिटेड पर 27 जनवरी,

1997 से 26 अप्रैल, 1997 तक तीन माह की अवधि के लिये या नियमित अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पदभार ग्रहण करने तक, इनमें से जो भी पहले हो, लागू नहीं होंगे।

[सं. 15/3/97-बी.ओ. ए. (i)]

के.के. मंगल, अवर सचिव

New Delhi, the 4th February 1997

S.O. 483.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on the recommendations of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-sections (1) and (2) of Section 10 of the said Act, shall not apply to the Sangli Bank Ltd., for a period of three months from 27th January, 1997 to 26th April, 1997 or till the appointment of a regular Chairman and Chief Executive Officer for that bank, whichever is earlier.

[No. 15/3/97-BOA(i)]

K. K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 4, फरवरी, 1997

का.आ. 484—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिशों पर, एतद्वारा घोषणा करती है, कि उक्त अधिनियम, की धारा 10-ख की उपधारा (9) के उपबन्ध सांगली बैंक लिमिटेड पर 27 जनवरी, 1997 से 26 अप्रैल, 1997 तक अथवा बैंक के नियमित अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी की नियुक्ति होने तक, इन में से जो भी पहले हो, उस सीमा तक लागू नहीं होंगे, जहां तक बैंक को चार महीने से अधिक के वास्ते अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का काम करने के लिये किसी व्यक्ति की नियुक्ति करने की छूट प्राप्त है।

[सं. 15/3/97-बी.ओ. ए. (ii)]

के. के. मंगल, अवर सचिव

New Delhi, the 4th February, 1997

S.O. 484.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government on recommendations of the Reserve Bank of India hereby declares that the provisions of sub-section (9) of Section 10B of the said Act, shall not, to the extent they preclude the bank from appointing a person to carry out the duties of the Chairman and Chief Executive Officer beyond a period exceeding four months, apply to the Sangli Bank, Ltd. from 27th January, 1997 to 26th April 1997 or till the appointment of a regular Chairman and Chief Executive Officer for that bank, whichever is earlier.

[No. 15/3/97-BOA(ii)]

K. K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1997

का.आ. 485—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की

सिफारिशों पर एनद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम, की धारा 10-ख की उपधारा (1) एवं (2) के उपबन्ध नैनीताल बैंक लिमिटेड पर 21 जनवरी, 1997 से 20 अप्रैल, 1997 की तीन माह की अवधि के लिये या बैंक के लिये नियमित अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी के पदभार ग्रहण करने तक, इनमें से जो भी पहले हो, लागू नहीं होंगे।

[म. 15/3/96-बी.ओ.ए. (i)]

के.के. मंगल, अवर सचिव

New Delhi, the 4th February, 1997

S.O. 485.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank of India hereby declare that the provisions of sub-sections (1) and (2) of Section 10B of the said Act, shall not apply to the Nainital Bank Ltd., for a period of three months from 21st January, 1997 to 20th April, 1997 or till the appointment of a regular Chairman and Chief Executive Officer for that bank, whichever is earlier.

[No. 15/8/96-BOA(i)]

K. K. MANGAL, Under Secy.

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1997

का.आ. 486—बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिशों पर एनद्वारा घोषणा करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 10-ख की उपधारा (9) के उपबन्ध नैनीताल बैंक लिमिटेड, पर 21 जनवरी, 1997 से 20 अप्रैल, 1997 तक अभाव बैंक के नियमित अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी की नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, उस सीमा तक लागू नहीं होंगे जहां तक बैंक को चार महीने से अधिक के वास्ते अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का काम करने के लिये किसी व्यक्ति की नियुक्ति करने की छूट प्राप्त है।

[म. 15/8/96-बी.ओ.ए. (ii)]

के.के. मंगल, अवर सचिव

New Delhi, the 4th February, 1997

S.O. 486.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendations of the Reserve Bank of India hereby declare that the provisions of sub-section (9) of Section 10B of the said Act, shall not, to the extent they preclude the bank from appointing a person to carry out the duties of the Chairman and Chief Executive Officer beyond a period exceeding four months apply to the Nainital Bank Ltd. from 21st January, 1997 to 20th April, 1997 or till the appointment of a regular Chairman and Chief Executive Officer for that bank, whichever is earlier.

[No. 15/8/96-BOA(ii)]

K. K. MANGAL, Under Secy.

विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली, 13 जनवरी, 1997

का.आ. 487—राजनयिक कौसली अधिकारी (शपथ एवं मुक्त) अधिनियम 1948 (1948 का 41वां) की धारा 2 के अंक (क) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एनद्वारा भारत का दूतावास मैड्रिड में सहायक श्री डी.के. गौड़ को 10 जनवरी से सहायक कौसली अधिकारी का कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[टी-4330/2/96]

वी० महालिंगम, अवर सचिव

MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS

New Delhi, the 13th January, 1997

S.O. 487.—In pursuance of the Clause (a) of the Section 2 of the Diplomatic and Consular Officers (Oaths and Fees) Act, 1948 (41 of 1948), the Central Government hereby authorises Shri D. K. Gaur Assistant in the Embassy of India Madrid to perform the duties of Asstt. Consular Officer with effect from 10-1-97.

[T. 4330/2/96]

V. MAHALINGAM, Under Secy. (Cons.)

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1997

का.आ. 488—केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में वाणिज्य मंत्रालय के अन्तर्गत आने वाले निम्नलिखित कार्यालय को, जिसके 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारीबन्ध ने हिन्दी का कार्य-साधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है :—

एम एम टी सी लि.

46 पाटलीपुत्र कॉलोनी,

पटना (बिहार)

[संख्या ई-11013/1/93-हिन्दी]

रासकुमार कलोरिया, निदेशक (राजभाषा)

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 5th February, 1997

S.O. 483.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for Official purposes of the Union), Rules, 1976 the Central Government hereby notifies the following office under the Ministry of Commerce whereof more than 80 per cent staff have acquired working knowledge of Hindi :—

M.M.T.C. Ltd.,

46, Patliputra Colony,

Patna (Bihar).

[No. E-11013/1/93-Hindi]

R. K. Caloriya, Director (O.L.)

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1997

का.आ. -489--राजभाषा नियम, 1976 (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) के नियम 10 के उपनियम (2) और (4) के अनुसरण में रेल मंत्रालय, रेलवे बोर्ड रेल वाता अधिकरण, नई दिल्ली को जहाँ, कर्मचारियों ने हिंदी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है अधिसूचित करता है।

[म. हिंदी-96/रा.भा. 1/12/1]

डी.पी. त्रिपाठी, सचिव

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 29th January, 1997

S.O. 489.—In pursuance of Sub-Rule (2) and (4) of Rule 10 of the Official Language (Use for the official purpose of the Union) Rules, 1976 the Ministry of Railways (Railway Board) hereby notify the Railway Claims Tribunal, New Delhi, where the staff have acquired the working knowledge of Hindi.

[No. HINDI-96/OL-I/12/1]

D. P. TRIPATHI, Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1997

का.आ. 490--केन्द्रीय सरकार, राजभाषा (संघ के शासकीय प्रयोजनों के लिए प्रयोग) नियम, 1976 के नियम 10 के उप नियम (4) के अनुसरण में दूरदर्शन महानिदेशालय (सूचना और प्रसारण मंत्रालय) के अधीनस्थ कार्यालय दूरदर्शन अनुसंधान क्षेत्र, कोच्चि को जिसके 80% से अधिक कर्मचारीवृन्द ने हिन्दी का कार्यसाधक ज्ञान प्राप्त कर लिया है, अधिसूचित करती है।

[संख्या ई-11011/1/93-हिन्दी]

एम.एस. कटारिया, निदेशक (रा.भा.)

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 3rd February, 1997

S.O. 490.—In pursuance of Sub-Rule (4) of Rule 10 of the Official Language (use for official purpose of the Union). Rules, 1976. the Central Government hereby notify the DDK, Kochin the Subordinate Office of the Directorate General, Doordarshan (Ministry of Information and Broadcasting), the staff whereof more than 80 per cent have acquired the working knowledge of Hindi.

[No. E-11011/1/93-Hindi]

S. S. KATARIA, Director (OI.)

कोयला मंत्रालय

शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 1997

का०आ० 491:--भारत के राजपत्र तारीख 20 अप्रैल, 1996 के भाग-2, खंड-3, उपखंड (ii) में पृष्ठ क्रमांक 1454 से 1463 पर प्रकाशित भारत सरकार, कोयला मंत्रालय की अधिसूचना का०आ० 1220 तारीख 11 अप्रैल, 1996 में:-

पृष्ठ 1455 पर अधिसूचना में, टिप्पण 3,

पंक्ति 3-- "अधिसूचना सं० 985 "के स्थान पर" अधिसूचना सं० 905 पढ़ें।

अनुसूची में,-- "कुसमकेला ब्लॉक" के स्थान पर "कुसुमकेला ब्लॉक पढ़ें।

"साठ राजगढ़ कोयला क्षेत्र" के स्थान पर "सांदरायगढ़ कोयला क्षेत्र" पढ़ें।

तालिका में, ग्राम स्तम्भ के नीचे,

क्रम संख्या 1 "पीरवा" के स्थान पर "पोरवा" पढ़ें।

क्रम संख्या 3 "कुरमीभोवना" के स्थान पर "कुरमीभौना" पढ़ें और जहाँ कहीं भी "कुरमीभोवना" शब्द प्रयुक्त हुआ हो उसके स्थान पर "कुरमीभौना" पढ़ें।

क्रम संख्या 4 "परिडी" के स्थान पर "पोगडी" पढ़ें।

क्षेत्र हेक्टरों में, स्तम्भ के नीचे,

क्रम संख्या 5, "321.389" के स्थान पर "321.309" पढ़ें।

पृष्ठ 1456 पर

"ग्राम पोरवा (पूरा) में आबंटी किये जाने वाले प्लाट संख्याक" के स्थान पर

"ग्राम पोरवा (पूरा) में अजित किये जाने वाले प्लाट संख्याक पढ़ें।

ग्राम पोरवा (पूरा) में अजित किये जाने वाले प्लाट संख्याक में पंक्ति 22, "218,219/2,219/2 के स्थान पर "218,219/1,219/2 पढ़ें।

पंक्ति 23, "243/1,243/1" के स्थान पर "243/1, 243/2" पढ़ें।

पंक्ति 28, "282/8,292/9,292/10" के स्थान पर "282/8 282/9, /282/10" पढ़ें।

पंक्ति 29, "282/18,282/49" के स्थान पर "282/18;282/19" पढ़ें।

पंक्ति 40, "370,371" के स्थान पर "370,371/1" पढ़ें।

पृष्ठ 1457 पर

ग्राम कुरमीभौना (पूरा) में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्या में,
पंक्ति 1, "342/2, 343/3" के स्थान पर "342/2,
342/3" पढ़ें।

ग्राम पोरडी (पूरा) में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्या में,
पंक्ति 3, "42/1, से 42/2" के स्थान पर "42/1, 42/2"
पढ़ें।

पंक्ति 5, "72/7, 73/9" के स्थान पर 72/7, 73" पढ़ें।

पंक्ति 9, "146/1, 146/6, 142/2" के स्थान पर
"146/1, 146/2" पढ़ें।

"ग्राम गुराम (भाग) में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्या"
स्थान पर "ग्राम फगुराम (भाग) में अर्जित किए जाने
वाले प्लाट संख्या" पढ़ें।

ग्राम फगुराम (भाग) में अर्जित किए जाने वाले प्लाट संख्या में :
पंक्ति 3, "659, 660/1A(Part)/ के स्थान पर
"659, 660/1K A (Part) भी" पढ़ें।

पंक्ति 4, "665/2, 666/1" के स्थान पर
"665/2, 666/1" पढ़ें।

पंक्ति 5, "6717, to 675," के स्थान पर "671 to 675"
पढ़ें।

पंक्ति 8, "693/2, 688/3, 688/4, 628/5, 688/6,
688/7/689 to 692, 693/2, 694/1"
के स्थान पर "693/2, 694/1" पढ़ें।

पृष्ठ 1458 पर

पंक्ति 1, "747/3, 748/1 CHA" "के स्थान पर
"747/3, 748/1 1 KA" पढ़ें।

"ग्राम बारोद (भाग) अर्जित किए जाने वाले प्लाट
संख्या" के स्थान पर "ग्राम बारोदा (भाग) में अर्जित
किए जाने वाले प्लाट संख्या" पढ़ें।

"ग्राम बारोद (भाग) में अर्जित किए जाने वाले प्लाट
संख्या में,—

पंक्ति 8, "89/3, 90 to 98", के स्थान पर 89/3, 90
to 93", पढ़ें।

पंक्ति 11, "186/3, 184/3," के स्थान पर "186/3,
186/4," पढ़ें।

पंक्ति 17, "305/2, 305, 3, के स्थान पर "305/2,
305/3", पढ़ें।

पंक्ति 17, "306 309, 310/1, 310/1", के स्थान पर
"306 309, 310/1, 310/2", पढ़ें।

पंक्ति 17, "312/1KHA, 312/1" के स्थान पर
"312/1 KHA, 312/2" पढ़ें।

पंक्ति 19, "331 to 345, 346/1", के स्थान पर
"331 से 345, 346/1", पढ़ें।

पंक्ति 20, "359/1, to 359/2", के स्थान पर "359/1,
359/2", पढ़ें।

पंक्ति 21, "390/1, 390/2, 390/2", के स्थान पर
"390/1, 390/2", पढ़ें।

सीमा वर्णन में

क-ख-ग के स्थान पर क-ख-ख1 पढ़ें।

रेखा क-ख-ख1 में,

पंक्ति 1, "रेखा कुरकुर नाला "के स्थान पर "रेखा कुर-
कुट नाला" पढ़ें।

पंक्ति 2, "ख" बिन्दु पर मिलती है" के स्थान पर "ख1
बिन्दु पर मिलती है" पढ़ें।

रेखा ग-घ,

पंक्ति 4, "729/1 टक" के स्थान पर "729/1क" पढ़ें
और जहां कहीं भी "729/1 टक" है उसके
स्थान पर 729/1क पढ़ें।

रेखा घ-घ1

पंक्ति 2, "घ 2" बिन्दु पर मिलती है।" के स्थान पर
"घ 1" बिन्दु पर मिलती है।" पढ़ें।

"घ1-घ2: रेखा ग्राम बारोद बिगरी, घ-3-इ" के स्थान
पर "घ1-घ2-घ 3-इ : रेखा ग्राम
बारोद"-बिजारी पढ़ें।

रेखा च-छ,

पंक्ति 1, "च" बिन्दु पर मिलती है। के स्थान पर "छ"
बिन्दु पर मिलती है। पढ़ें "छ-ज-ज1
2-ज-ज3-ग" के स्थान पर "छ-ज-ज1-
ज2-ज3-ग" पढ़ें।

"झ-झ" के स्थान पर "झ-ज-ज1" पढ़ें।

रेखा झ-ज-ज1 में,

पत्तापाली के स्थान पर "पत्रापाली" पढ़ें। और जहां कहीं भी
"पत्तापाली" शब्द प्रयुक्त हुआ हो उसके स्थान पर
"पत्रापाली" पढ़ें।

"झ1 बिन्दु मिलती है" के स्थान पर "ज1" बिन्दु पर मिलती
है। पढ़ें।

"झ 2-ट-ठ" के स्थान पर "झ 1-ट-ठ" पढ़ें।

रेखा "झ 1-ट-ठ" में,

पंक्ति 3, "648/1 टक" के स्थान पर "648/1क" पढ़ें।

पंक्ति 3, 4, "648/1 टक" के स्थान पर "648/1क" पढ़ें।

पंक्ति 4, "648/1 ग ज क" के स्थान पर "648/1च" पढ़ें।

रेखा ठ-ट-ठ में,

पंक्ति 2, "660/1 टक" के स्थान पर "660/1क" पढ़ें।

[फा०सं० 43015/5/92-एल एस डब्ल्यू]

श्रीमती पी०एल० सनी, भ्रवर सचिव

MINISTRY OF COAL

CORRIGENDA

New Delhi, the 20th January, 1997

S.O. 491.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Coal No. S.O. 1220, dated the 11th April, 1996, published in the Gazette of India, Part-II, Section-3, Sub-section (ii), dated the 20th April, 1996,—

at page 1459,—

- in line 4, for "have notice" read "gave notice" ;
- in line 15, for "Bilaspur, 595006" read "Bilaspur-495006" ;
- in line 18, for "resp ct" read "respect" ;
- in line 22, for "Coal anc" read "Coal and" ;

at page 1460,—

- in line 1, for "Copeitent" read "competent" ;
- in line 2, for "object or an opportunity of bearing heard read "object or an opportunity of being heard" ;

in line 5, for "in respect of such land" read "in respect of different parcels of such land" ;

in plot numbers to be acquired in village Porda (Full),

in line 2, for "293, 30 to 34" read "29/3, 30 to 34" ;

in line 7, for "1114/," read "111/4" ;

in line 9, for "126/8 to 126/10, 127, 1288, 129/1" read "126/8 to 126/30, 127, 128, 129/1" ;

in line 11, for "451/2, 152/2, 152/2", read "151/2, 152/1, 152/2" ;

at page 1461,—

in line 6, for "224, 224, 225" read "224, 225,"

in line 12, for "285/1, 285/2, 285/2", read "285/1, 285/2," ;

in line 14, for "312/1, 313/2", read "312, 313/1, 313/2" ;

in line 18, for "365/, 365/2", read "365/1, 365/2" ;

in plot numbers to be acquired in Village—Bijari (Full),—

in line 5, for "38/21, 38/27" read "38/21, 38/22" ;

in line 6, for "39/7, 39/8, 39/9, 39/102", read "39/7, 39/8, 39/9, 39/10," ;

in line 8, omit "54/3" ;

in line 10, for "95/1, 95/1, 95/2" read "95/1, 95/2" ;

in plot numbers to be acquired in village—Kurmizhowna (Full),—

in line 1, for "352/5" read "342/5" ;

in line 2, for "303/4", read "393/4" ;

in plot numbers to be acquired in village—Pordi (Full),—

in line 3, for "57/1, 57/" read "57/1, 57/2" ;

in line 5, for "104, 111" read "104 to 111" ;

in line 5, for "127/1, 172/2" read "127/1, 127/2" ;

in line 8, for "1556 to 158" read "156 to 158" ;

at page 1462,—

in plot numbers to be acquired in village—Phaguram (Part),—

in line 5, for "676/3, 677/4" read "676/3, 676/4" ;

in line 16, for "824/7, 815/1", read "824/7, 825/1" ;

in plot numbers to be acquired in village—Barou (Part) for

"Barou", read "Baroud" ;

in line 2, for "17, 18/1A" read "17, 18/1KA" ;

in line 9, for "139 1, 139 2" read "139/1, 139/2" ;

in line 16, for "309, 310", read "309, 310/1" ;

in line 17, for "314/4, 315/5, 316" read "314/4, 314/5, 315" ;

in line 18, for "347 to 3 1" read "347 to 351" ;

in line 20, for "393/2, 393/4" read "393/2, 393/3" ;

in line 23, for "540 o 561" read "540 to 561" ;

in boundary description,

in line A-B-31, in line 1, for "Line star from point 'A' I on" read "Line start from point 'A' on",

at page 1463,

in line C-D, in line 3, for "293/2, 488" read "293/2, 438".

[No. 43015/5/92-LSW]

MRS. P. L. SAINI, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1997

का.आ. 492—कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन निकाली गई भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 519, तारीख 23 जनवरी, 1996 के भारत के राजपत्र भाग-II खण्ड 3, उपखण्ड (ii), तारीख 24 फरवरी, 1996 में प्रकाशित होने पर, उक्त अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि और भूमि में या उस पर के अधिकार (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त भूमि कहा गया है) उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के अधीन, सभी बिल्लगनों से मुक्त होकर, आत्यंतिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो गये थे ;

और, केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, रांची (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त सरकारी कंपनी कहा गया है), ऐसे निबंधनों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार इस निमित्त अधिरोपित करना उचित समझे, अनुपालन करने के लिये रजामंद है ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि इस प्रकार निहित उक्त भूमि और उक्त भूमि में या उस पर के अधिकार, तारीख 24 फरवरी, 1996 से केन्द्रीय सरकार में इस प्रकार निहित बने रहने की बजाए, निम्नलिखित निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त सरकारी कंपनी में निहित हो जायेंगे, अर्थात्:—

- (1) उक्त सरकारी कंपनी, उक्त अधिनियम के उपबंधनों के अधीन अवधारित प्रतिकर, ब्याज, नुकसानी

और वैसे ही मदों की बाबत किये गये सभी संदायों की केन्द्रीय सरकार को प्रतिपूर्ति करेगी ;

- (2) उक्त सरकारी कंपनी द्वारा शर्त (1) के अधीन, केन्द्रीय सरकार को संदेय रकमों का अवधारण करने के प्रयोजन के लिये एक अधिकरण का गठन किया जायेगा तथा ऐसे किसी अधिकरण और ऐसे अधिकरण की सहायता के लिये नियुक्त व्यक्तियों के संबंध में उपगत सभी व्यय, उक्त कंपनी वहन करेगी और इसी प्रकार, इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकारों के लिये या उनके संबंध में सभी विधिक कार्यवाहियों जैसे अपील आदि की बाबत उपगत सभी व्यय भी, उक्त सरकारी कंपनी वहन करेगी;
- (3) उक्त सरकारी कंपनी, केन्द्रीय सरकार और उसके पदधारियों की, ऐसे किसी अन्य व्यय के संबंध में, जो इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकारों के बारे में, केन्द्रीय सरकार या उसके पदधारियों द्वारा या उनके विरुद्ध किन्हीं कार्यवाहियों के संबंध में आवश्यक हो, अतिपूर्ति करेगी ;
- (4) उक्त सरकारी कंपनी को, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के बिना उक्त भूमि अधिकार किसी अन्य व्यक्ति को अंतरित करने की शक्ति नहीं होगी; और
- (5) उक्त सरकारी कंपनी, ऐसे निदेशों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा, जब कभी आवश्यक हो, उक्त भूमि के विशिष्ट क्षेत्रों के लिये दिये जायें या अधिरोपित की जायें, पालन करेगी।

[फा.सं. 43015/3/91-एल.एस. डब्ल्यू.]

श्रीमती पी.एल. सेनी, अवर सचिव

ORDER

New Delhi, the 3rd February, 1997

S.O. 492.—Whereas on the publication of the notification of the Government of India in the Ministry of Coal, number S.O. 519 dated the 23rd January, 1996 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii), dated the 24th February, 1996, issued under sub-section (1) of Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the lands and all rights in or over such lands described in the Schedule appended to the said notification (hereinafter referred to as the said lands) vested absolutely in the Central Government free from all encumbrances under sub-section (1) of Section 10 of the said Act ;

And whereas the Central Government is satisfied that the Central Coalfields Limited, Ranchi (hereinafter referred to as the said Government Company), is willing to comply with such terms and conditions as the Central Government thinks fit to impose in this behalf ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 11 of the said Act, the Central

Government hereby directs that the said lands and rights so vested shall, with effect from the 24th February, 1996, instead of continuing to so vest in the Central Government, shall vest in the said Government Company, subject to the following terms and conditions, namely :—

- (1) the said Government company shall re-imburse the Central Government all payments made in respect of compensation, interest, damages and the like, as determined under the provisions of the said Act;
- (2) a tribunal shall be constituted for the purpose of determining the amounts payable to the Central Government by the said Government company under condition (1) above and all expenditure incurred in connection with any such tribunal and persons appointed to assist the tribunal shall be borne by the said company and similarly, all expenditure incurred in respect of all legal proceedings like appeals, etc., for or in connection with the rights in or over the said lands so vesting shall also be borne by the said Government company ;
- (3) the said Government company shall indemnify the Central Government and its officials against any other expenditure that may be necessary in connection with any proceedings by or against the Central Government or its officials regarding the rights in or over the said lands so vested ;
- (4) the said Government company shall have no power to transfer the said lands to any other person without the previous approval of the Central Government ;
- (5) the said Government company shall abide by such directions and conditions as may be given or imposed by the Central Government for particular areas of the said lands as and when necessary.

[No. 43015/3/91-LSW]

Mrs. P. L. SAINI. Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1997

का.आ. 493:—कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन निकाली गई भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 1296, तारीख 14 मई, 1993 के, भारत के राजपत्र भाग-2, खंड-3, उपखंड (ii), तारीख 12-6-1993 में प्रकाशित होने पर, उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि और भूमि में या उस पर के अधिकार (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त भूमि कहा गया है) उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के अधीन, सभी बिलगमों से मुक्त होकर, आत्यंतिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो गए थे;

और, केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि है कि वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड, नागपुर (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त सरकारी कंपनी कहा गया है) ऐसे निबंधनों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार इन निविदा अधिरोपित करना उचित समझे, अनुपालन करने के लिए राजा-मंद है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते

हुए, यह निदेश देती है कि इस प्रकार निहित उक्त भूमि और उक्त भूमि में या उस पर के अधिकार तारीख 12 जून, 1993 से केन्द्रीय सरकार में इस प्रकार निहित बने रहने की बजाय, निम्नलिखित निबंधनों और शर्तों के अधीन रहते हुए, उक्त सरकारी कंपनी में निहित हो जाएंगे, अर्थात्;

- (1) उक्त सरकारी कंपनी, उक्त अधिनियम के उपबन्धों के अधीन अवधारित प्रतिफल, व्याज, गृकसानी और वसी ही सदों की बाबत किए गए सभी संवायों की केन्द्रीय सरकार को प्रतिपूर्ति करेगी;
- (2) उक्त सरकारी कंपनी द्वारा शर्त (1) के अधीन, केन्द्रीय सरकार को संदेय रकमों का अवधारण करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण का गठन किया जाएगा तथा ऐसे किसी अधिकरण और ऐसे अधिकरण की सहायता के लिए नियुक्त व्यक्तियों के संबंध में उपगत व्यय, उक्त कंपनी वहन करेगी और इसी प्रकार, इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकारों के लिए या उनके संबंध में सभी विधिक कार्यवाहियों, जैसे अपील आदि की बाबत उपगत सभी व्यय भी, उक्त सरकारी कंपनी वहन करेगी;
- (3) उक्त सरकारी कंपनी केन्द्रीय सरकार या उसके पदधारियों की, ऐसे किसी अन्य व्यय के संबंध में, जो इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकारों के बारे में, केन्द्रीय सरकार या उसके पदधारियों द्वारा या उनके विरुद्ध किन्हीं कार्यवाहियों के संबंध में आवश्यक हो, क्षतिपूर्ति करेगी;
- (4) उक्त सरकारी कंपनी को, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के बिना, उक्त भूमि अधिकार किसी अन्य व्यक्ति को अंतरित करने की शक्ति नहीं होगी; और
- (5) उक्त सरकारी कंपनी, ऐसे निदेशों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा जब कभी आवश्यक हो, उक्त भूमि के विशिष्ट क्षेत्रों के लिए दिए जाएं या अधिरोपित की जाएं, पालन करेगी।

[फा.सं. 43055/19/92-एल.एस./
डब्ल्यू.]

श्रीमती प्रेमलता सेनी, अवसरसिध्द

ORDER

New Delhi, the 3rd February, 1997

S.O. 493.—Whereas on the publication of the notification of the Government of India in the Ministry of Coal, number S.O. 1296 dated the 14th May, 1993 in the Gazette of India, Part-II, Section-3, sub-section (ii) dated the 12th June, 1993 issued under sub-section (1) of Section 9 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the lands and rights in or over the lands as described in the Schedule appended to the said notification (hereinafter

referred to as the said lands) vested absolutely in the Central Government free from all encumbrances under sub-section (1) of Section 19 of the said Act;

And whereas the Central Government is satisfied that the Western Coalfields Limited, Nagpur (hereinafter referred to as the Government Company) is willing to comply with such terms and conditions as the Central Government thinks fit to impose in this behalf;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 11 of the said Act, the Central Government hereby directs that the said lands and rights in or over the said lands so vested shall with effect from the 12th June, 1993 instead of continuing to so vest in the Central Government, vest in the Government Company, subject to the following terms and conditions, namely :—

1. The Government Company shall reimburse the Central Government all payments made in respect of compensation, interest, damages and the like as determined under the provisions of the said Act;
2. A Tribunal shall be constituted for the purpose of determining the amounts payable to the Central Government by the Government Company under condition 1 and all expenditure incurred in connection with any such tribunal and persons appointed to assist the tribunal shall be borne by the Government Company and, similarly, all expenditure incurred in respect of all legal proceedings like appeals, etc. for or in connection with the rights, in or over the said lands so vesting shall also be borne by the Government Company;
3. The Government Company shall indemnify the Central Government or its officials against any other expenditure that may be necessary in connection with any proceedings by or against the Central Government or its officials regarding the rights in or over the said lands so vesting;
4. The Government Company shall have no power to transfer the lands and rights in or over the said lands so vested to any other person without the previous approval of the Central Government and
5. The Government Company shall abide by such directions and conditions as may be given or imposed by the Central Government for particular areas of the said lands as and when necessary.

[No. 43015/19/92-LSW]

Mrs. P. L. SAINI, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 3 फरवरी, 1997

का.आ.-494—कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 9 की उपधारा (1) के अधीन निकाली गई भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 1406 तारीख 25 अप्रैल, 1996 के, भारत के राजपत्र, भाग-2, खंड-3, उपखंड (ii), तारीख 11 मई, 1996 में प्रकाशित होने पर, उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित भूमि और भूनि में या उस पर के अधिकार (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त भूमि कहा गया है) उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के अधीन सभी विकलांगों से मुक्त होकर, आत्यंतिक रूप से केन्द्रीय सरकार में निहित हो गए थे ;

और केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड बिलासपुर (मध्य प्रदेश) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त सरकारी कम्पनी कहा गया है) ऐसे निबंधनों और शर्तों का, जो केन्द्रीय सरकार इस निमित्त अधिरोपित करना उचित समझे, अनुपालन करने के लिए राजामंद है ;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 11 उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निदेश देती है कि इस प्रकार निहित उक्त भूमि और उक्त भूमि में या उस पर के अधिकार, तारीख 11 मई, 1996 से केन्द्रीय सरकार में इस प्रकार निहित बने रहने की बजाय निम्नलिखित निबंधनों और शर्तों के अधीन रहने हुए, उक्त कम्पनी में निहित हो जाएँगे, अर्थात् :—

- (1) उक्त सरकारी कम्पनी, उक्त अधिनियम के उपबंधों के अधीन अवधारित प्रतिकर ब्याज, नुकसानों और वैसी ही मर्कों की बाबत किए गए सभी मंदायों की केन्द्रीय सरकार को प्रतिपूर्ति करेगी ;
- (2) उक्त सरकारी कम्पनी द्वारा शर्त (1) के अधीन, केन्द्रीय सरकार को संदेय रकमों का अवधारण करने के प्रयोजन के लिए एक अधिकरण का गठन किया जाएगा तथा ऐसे किसी अधिकरण और ऐसे अधिकरण की सहायता के लिए नियुक्त व्यक्तियों के संबंध में उपगत सभी व्यय, उक्त कम्पनी वहन करेगी और इसी प्रकार इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकारों के लिए या उनके संबंध में सभी विधिक कार्य-वाहियों, जैसे अपील आदि की बाबत उपगत सभी व्यय भी, उक्त सरकारी कम्पनी वहन करेगी ;
- (3) उक्त सरकारी कम्पनी केन्द्रीय सरकार या उसके पदधारियों की, ऐसे किसी अन्य व्यय के संबंध में, जो इस प्रकार निहित उक्त भूमि में या उस पर के अधिकारों के बारे में, केन्द्रीय सरकार या उसके पदधारियों द्वारा या उनके विरुद्ध किन्हीं कार्य-वाहियों के संबंध में आवश्यक हो, क्षतिपूर्ति करेंगी ;
- (4) उक्त सरकारी कम्पनी को, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन के बिना उक्त भूमि अधिकार किसी अन्य व्यक्ति को अंतरित करने की शक्ति नहीं होगी ; और
- (5) उक्त सरकारी कम्पनी, ऐसे निदेशों और शर्तों का जो केन्द्रीय सरकार द्वारा जब कभी आवश्यक

हो, भूमि के विशिष्ट क्षेत्रों के लिए दिए जाएँ या अधिरोपित की जाएँ पालन करेगी ।

[सं. 43015/20/93-एल.एस. डब्ल्यू.]

श्रीमती प्रेमलता सैनी, अव्वर सचिव

ORDER

New Delhi, the 3rd February, 1997

S.O. 494.—Whereas the publication of the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 1406 dated the 25th April, 1996 in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated the 11th May, 1996 issued under sub-section (1) of Section 9 of the Coal bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act), the land and rights in or over the lands described in the Schedule appended to the said notification (hereinafter referred to as the said lands) vested absolutely in the Central Government free from all encumbrances under sub-section (1) of Section 10 of the said Act.

And whereas the Central Government is satisfied that the South Eastern Coalfields Limited, Bilaspur (Madhya Pradesh) (hereinafter referred to as the Company), a Government Company, is willing to comply with such terms and conditions as the Central Government thinks fit to impose in this behalf ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 11 of the said Act, the Central Government hereby directs that the said lands and rights in or over the said lands so vested shall, with effect from 11th May, 1996, instead of continuing to so vest in the Central Government, vest in the said Company, subject to the following terms and conditions, namely :—

1. The said company shall reimburse the Central Government all payments made in respect of compensation, interest, damages and the like, as determined under the provisions of the said Act ;
2. A Tribunal shall be constituted for the purpose of determining the amounts payable to the Central Government by the said Company under conditional, and all expenditure incurred in connection with any such tribunal and persons appointed to assist the tribunal shall be borne by the said Company and similarly, all expenditure incurred in respect of all legal proceedings like appeals, etc. for or in connection with the rights in or over the said lands so vesting shall also be borne by the said Company ;
3. The said Company shall indemnify the Central Government or its Official against any other expenditure that may be necessary in connection with any proceedings by or against the Central Government or its officials regarding the rights in or over the said lands so vesting ;
4. The said Company shall have no power to transfer the said lands to any other person without the previous approval of the Central Government ; and
5. The said Company shall abide by such directions and conditions as may be given or imposed by the Central Government for particular areas of the said lands, as and when necessary.

[No. 43015/20/93-LSW]

MRS. P. L. SAINI, Under Secy,

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1997

का.आ. 495.— केन्द्रीय सरकार ने कोयला धारक क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम, 1957 (1957 का 20) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 7 की उपधारा (1) के अधीन भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (ii) तारीख 24 फरवरी, 1996 में प्रकाशित भारत सरकार के कोयला मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 520 तारीख 6 फरवरी, 1996 द्वारा उस अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट परिक्षेत्र की भूमि में जिसका माप 8419.70 एकड़ (लगभग) या 3407.408 हेक्टेयर (लगभग) है, खनिजों के खनन, बोर करने, उनकी खुदाई और तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने उन पर कार्य करने तथा उन्हें ले जाने के अधिकारों का अर्जन करने के अपने आशय की सूचना दी थी और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 8 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार का पूर्वोक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् और मध्य प्रदेश सरकार से परामर्श करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 8419.70 एकड़ (लगभग) या 3407.408 हेक्टेयर (लगभग) माप वाली भूमि में खनिजों के खनन, बोर करने, उनकी खुदाई करने, तलाश करने उन्हें प्राप्त करने उन पर कार्य करने और ले जाने के अधिकार अर्जित किए जाने चाहिए ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इससे संलग्न अनुसूची में वर्णित 8419.70 एकड़ (लगभग) या 3407.408 हेक्टेयर (लगभग) माप वाली भूमि में खनिजों के खनन, बोर करने, उनकी खुदाई करने और तलाश करने, उन्हें प्राप्त करने, उन पर कार्य करने और ले जाने के अधिकारों के अर्जन की घोषणा करती है ;

इस अधिसूचना के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र के रेखांक सं. एस.ई.सी.एल./बी. एस.पी./जी.एम. (पी.एल.जी.)/लैंड/ 165 तारीख 23 अप्रैल, 1996 का निरीक्षण, कलक्टर, गृहडोल (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में या कोयला नियंत्रक, 1 कांउंसिल हाउस स्ट्रीट कलकत्ता 760001 के कार्यालय में या साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स लिमिटेड (राजस्व अनुभाग) सीपत रोड, बिलासपुर 405006 (मध्य प्रदेश) के कार्यालय में किया जा सकता है ।

अनुसूची

अमाडण्ड खंड 2

सोहागपुर कोयला क्षेत्र

जमुना कोयला क्षेत्र

जिला गृहडोल (मध्य प्रदेश)

खन अधिकारन

क्र.सं.	ग्राम	पटवारी हल्का सं.	तहसील	जिला	क्षेत्र हेक्टेयर में	टिप्पणियां
1.	हर्ही	25	कोतमा	गृहडोल	270.842	संपूर्ण
2.	खोडरी	25	कोतमा	गृहडोल	569.840	संपूर्ण
3.	कुहका	27	कोतमा	गृहडोल	471.825	संपूर्ण
4.	निमहा	27	कोतमा	गृहडोल	855.503	संपूर्ण
5.	अमाडण्ड	27	कोतमा	गृहडोल	462.600	संपूर्ण
6.	फुलकोना	25	कोतमा	गृहडोल	620.000	भाग
7.	सेमरा	23	कोतमा	गृहडोल	156.798	भाग
योग					3407.408 हेक्टेयर (लगभग)	
					या	
					8419.70 एकड़ (लगभग)	

1. ग्राम हरी (संपूर्ण) में अर्जित खसरा संख्यांक

1 से 468 तक ।

2. ग्राम खोडरी (संपूर्ण) में अर्जित खसरा संख्यांक

1 से 645 तक ।

3. ग्राम कुहका (संपूर्ण) में अर्जित खसरा संख्यांक

1 से 560 तक ।

4. ग्राम निमहा (संपूर्ण) में अर्जित खसरा संख्यांक

1 से 1955, 659/1956, 679/1957, 659/1958, 940/1959, 945/1960, 852/1961, 1066/1962, 18/1963, 64/1964, 133/1965, 133/1966, 137/1967, 357/1968, 255/1969, 328/1970, 379/1971, 379/1972, 379/1973, 379/1974, 379/1975, 683/1976, 762/1977, 764/1978, 1138/1979, 1137/1980, 1029/1981, 1138/1982, 750/1983, 1415/1984, 1518/1985, 1530/1986, 1581/1987, 1584/1988, 1682/1989, 1726/1990, 1888/1991, 1846/1992, 561/1993 और 767/1994 ।

5. ग्राम अमाडन्ड (संपूर्ण) में अर्जित खसरा संख्यांक

1 से 1676, 365/1677, 1161/1678, 1217/1679, 157/1680, 662/1681, 474/1682, 97/1683, 97/1684, 97/1685, 119/1696, 302/1687, 376/1688, 474/1689, 673/1690, 666/1691, 870/1692, 1625/1693 और 512/1694 ।

6. ग्राम फुलकोना (भाग) में अर्जित खसरा संख्यांक

1 से 1185, 1186 (भाग), 1187 (भाग), 1188 (भाग), 1200 (भाग), 1202 (भाग), 1204 (भाग), 1205, 1206, 1207 (भाग), 1208 से 1285, 1286 (भाग), 1297 (भाग), 1290 (भाग), 635/1300, 634/1301, 482/1302, 634/1303, 521/1304, 521/1305, 521/1306, 657/1307, 760/1308, 827/1309, 570/1310, 1069/1311, 1152/1312, 1159/1313, 1186/1314, 1107/1315, 1108/1316, 1275/1312, 1275/1318, 1277/1319, 1285/1320, 1268/1321, 1268/1322, 1264/1323, 1251/1324 ।

7. ग्राम सेंमरा (भाग) में अर्जित खसरा संख्यांक

59 (भाग), 60 (भाग), 61 से 98, 99 (भाग), 101 (भाग), 200 (भाग), 201 (भाग), 202, 203 (भाग), 204, 205 (भाग), 213 (भाग), 249 (भाग), 251 (भाग), 252 (भाग), 253 (भाग), 254, 255 (भाग), 256 (भाग), 257 से 287, 288 (भाग), 289 से 424, 425 (भाग), 426 से 440, 441 (भाग), 442, 443 (भाग), 527 (भाग), 528, 529 (भाग), 545 (भाग), 546 (भाग), 547 से 554, 555 (भाग), 556 (भाग), 557 (भाग), 561 से 673, 560 (भाग), 674 (भाग), 675, 676, 434/678, 352/679, 388/680, 582/681 और 302/1677

सीमा वर्णन :

क-ख-ग : रेखा ग्राम हरी, कटकोना, उरा के तिराहे पर बिन्दु "क" से आरंभ होती है और ग्राम हरी कटकोना, हरी-पिपरथा की सम्मिलित सीमाओं के साथ-साथ जाती है बिन्दु "ग" पर मिलती है ।

ग-घ : रेखा भागतः ग्राम हरी सेंमरा की सम्मिलित सीमाओं के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "घ" पर मिलती है ।

घ-ङ : रेखा प्लॉट संख्यांक 59, 60, 99, 101, 99, 288, 251, 252, 253, 249, 253, 255, 253, 256 प्लॉट सं. 257 की उत्तरी सीमा से होकर फिर प्लॉट सं. 425, 205, 213, 203, 201, 200, 441, 443, 545, 546, 555, 556, 557, 560, 529, 527, 674, 527, 674 से होकर ग्राम सेंमरा से होते हुए जाती है और बिन्दु "ङ" पर मिलती है ।

ङ-च : रेखा भागतः ग्राम सेंमरा पञ्चरीटोला, फुलकोना-मालमुड़ी की सम्मिलित सीमाओं के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "च" पर मिलती है ।

च-छ : रेखा प्लॉट सं. 1290, 1186, 1187, 1188, 1207, 1200, 1202, 1207, 1204, 1287, 1286 से होकर ग्राम फुलकोना से होते हुए जाती है और बिन्दु "छ" पर मिलती है ।

छ-छ-1-ज : रेखा भागतः फुलकोना अलगा की सम्मिलित सीमाओं, फिर अमाडन्ड-मलगा, अमाडन्ड-वरतराई, अमाडन्ड-मल-वाही के साथ साथ जाती है और बिन्दु "ज" पर मिलती है ।

- ज-म : रेखा ग्राम निमहा-बुक की सम्मिलित सीमाओं के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "म" पर मिलती है।
- म-न : रेखा ग्राम निमल-भाद की सम्मिलित सीमाओं के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "न" पर मिलती है।
- न-ट-ठ : रेखा ग्राम निमल सभौली बुहका-मभौली की सम्मिलित सीमाओं के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ठ" पर मिलती है।
- ठ-ड-ढ़ : रेखा ग्राम कुहका घनौली, कुहका-उरा की सम्मिलित सीमाओं के साथ-साथ जाती है और बिन्दु "ढ़" पर मिलती है।
- ढ़-क : रेखा ग्राम खोडरी उरा-हरी-उरा की सम्मिलित सीमाओं के साथ-साथ जाती है और आरंभिक बिन्दु "क" पर मिलती है।

[फा. स. 43015/11/93 एल. एस. डब्ल्यू]

श्रीमती पी. एल. सैनी, अवर सचिव

New Delhi, the 4th February, 1997

S. O. 495.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Coal number S.O. 520, dated 6th February, 1996 issued under Sub-section (1) of Section 7 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957) (hereinafter referred to as the said Act) and published in Part II, Section 3, sub-section (ii) of the Gazette of India dated 24th February, 1996, the Central Government gave notice of its intention to acquire the rights to mine, quarry, bore dig and search for, win work and carry away the minerals in the lands measuring 8419.70 acres (approximately) or 3407.408 hectares (approximately) in the locality specified in the Schedule appended to that notification.

And whereas the competent authority in pursuance of section 8 of the said Act, has made his report to the Central Government;

And whereas the Central Government, after considering the report aforesaid and after consulting the Government of Madhya Pradesh, is satisfied that the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win work and carry away the minerals in the lands measuring 8419.70 acres (approximately) or 3407.408 hectares (approximately) described in the Schedule appended hereto should be acquired.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the said Act, the Central Government hereby declares that the rights to mine, quarry, bore, dig and search for, win, work and carry away the minerals in the lands measuring 8419.70 acres (approximately) or 3407.408 hectares (approximately) described in the Schedule, annexed hereto, are hereby acquired.

The plan bearing No : SECL/BSP/GM (Pig) /Land/165 dated the 23rd April, 1996 of the areas covered by this notification may be inspected in the Office of the Collector, Shahdol (Madhya Pradesh) or in the Office of the Coal Controller, 1, Council House street, Calcutta-700001 or in the Office of the South Eastern Coalfields Limited (Revenue Section;) Seepat Road, Bilaspur 495 006 (Madhya Pradesh)

SCHEDULE
AMADAND BLOCK-II
SOHAGPUR COALFIELDS
JAMUNA KOTMA AREA
DISTRICT SHAHDOL (MADHYA PRADESH)

MINING RIGHTS

Serial number	Village	Patwari Halka number	Tahsil	District	Area in hectares.	Remarks
1.	Harri	25	Kotma	Shahdol	270.842	Full
2.	Khodri	25	Kotma	Shahdol	569.840	Full
3.	Kuhaka	27	Kotma	Shahdol	471.825	Full
4.	Nimaha	27	Kotma	Shahdol	855.503	Full
5.	Amadand	27	Kotma	Shahdol	462.600	Full
6.	Phulkona	25	Kotma	Shahdol	620.000	Part
7.	Semra	23	Kotma	Shahdol	156.798	Part

TOTALS ; 3407.408 hectares (approximately) or 8419.70 Acres (Approximately).

1. Khasra numbers acquired in village Harri (Full) 1 to 463
2. Khasra numbers acquired in village Khodri (Full) 1 to 645
3. Khasra numbers acquired in village Kuhaka (Full) 1 to 560
4. Khasra numbers acquired in village Nimaha (Full) 1 to 1955, 659/1956, 679/1957, 659/1958, 940/1959, 945/1960, 852/1961, 1066/1962, 18/1963, 64/1964, 133/1965, 133/1966, 137/1967, 357/1968, 255/1969, 328/1970, 379/1971, 379/1972, 379/1973, 379/1974, 379/1975, 683/1976, 762/1977, 764/1978, 1138/1979, 1137/1980, 1029/1981, 1138/1982, 750/1983, 1415/1984, 1518/1985, 1530/1986, 1581/1987, 1584/1988, 1682/1989, 1726/1990, 1888/1991, 1846/1992, 561/1993, 767/1994.
5. Khasra numbers acquired in village Amadand (Full) 1 to 1676, 365/1677, 1161/1678, 1217/1679, 157/1680, 662/1681, 474/1682, 97/1683, 97/1684, 97/1685, 119/1686, 302/1687, 376/1688, 474/1689, 673/1690, 666/1691, 870/1692, 1625/1693, and 512/1694.
6. Khasra numbers acquired in village Phulkona (Part) 1 to 1185, 1186 (Part), 1187 (Part), 1188 (Part), 1200 (Part), 1202 (Part), 1204 (Part), 1205, 1206, 1207 (Part), 1208 to 1285, 1286 (Part), 1287 (Part), 1290 (Part), 635/1300, 634/1301, 482/1302, 634/1303, 521/1304, 521/1305, 521/1306, 657/1307, 760/1308, 827/1309, 970/1310, 1062/1311, 1152/1312, 1159/1313, 1186/1314, 1107/1315, 1108/1316, 1275/1317, 1275/1318, 1277/1319, 1285/1320, 1268/1321, 1268/1322, 1264/1323, 1251/1324, .
7. Khasra numbers acquired in village Semra (Part) 59 (Part), 60 (Part), 61 to 98, 99 (Part), 101 (Part), 200 (Part), 201 (Part), 202, 203 (Part), 204, 205 (Part), 213 (Part), 249 (Part), 251 (Part), 252 (Part), 253 (Part), 254, 255 (Part), 256 (Part), 257 to 287, 288 (Part), 289 to 424, 425 (Part), 426 to 440, 441 (Part), 442, 443 (Part), 527 (Part), 528, 529 (Part), 545 (Part), 546 (Part), 547 to 554, 555 (Part), 556 (Part), 557 (Part), 560 (Part), 561 to 673, 674 (Part), 675, 676, 434/678, 352/679, 388/680, 582/681, & 302/1677.

BOUNDARY DESCRIPTION

- A—B—C** Line starts from point 'A' on the trijunction of villages Harri, Katkona, Oora and passes along the common boundaries of villages Harri-Katkona, Harri-Piparaha and meets at point 'C'.
- C—D** Line passes partly along the common boundaries of villages Harri-Semra and meets at point 'D'.
- D—E** Line passes through village Semra, through plot numbers 59, 60, 99, 101, 99, 288, 251, 252, 253, 249, 253, 255, 253, 256, northern boundary of plot No. 257, then through plot numbers 425, 205, 213, 203, 201, 200, 441, 443, 545, 546, 555, 556, 557, 560, 529, 527, 674, 527, 674 and meets at point 'E'.
- E—F** Line passes partly along the common boundaries of villages Semra-Padritola, Phulkona-Bhalmudi and meets a point 'F'.
- F—G** Line passes through village Phulkona, through plot numbers 1290, 1186, 1187, 1188, 1207, 1200, 1202, 1207, 1204, 1287, 1286 and meets at point 'G'.
- G—GI—H** Line passes partly along the common boundaries of village Phulkona-Malga then, Amadand, Malga Amadand, Bartarai, Amadand-Bhalwahi and meets at point 'H'.
- H—I** Line passes along the common boundaries of villages Nimaha-Chukan and meets at point 'I'.
- I—J** Line passes along the common boundaries of villages Nimaha-Bhad and meets at point 'J'.
- J—K—L** Line passes along the common boundaries of villages Nimaha-Majhauri, Kuhaka-Majhauri and meets at point 'L'.
- L—M—N** Line passes along the common boundaries of villages Kuhaka-Dhanauri, Kuhaka-Oora and meets at point 'N'.
- A** Line passes along the common boundaries of villages Khodri-Oora, Harri-Oora and meets at the starting point 'A'.

इस्पात मंत्रालय

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1997

का.आ. 496.—केन्द्रीय सरकार, पेट्रोलियम पाइप लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा-2 के खण्ड (क) के अनुसरण में नीचे दी गई अनुसूची के स्तम्भ (1) में उल्लिखित व्यक्ति को उक्त अनुसूची के स्तम्भ (2) में तत्संबंधी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट क्षेत्रों में उक्त अधिनियम के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कृत्यों का पालन करने के लिए प्राधिकृत करती है—

अनुसूची

प्राधिकारी	क्षेत्रीय अधिकारिता
1. वरिष्ठ प्रबंधक (प्रशासन) के.आई.ओ.सी.एल. पणम्बूर, मंगलोर, जिला दक्षिण कनारा	कर्नाटक राज्य में दक्षिण कनारा जिले के कारकाला और मंगलोर तालुक
2. वरिष्ठ प्रबंधक (प्रशासन) के.आई.ओ.सी.एल., कुद्रेमुख, जिला : चिकमंगलूर	कर्नाटक राज्य में चिकमंगलूर जिले का मुडीगेरे तालुक

[संख्या 3(2)/97-के.डी.एम]

अजय त्यागी, उप सचिव

MINISTRY OF STEEL

New Delhi, the 6th February, 1997

S.O. 496.—In pursuance of clause (a) of section 2 of the Petroleum Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby authorises the officer mentioned in Column (1) of the Schedule below to perform the functions of the competent authority under the said act in the area specified in the corresponding entry in column (2) of the said Schedule.

SCHEDULE

AUTHORITY	TERRITORIAL JURISDICTION
1	2
1. Senior Manager (Administration), KIOCL Panambur, Mangalore, Dist. South Kanara.	Karkala & Mangalore Taluk of South Kanara District in the State of Karnataka.
2. Senior Manager (Administration), KIOCL Kudremukh Dist. Chickmagalur.	Mudigere Taluk of Chickmagalur District in the State of Karnataka.

[No. 3.(2)/97-KDM]

AJAY TYAGI, Dy. Secy.

नागरिक पूर्ति, उपभोक्ता मामले और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

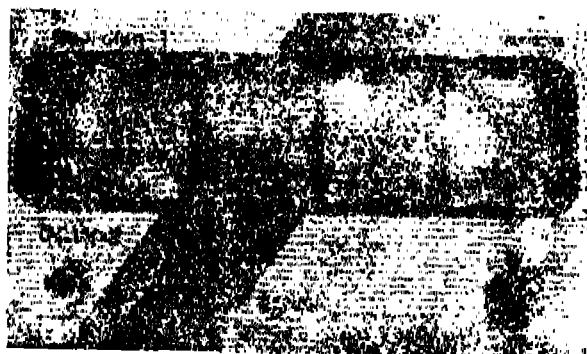
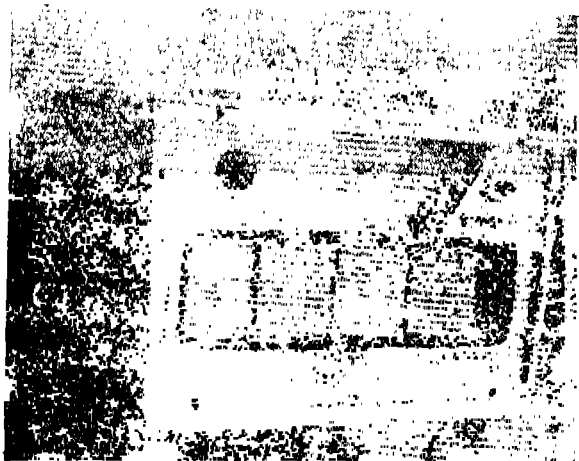
नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1997

का.आ. 497.—केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा निवेदित रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात्, समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित (नीचे प्राकृति देखिए) माडल बाट और माप मानक अधिनियम 1976 (1976 का 80) और बाट और माप मानक (माडल का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबन्धों के अनुरूप है और इस बात की

संभावना है कि वह लगातार प्रयोग की अवधि में यथार्थता बनाये रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा देता रहेगा;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सी. डब्ल्यू. सिरिज टाइप वर्ग III (जिसे इसमें इसके पश्चात् माडल कहा गया है) के स्वतः सूचक गैर-स्वचालित क्रेन तोलन उपकरण के माडल का जिसका विनिर्माण मैसर्स इंडीपेंडेड प्रोसेस आटोमेशन प्रा. लि. 472 बी 2, 12वा क्रॉस, IV फेस, पीनिया इंडस्ट्रियल एरिया, बंगलूर-560058 द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिन्ह आई.एन.डी./09/94/74 समनुषिष्ट किया गया है, अनुमोदन प्रमाणपत्र प्रकाशित करती है।

माडल (आकृति देखिए) एक मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) का क्रेन तोलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 2000 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 20 किलोग्राम है। सत्यापन मापमान अंतर (ई) 1 किलोग्राम है। इसमें एक डेयर युक्ति है जिसका व्यक्तनात्मक प्रतिधारण डेयर प्रभाव 100 प्रतिशत है। यह क्रेन के हुक से आलंबन के लिये विशेष रूप से सन्निमित्त तोलन प्रणाली है और भार को उठाने के लिये हुक के साथ फिट है। 14 अंकीय, 7 खंडीय एल.सी.डी. संप्रदर्श तोल परिणाम उपदर्शित करता है। यह उपकरण 9वोल्ट, ड्राई सेल बैटरी विद्युत् प्रदाय पर प्रचालित होता है।



आगे, केन्द्रीय सरकार यह घोषणा करती है कि माडल के अनुमोदन के इस प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित माडल का विनिर्माण किया गया है विनिर्मित 5 टन, 10 टन और 20 टन की अधिकतम क्षमता वाले समरूप नैक, यथार्थता और उसी सिरिज के कार्यकरण वाले क्रेन तोलन उपकरण भी हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू. एम 21(16)/94]

राजीव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

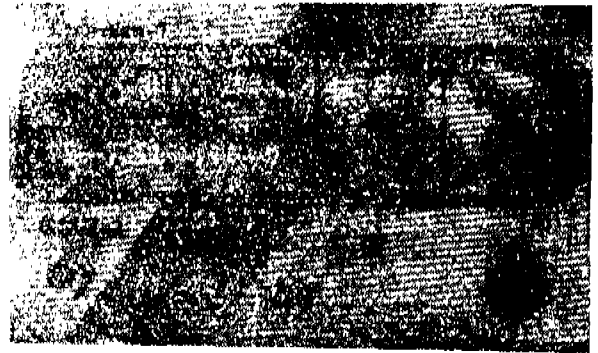
MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES, CONSUMER AFFAIRS AND PUBLIC DISTRIBUTION

New Delhi, the 4th February, 1997

S.O. 497.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model (figure below) described in the said report is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) and (8) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the model of the self-indicating non-automatic, crane weighing machine of type CW series class III accuracy (hereinafter referred to as the model) manufactured by M/s IPA Pvt., 472-B2, 12th Cross, IV Phase, Peenya Indl. Area, Bangalore 560058, and which is assigned the approval mark IND/09/94/74;

The model (see figure) is a medium accuracy (accuracy class III) crane weighing instrument with a maximum capacity of 2000 kilogram and minimum capacity of 20kg. The verification scale interval (e) is 1 kilogram. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. It has a weighing system specially constructed for suspension from a hook of a crane and fitted with a hook for lifting the load. The 4 digit LCD display indicates the weighing result. The instrument operates on 9 volts dry cell power supply;



Further, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the crane weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity of 5 tonne, 10 tonne and 20 tonne manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[File No. WM 21(16)/94]
RAJIV SRIVASTAVA, Jt. Secy.

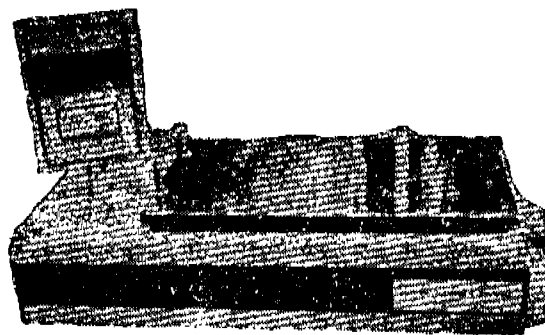
3

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1997

का.प्रा. 498.—केंद्रीय सरकार, का विहित प्राधिकारी के द्वारा निवेदित रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित (नीचे आकृति देखिए) माडल बाट और माप मानक अधिनियम 1976, (1976 का 60) और बाट और माप मानक (माडल का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि वह लगातार प्रयोग की अवधि में यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा देता रहेगा ;

अतः, केंद्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 उपधारा (7) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मध्यम यथार्थता वर्ग III की आई सी. 10 सीरीज टाइप के और "इण्ड टॉम" ब्रांड नाम वाले स्वतः सूचक गैर-स्वचालित टेबल टॉप तोलन उपकरण के माडल का (जिसे इसमें इसके पश्चात् माडल कहा गया है) जिसका विनिर्माण मैसर्स इंड टॉम इंस्ट्रूमेंट सिस्टम्स, 61, कलाई नगर III स्ट्रीट, मदुरई-625014, तमिलनाडू राज्य द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिन्हन आई. एन. डी./09/96/26 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र प्रकाशित करती है।

माडल (आकृति देखिए) एक मध्यम (यथार्थता वर्ग III) का तोलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 10 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 40 ग्राम है। सत्यापन मापमान अंतर (ई) 2 ग्राम है। इसमें एक टेयर युक्ति है जिसका व्यकलनात्मक प्रतिधारण टेयर प्रभाव 100 प्रतिशत है। भारग्राही आयताकार सेक्शन का है जिसका आकार 330 × 190 मिली० मीटर है। प्रकाश उत्सर्जन डायोड संप्रवर्धन तोल परिमाण उपवर्णित करता है यह उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज के प्रत्यावर्ती द्वारा प्रवाय पर प्रचालित होता है।



आगे, केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि माडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अन्तर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित माडल का विनिर्माण किया गया है विनिर्मित 1 किलोग्राम/20 मि. ग्राम, 5 किलोग्राम/1 ग्राम, या 5 ग्राम, 15 किलोग्राम/5 ग्राम और 30 किलोग्राम, 10 ग्राम की अधिकतम क्षमता वाले समरूप पैक, यथार्थता और उसी सिरीज के कार्यकरण वाले तोलन उपकरण भी हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम 21(12) 95]

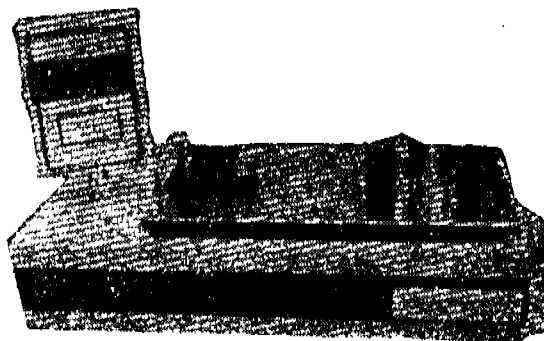
गजीव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 5th February, 1997

S.O. 498—Whereas the Central Government after considering the report submitted to it by the prescribed authority is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the Model of the self-indicating, non-automatic table top weighing instrument of type IC-10 series of class II Medium accuracy and with brand name "IND-TAM" (hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/S Ind Tam Instrument Systems, 61, Kalai Nagar III Street, Madurai 625014, Tamil Nadu State, and which is assigned the approval mark IND/09/96/26;

The Model (see figure) is a medium accuracy (accuracy class III) weighing instrument with a maximum capacity of 10 kg and minimum capacity of 40 g. The verification of 10 scale interval (e) is 2 gram. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The load receptor is of rectangular section of size 330×190 millimetres. The LED display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts, 50 Hertz alternate current power supply;



Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity of 1kg/200mg, 5kg/1g or 5g, 15kg/5g and 30kg/10g manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[File No. WM 21 (12)/95]

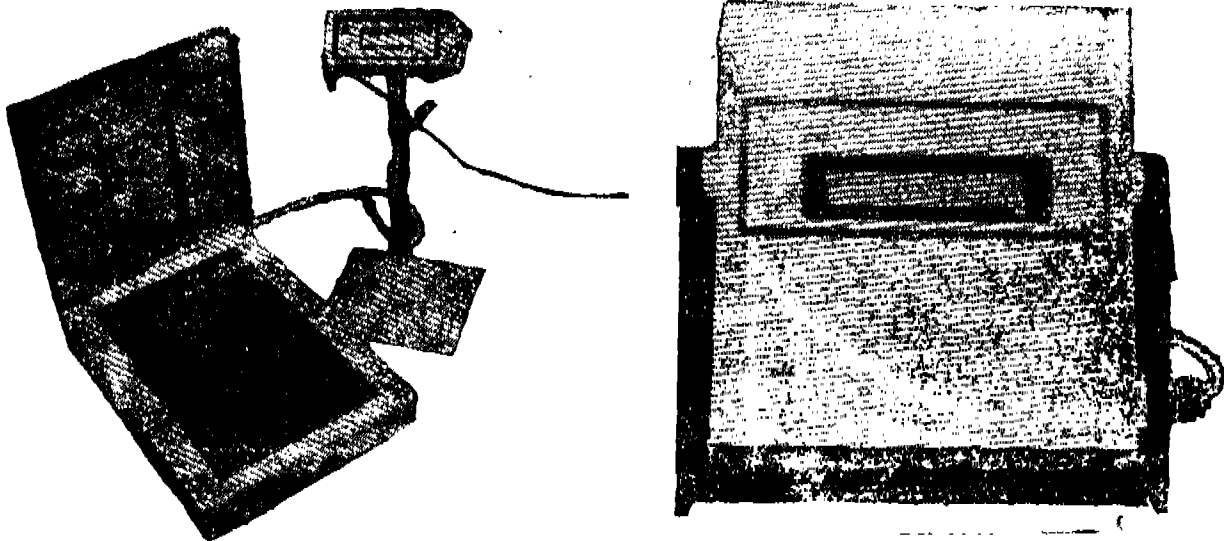
RAJIV SRIVASTAVA, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1997

का.प्रा. 499.-केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा निवेदित रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित (नीचे आकृति देखिये) माडल बाट और माप मानक अधिनियम, 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (माडल का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि वह लगातार प्रयोग की अवधि में यथार्थता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा देता रहेगा ;

अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मध्यम यथार्थता वर्ग III की आई पी-150 सिरिज टाइप के और "इण्ड टॉम" ब्रांड नाम वाले स्वतः सूचक गैर-स्वचालित प्लेट फार्म तोलन उपकरण के माडल का (जिसे इसमें इसके पश्चात् माडल कहा गया है) जिसका विनिर्माण मैसर्स इंड टॉम इंस्ट्रुमेंट सिस्टम्स, 61, कलाई नगर III स्ट्रीट, मदुरई-625014, तमिलनाडू राज्य द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिन्ह आई.एन.डी./09-96/27 समनु-देशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र प्रकाशित करती है।

माडल (आकृति देखिए) एक मध्यम (यथार्थता वर्ग III) का तोलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 150 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 1 ग्राम है। स्थापन मापमान अंतर (ई) 50 ग्राम है। इसमें एक टेयर युक्ति है जिसका व्यकलनात्मक प्रति-धारण टेयर प्रभाव 100 प्रतिशत है। भारग्राही आयताकार सेक्शन का है जिसका आकार 600×400 मिलीमीटर है। प्रकाश उत्सर्जन डायोड संप्रदर्श तोल परिणाम उपदर्शित करता है। यह उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज के प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर प्रचालित होता है।



(आकृति)

आगे, केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि माडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अन्तर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धान्त, डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित माडल का विनिर्माण किया गया है विनिर्मित 50 किलोग्राम/10 ग्राम, 150 किलोग्राम/50 ग्राम, 200 किलोग्राम/50 ग्राम, 300 किलोग्राम/100 ग्राम, 500 किलोग्राम/100 ग्राम, 1000 किलोग्राम/500 ग्राम, 1500 किलोग्राम/500 ग्राम और 2000 किलोग्राम/500 ग्राम की अधिकतम क्षमता वाले समरूप मेक, यथार्थता और उसी सिरिज के कार्य करण वाले तोलन उपकरण भी हैं।

[फा. सं. डब्ल्यू एम 21(12)/95]

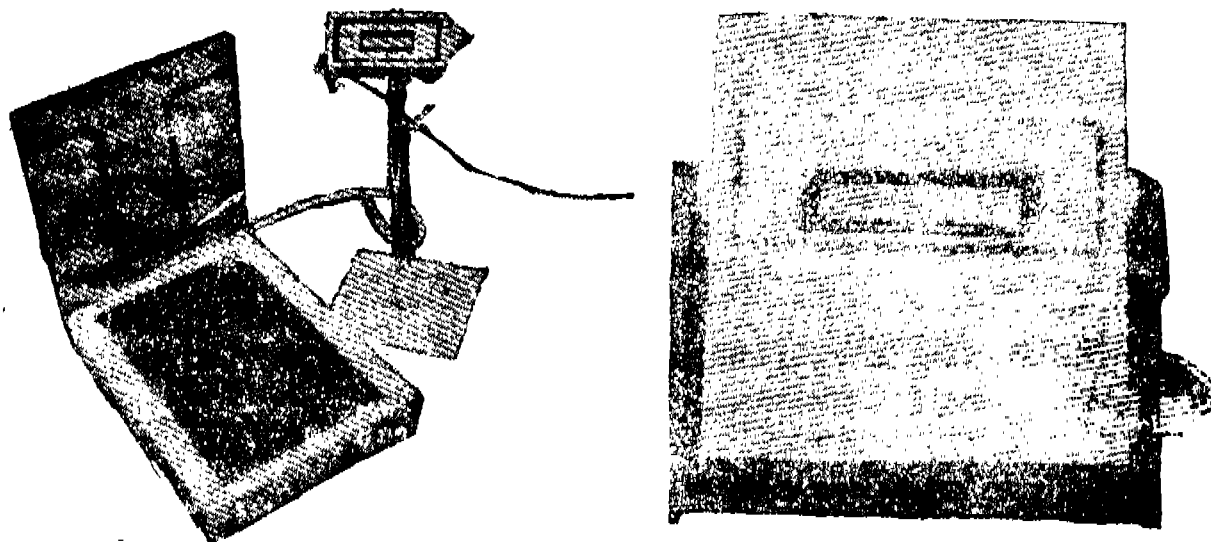
राजीव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 5th February, 1997

S.O. 499.—Whereas the Central Government, after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (60 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules 1987 and the said Model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accuracy service under varied conditions:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of Section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the Model of the self-indicating, non-automatic platform weighing instrument of type IP-150 series of class III Medium accuracy and with brand name "IND-TAM" hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/s Ind Tam Instrument Systems, 61, Kalai Nagar III Street, Madurai-625014, Tamil Nadu State, and which is assigned the approval mark IND/09/96/27;

The Model (see figure) is a medium accuracy (accuracy class III) weighing instrument with a maximum capacity of 150 kg and minimum capacity of 1kg. The verification scale interval (e) is 50 gram. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The load receptor is of rectangular section of size 600×400 millimetres. The LED display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts, 50 Hertz alternate current power supply;



Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity of 50kg/10g, 150kg/50g, 200kg/50g, 300kg/100g, 500kg/100g, 1000kg/500g, 1500kg/500g, and 2000kg/500g manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which the approved Model has been manufactured.

[File No. WM 21 (12) /95]

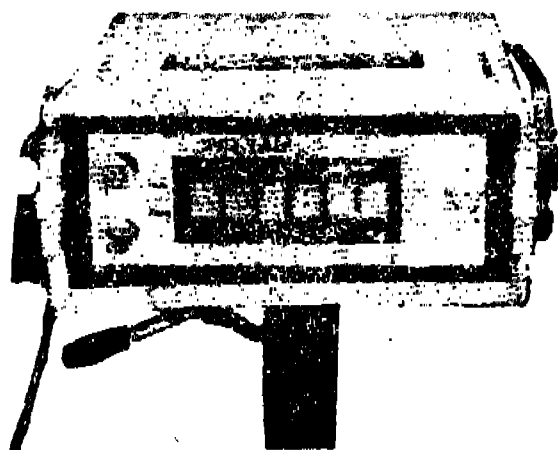
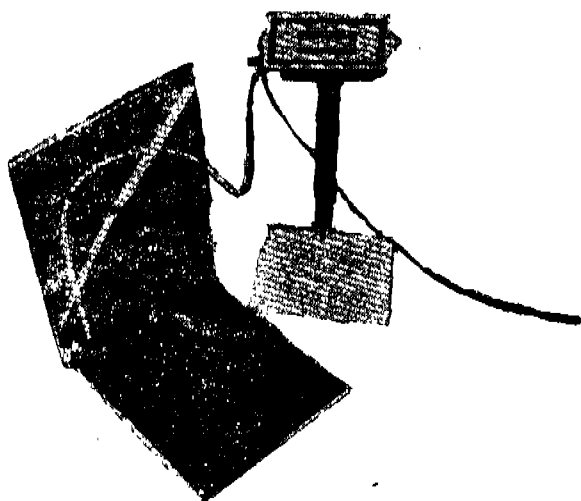
RAJIV SRIVASTAVA Jr. Secy.

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1997

का.भा. 500.—केन्द्रीय सरकार का विहित प्राधिकारी द्वारा निवेदित रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् समाधान हो गया है कि उक्त रिपोर्ट में वर्णित (नीचे आकृति देखिए) माडल बाट और माप मानक अधिनियम 1976 (1976 का 60) और बाट और माप मानक (माडल का अनुमोदन) नियम, 1987 के उपबंधों के अनुरूप है और इस बात की संभावना है कि वह लगातार प्रयोग की अवधि में यथायत्ता बनाए रखेगा और विभिन्न परिस्थितियों में उपयुक्त सेवा देता रहेगा;

अतः, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 36 की उपधारा (7) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मध्यम यथार्थता वर्ग III की आई पी-60 सिरिज टाइप के और "इण्ड टॉम" ब्रांड नाम वाले स्वतः संचालित प्लेट फार्म तोलन उपकरण के माडल का (जिसे इसमें इसके पश्चात् माडल कहा गया है) जिसका विनिर्माण मैसर्स इंड टॉम इंस्ट्रूमेंट सिस्टम्स, 61, कलाई नगर, III स्ट्रीट, मदुरई-625014, तमिलनाडू राज्य द्वारा किया गया है और जिसे अनुमोदन चिन्ह आई.एन.डी./09/96/28 समनुदेशित किया गया है, अनुमोदन प्रमाण पत्र प्रकाशित करती है।

माडल (आकृति देखिए) एक मध्यम यथार्थता (यथार्थता वर्ग III) का तोलन उपकरण है जिसकी अधिकतम क्षमता 60 किलोग्राम और न्यूनतम क्षमता 200 ग्राम है। सत्यापन मापमान अंतर (ई) 10 ग्राम है। इसमें एक टेयर युक्त है जिसका व्यकलनात्मक प्रतिधारण टेयर प्रभाव 100 प्रतिशत है। भारग्राही आयताकार सेक्शन का है जिसका आकार 430 × 390 मिलीमीटर है। प्रकाश उत्सर्जन जायोज संप्रदर्श तोल परिणाम उपदर्शित करता है। यह उपकरण 230 वोल्ट, 50 हर्ट्ज के प्रत्यावर्ती धारा विद्युत प्रदाय पर प्रचालित होता है।



अतः, केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा की उपधारा (12) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि माडल के अनुमोदन के इस प्रमाण पत्र के अन्तर्गत उसी विनिर्माता द्वारा उसी सिद्धांत डिजाइन के अनुसार और उसी सामग्री से, जिससे अनुमोदित माडल का विनिर्माण किया गया है विनिर्मित 30 किलोग्राम/5 ग्राम और 120 किलोग्राम/20 ग्राम की अधिकतम क्षमता वाले समरूप मक, यथार्थता और उसी सिरिज के कार्यकरण वाले तोलन उपकरण भी है।

[फा.सं. डब्ल्यू एम 21(12)/95]

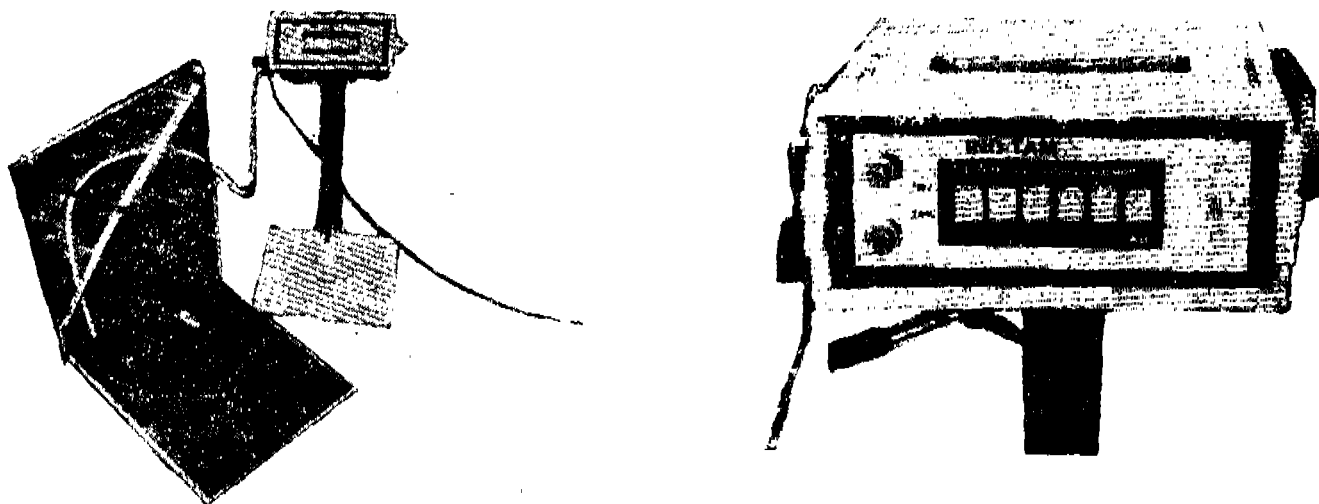
राजीव श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 5th February, 1997

S.O. 500.—Whereas the Central Government after considering the report submitted to it by the prescribed authority, is satisfied that the Model described in the said report (see the figure given below) is in conformity with the provisions of the Standards of Weights and Measures Act, 1976 (6 of 1976) and the Standards of Weights and Measures (Approval of Models) Rules, 1987 and the said Model is likely to maintain accuracy over periods of sustained use and to render accurate service under varied conditions;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (7) of section 36 of the said Act, the Central Government hereby publishes the certificate of approval of the Model of the self indicating non-automatic platform weighing instrument of type IP-60 series of class III Medium accuracy and with brand name "IND-TAM" (hereinafter referred to as the Model) manufactured by M/S Ind Tam Instrument Systems, 61, Kalai Nagar, III Street, Madurai-625014, Tamil Nadu, and which is assigned the approval mark IND/09/96/28;

The Model (see figure) is a medium accuracy (accuracy class III) weighing instrument with a maximum capacity of 60 kg. and minimum capacity of 200g. The verification scale interval (e) is 10 gram. It has a tare device with a 100 percent subtractive retained tare effect. The load receptor is of rectangular section of size 430X390 millimetre. The LED display indicates the weighing result. The instrument operates on 230 volts, 50 Hertz alternate current power supply:



(figure)

Further, in exercise of the powers conferred by sub-section (12) of the said section, the Central Government hereby declares that this certificate of approval of the Model shall also cover the weighing instrument of similar make, accuracy and performance of same series with maximum capacity of 30kg/5g and 120kg/20g manufactured by the same manufacturer in accordance with the same principle, design and with the same materials with which, the approved Model has been manufactured.

[File No. WM 21 (12) /95]

RAJIV SRIVASTAVA Jt. Secy.

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 4 फरवरी, 1997

का.आ. 501.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम, 1956 (1956 का 102) की धारा 11 की उपधारा (2) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारतीय आयुर्विज्ञान परिषद से परामर्श के पश्चात् उक्त अधिनियम की प्रथम अनुसूची निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त प्रथम अनुसूची में,

(क) “बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय” ले सामने “मान्यता प्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता” स्तम्भ में “डाक्टर ऑफ मेडीसन (सूक्ष्म जीव विज्ञान)” प्रविष्टि और “रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर” स्तम्भ में उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् क्रमशः निम्नलिखित अन्तः स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता

रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर

“डाक्टर आफ मेडीसन
(यक्ष्मा और श्वसन रोग)

एम.डी. (यक्ष्मा और श्वसन)
(जब सितम्बर 1973 को या उसके पश्चात् प्रवृत्त की गई हो
तो वह एक मान्यताप्राप्त अर्हता होगी।)

(ख) "बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय" के सामने "मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता" स्तम्भ में, "मास्टर ऑफ सर्जरी (जनरल-सर्जरी)" प्रविष्टि और "रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर" स्तम्भ में उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित अन्तः-स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता

रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर

"डाक्टर ऑफ मेडिसिन
(सामान्य आयुर्विज्ञान)

एम. डी. (सामान्य आयुर्विज्ञान)
(जब 1982 को या उसके पश्चात्
प्रदत्त की गई हो तो वह एक
मान्यताप्राप्त अर्हता होगी)

(ग) "दिल्ली विश्वविद्यालय" के सामने "मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता" स्तम्भ में, "डाक्टर ऑफ मेडिसिन (विकिरण-चिकित्सा)" प्रविष्टि और "रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर" स्तम्भ में उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् क्रमशः निम्नलिखित अन्तः-स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता

रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर

डाक्टर ऑफ मेडिसिन
(मनोविकार विज्ञान)

एम. डी. (मनोविकार विज्ञान) (जब
1987 को या उसके पश्चात् प्रदत्त
की गई हो तो वह एक मान्यताप्राप्त
अर्हता होगी)

(घ) "गुरुनानक देव विश्वविद्यालय" के सामने "मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता" स्तम्भ में, "डाक्टर ऑफ मेडिसिन (यक्ष्मा और श्वसन रोग)" प्रविष्टि और "रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर" स्तम्भ में उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् क्रमशः निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता

रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर

डाक्टर ऑफ मेडिसिन
(जीव रसायन विज्ञान)

एम. डी. (जीव रसायन विज्ञान)
(जब 1983 को या उसके पश्चात्
प्रदत्त की गई हो तो वह एक
मान्यताप्राप्त अर्हता होगी)

(ङ) केरल विश्वविद्यालय के सामने "मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता" स्तम्भ में, "चिकित्सीय विकिरणी निदान में डिप्लोमा प्रविष्टि और रजिस्ट्रेशन के लिए संक्षेपाक्षर" स्तम्भ में उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् क्रमशः निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

मान्यता प्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता

रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर

डाक्टर ऑफ मेडिसिन
(जटराब्ज, रोग विज्ञान)

डी. एम. (जटराब्ज रोग विज्ञान)
(जब 1980 को या उसके पश्चात्
प्रदत्त की गई हो तो वह एक
मान्यताप्राप्त अर्हता होगी)

मैजिस्टर चिरुरजी
(तंत्रिका शल्य विज्ञान)

एम. सी. एच. (तंत्रिका शल्य विज्ञान)
(जब 1980 को या उसके पश्चात् प्रदत्त की
गई हो तो वह एक मान्यताप्राप्त अर्हता होगी)

(च) "मणिपुर विश्वविद्यालय" के सामने "मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता" स्तम्भ में, "डाक्टर ऑफ मेडिसिन (प्रसूति विज्ञान और स्त्री रोग विज्ञान)" प्रविष्टि और "रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर" स्तम्भ में उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् क्रमशः निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता

रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर

"मास्टर ऑफ सर्जरी
(सामान्य शल्य विज्ञान)

एम. एस. (सामान्य शल्य विज्ञान)
(जब 23-10-91 को या उसके पश्चात्
प्रदत्त की गई हो तो वह एक
मान्यताप्राप्त अर्हता होगी)

(ठ) "नागपुर विश्वविद्यालय" के सामने "मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता" स्तम्भ में, "डाक्टर आफ मेडिसिन (न्याय आयुर्विज्ञान)" प्रविष्टि और "रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर" स्तम्भ में उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् क्रमशः निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता

रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर

"डाक्टर आफ मेडिसिन
(बाल चिकित्सा विज्ञान)

एम.डी. (बाल चिकित्सा विज्ञान)
(जब 1974 को या उसके पश्चात् प्रदत्त की
गई हो तो वह एक मान्यताप्राप्त अर्हता होगी)

(ज) "निजाम आयुर्विज्ञान संस्थान" के सामने "मान्यता प्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता" स्तम्भ में, "मैजिस्टर चिरुरजी (तंत्रिका शल्य विज्ञान)" प्रविष्टि और "रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर" स्तम्भ में उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् क्रमशः निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता

रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर

"डाक्टर आफ मेडिसिन
(तंत्रिका विज्ञान)

डी. एम. (तंत्रिका विज्ञान)
(जब जुलाई, 1992 को या उसके पश्चात् प्रदत्त की
गई हो तो वह एक मान्यता प्राप्त अर्हता होगी)।
एम.डी. (हस्पताल प्रशासन)
(जब जनवरी 1992 को या जब उसके पश्चात्
प्रदत्त की गई हो तो वह एक मान्यता प्राप्त
अर्हता होगी)।

(झ) "रविशंकर विश्वविद्यालय" के सामने "मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता" स्तम्भ में, "ग्राधोपीडिक्स में डिप्लोमा" प्रविष्टि और "रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर" स्तम्भ में उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् क्रमशः निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता

रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर

"डाक्टर आफ मेडिसिन
(सामाजिक और निवारक चिकित्सा)

एम.डी. (सामाजिक और निवारक चिकित्सा)
(जब 1972 को या उसके पश्चात् प्रदत्त की
गई हो तो वह एक मान्यता प्राप्त अर्हता होगी)।

(ब) "राजस्थान विश्वविद्यालय" के सामने "मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता" स्तम्भ में, "डाक्टर आफ मेडिसिन (विकिरणी निदान)" प्रविष्टि और "रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर" स्तम्भ में उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् क्रमशः निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता

रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर

"डाक्टर आफ मेडिसिन
(विकृति विज्ञान)

एम.डी. (विकृति विज्ञान)
(जब यह 1979 को या उसके पश्चात् प्रदत्त
की गई हो तो वह एक मान्यता प्राप्त अर्हता
होगी)। एम. डी. (विकिरणी निदान)
(जब जनवरी, 1994 को या उसके पश्चात् प्रदत्त
की गई हो तो वह एक मान्यताप्राप्त अर्हता होगी)।

डाक्टर आफ मेडिसिन
विकिरणी निदान

(म) "सौराष्ट्र विश्वविद्यालय" के सामने "मान्यता प्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता" स्तम्भ में, "बाल चिकित्सा में डिप्लोमा" प्रविष्टि और "रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर" स्तम्भ में उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् क्रमशः निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता

रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर

डाक्टर आफ मेडिसिन
(प्रसूति विज्ञान और स्त्री रोग विज्ञान)

एम.डी. (प्रसूति विज्ञान और स्त्री रोग विज्ञान)
(जब 21-7-1965 को या उसके पश्चात् प्रदत्त
की गई हो तो वह एक मान्यता प्राप्त अर्हता होगी)

स्त्री रोग में डिप्लोमा

डाक्टर ऑफ मेडिसिन

डी. जी. ओ.

(जब 21-7 1965 को या उसके पश्चात् प्रदत्त की गई हो तो वह एक मान्यताप्राप्त अर्हता होगी)

एम. डी. (विकृति विज्ञान)

(जब यह 12 जनवरी, 1978 को या उसके पश्चात् प्रदत्त की गई हो तो वह एक मान्यताप्राप्त अर्हता होगी)।

(ट) "सम्भलपुर विश्वविद्यालय" के सामने "मान्यता प्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता" स्तम्भ में, "डाक्टर ऑफ मेडिसिन (बाल चिकित्सा विज्ञान)" प्रविष्टि और "रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर" स्तम्भ में उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् क्रमशः निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता

रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर

डाक्टर ऑफ मेडिसिन
(सामाजिक और निवारक चिकित्सा)

एम. डी. (सामाजिक और निवारक चिकित्सा)
(जब 1972 को या उसके पश्चात् प्रदत्त की गई हो तो वह एक मान्यताप्राप्त अर्हता होगी)।

डाक्टर ऑफ मेडिसिन
(जीव रसायन विज्ञान)

एम. डी. (जीव रसायन विज्ञान)
(जब 1979 को या उसके पश्चात् प्रदत्त की गई हो तो वह एक मान्यताप्राप्त अर्हता होगी)

(ठ) "उत्कल विश्वविद्यालय" के सामने "मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता" स्तम्भ में, "डाक्टर ऑफ मेडिसिन (प्रसूति विज्ञान और स्त्री रोग विज्ञान)" प्रविष्टि और "रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर" स्तम्भ में उससे संबंधित प्रविष्टि के पश्चात् क्रमशः निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

मान्यताप्राप्त आयुर्विज्ञान अर्हता

रजिस्ट्रीकरण के लिए संक्षेपाक्षर

डाक्टर ऑफ मेडिसिन
(यक्ष्मा और एक्जन् रोग)

एम. डी. (यक्ष्मा और एक्जन् रोग)
(जब 1976 को या उसके पश्चात् प्रदत्त की गई हो तो वह एक मान्यताप्राप्त अर्हता होगी)।

[सं. बी० 11015/5/94-एम. ई. (यूजी)]

शरत कुमार मिश्रा, डैस्क अधिकारी

MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

(Department of Health)

New Delhi, the 4th February, 1997

S. O. 501.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 11 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), the Central Government, after consulting the Medical Council of India, hereby makes the following further amendments in the First Schedule to the said Act, namely:—

In the said First Schedule —

- (a) against the "Banaras Hindu University", in column, "Recognised Medical qualification", after the entry, "Doctor of Medicine (Microbiology)" and the entry relating thereto in column, "Abbreviation for registration", the following shall be inserted respectively, namely:—

"Recognised medical qualification

Abbreviation for registration

"Doctor of Medicine (Tuberculosis and
Respiratory Diseases)

M. D. (T. B. and Resp. Diseases)
(This shall be a recognised qualification when
granted on or after September, 1973)"

- (b) against the Bundelkhand University", in column, "Recognised medical qualification", after the entry "Master of Surgery (General Surgery)" and the entry relating thereto in the column, "Abbreviation for

registration", the following shall be inserted, namely :—

Recognised medical qualification	Abbreviation for registration
"Doctor of Medicine (General Medicine)	M. D. (Gen. Medicine) (This shall be a recognised qualification only when granted on or after 1982)"

- (c) against the "University of Delhi", in column, "Recognised medical qualification", after the entry "Doctor of Medicine (Radiotherapy)" and the entry relating thereto in column "Abbreviation for registration", the following shall be inserted, namely :—

Recognised medical qualification	Abbreviation for registration
"Doctor of Medicine (Psychiatry)	M. D. (Psychiatry) (This shall be a recognised qualification only when granted on or after 1987)"

- (d) against the "Guru Nanak Dev University", in column "Recognised medical qualification", after the entry "Doctor of Medicine (Tuberculosis and Respiratory Diseases)" and the entry relating thereto in column "Abbreviation for registration", the following shall be inserted, namely :—

Recognised Medical qualification	Abbreviation for registration
"Doctor of Medicine (Biochemistry)	M. D. (Biochemistry) (This shall be a recognised qualification when granted on or after 1983)"

- (e) against the "University of Kerala", in column "Recognised Medical qualification", after the entry "Diploma in Medical Radio Diagnosis", and the entry relating thereto in column, "Abbreviation for registration", the following shall be inserted, namely :—

Recognised medical qualification	Abbreviation for registration
"Doctor of Medicine (Gastroenterology)	D. M. (Gastroenterology) (This shall be a recognised qualification only when granted on or after 1980)"
Magister Chirurgiae (Neruo-Surgery)	M. Ch. (Neuro-Surgery) (This shall be a recognised qualification only when granted on or after 1980)"

- (f) against the "Manipur University", in column "Recognised Medical qualification", after the entry "Doctor of Medicine (Obstetrics and Gynaecology)" and the entry relating thereto in column, "Abbreviation for registration", the following shall be inserted, namely :—

Recognised medical qualification	Abbreviation for registration
"Master of Surgery (General Surgery)	M. S. (General Surgery) (This shall be a recognised qualification only when granted on or after 23-10-91)"

- (g) against the "University of Nagpur", in column "Recognised medical qualification", after the entry, "Doctor of Medicine (Forensic Medicine)" and the entry relating thereto in column, "Abbreviation for registration", the following shall be inserted, namely :—

Recognised medical qualification	Abbreviaiton for registration
"Doctor of Medicine (Paediatrics)	M. D. (Paediatrics) (This shall be a recognised qualification only when granted on or after 1974)"

- (h) against the "Nizam Institute of Medical Sciences", in column "Recognised medical qualification", after the entry "Magister Chirurgiae (Neuro-Surgery)" and the entry relating thereto in column "Abbreviation for registration", following shall be inserted, namely :—

Recognised medical qualification	Abbreviation for registration
"Doctor of Medicine (Neurology)	D. M. (Neurology) (This shall be a recognised qualification only when granted on or after July, 1992)"
"Doctor of Medicine (Hospital Administration)	M. D. (Hospital Admn.) (This shall be a recognised qualification only when granted on or after January, 1992)"

- (i) against the "Ravishankar University", in column "Recognised medical qualification" after the entry "Diploma in Orthopaedics" and the entry relating thereto in column "Abbreviation for registration", the following shall be inserted, namely :

Recognised medical qualification	Abbreviation for registration
"Doctor of Medicine (Social and Preventive Medicine)	M. D. (SPM) (This shall be a recognised qualification only when granted on or after 1972)"

- (j) against the "University of Rajasthan", in column "Recognised medical qualification", after the entry "Doctor of Medicine (Radio-diagnosis)" and the entry relating thereto in column "Abbreviation for registration", the following shall be inserted, namely :—

Recognised medical qualification	Abbreviation for registration
"Doctor of Medicine (Pathology)	M. D. (Pathology) (This shall be a recognised medical qualification only when granted on or after 1979)
Doctor of Medicine (Radio-diagnosis)	M.D. (Radio-diagnosis) (This shall be a recognised medical qualification only when granted on or after January, 1994)

- (k) against the, "Saurashtra University", in column, "Recognised medical qualification", after the entry "Diploma in Child Health" and the entry relating thereto in column "Abbreviation for registration", the following shall be inserted, namely :—

Recognised medical qualification	Abbreviation for registration
Doctor of Medicine (Obstetrics and Gynaecology)	M. D. (O & G) (This shall be a recognised qualification only when granted on or after 21st July, 1965)
Diploma in Gynaecology	D.G.O. (This shall be a recognised qualification only when granted on or after 21st July, 1965)
Doctor of Medicine (Pathology)	M. D. (Pathology) (This shall be a recognised qualification only when granted on or after 12th January, 1978)

- (l) against "Sambalpur University" in column "Recognised medical qualification", after the entry "Doctor of Medicine (Paediatrics)" and the entry relating thereto in column, "Abbreviation for registration", the following shall be inserted, namely :—

Recognised medical qualification	Abbreviation for registration
"Doctor of Medicine (Social and Preventive Medicine)	M. D. (SPM) (This shall be a recognised qualification when granted on or after 1972)
Doctor of Medicine (Bio-chemistry)	M. D. (Bio-chemistry) (This shall be a recognised qualification only when granted on or after 1979)

- (m) against the "Utkal University", in column "Recognised medical qualification", after the entry "Doctor of Medicine (Abst. and Gynae.) and the entry relating thereto in column "Abbreviation for registration", the following shall be inserted, namely :—

Recognised medical qualification	Abbreviation for registration
Doctor of Medicine (T.B. and Respiratory Diseases)	M. D. (T.B. and Resp. Diseases) (This shall be a recognised qualification only when granted on or after 1976)

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

नई दिल्ली, 5 फरवरी, 1997

का०आ० 602—केन्द्रीय सरकार ने, पेट्रोलियम और खनिज पाइप-लाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) (जिसे हममें उसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 1147 तारीख 13 अप्रैल 1996 तथा का० आ० संख्या 1341 तारीख 4 मई 1996 द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के लिए पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उन अधिसूचनाओं से संलग्न अनुसूचियों में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार के अर्जन के अपने प्राप्ति की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचनाओं की प्रतियां जनता की क्रमशः 26 अप्रैल 1996 तथा 27 मई 1996 को उपलब्ध करा दी गई थी;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अन्वय में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह समाधान हो गया है कि पाइपलाइन बिछाए जाने के प्रयोजन के लिए इन अधिसूचनाओं से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि के उपयोग का अधिकार का अर्जन किया जाता चाहिए;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इन अधिसूचनाओं से संलग्न अनुसूचियों में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाता है,

और, यह कि, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए यह निवेश करती है कि उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने की वजाए सभी वित्तीयों में मुक्त, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

तहसील : बावल	जिला : रिवाड़ी	राज्य : हरियाणा			
गांव का नाम	हदबस्त सं०	क्षेत्र			
	मूस्त-लील सं०				
	क्रियासं०				
		हेक्टेयर, आर सेन्टी-आर			
1	2	3	4	5	6
बण्डोरा	50	81			
		10	0	29	59
तहसील : रिवाड़ी	जिला : रिवाड़ी	राज्य : हरियाणा			
सुनपुर	134	38			
		17/2	0	00	10
कुलबपुर मोला	131	26			
		19	0	05	06
		22	0	04	81
		42			

1	2	3	4	5	6
		13/1/1	0	00	76
		18	0	01	01
		19	0	00	12
कानमाजरा	126	9			
		21/2/1	0	00	25
		21/2/2	0	01	01
		19/1	0	01	26
		19/2	0	01	77
		20	0	02	02
		15			
		10	0	00	76
		11	0	02	78
गिन्दोखर	113	38			
		16	0	00	25
		24	0	02	28
		25	0	06	07
		39			
		12	0	02	02
मिसाना	220	9			
		16	0	03	04
		25	0	05	06
		10			
		3	0	03	79
		4	0	11	92
		7	0	18	97
		8	0	32	38
		9/1	0	02	53
		9/2	0	00	51
		11	0	02	28
		12/1/1	0	07	33
		12/1/2	0	09	61
		12/2/1	0	01	01
		12/2/2	0	11	13
		10			
		13/1	0	02	03
		13/2	0	07	08
		19/1	0	00	05
		19/2	0	06	32
		20	0	26	30
		21/1	0	08	09
		21/2	0	17	70
		21			
		1	0	20	74
		10	0	07	59
		22			

1	2	3	4	5	6
		5	0	01	26
		15	0	00	10
रोहगाई	230	61			
		6	0	02	78
		15	0	04	30
तहसील : सखर	जिला : रोहतास	राज्य : हरियाणा			
1	2	3	4	5	6
गिजाड़ोद	260	32			
		3	0	01	77
		8	0	01	77
सिवानीपाना जामिम	262	18			
		12	0	06	07
गोगावड	106	20			
		21	0	00	25
		22	0	03	29
		27			
		1	0	02	78
		2	0	01	77
		9	0	02	02
		10/1	0	00	76
		13	0	02	02
तहसील—रोहतास	जिला—रोहतास	राज्य—हरियाणा			
ईसमाईला 9	38	21			
बिसवा		18	0	02	02
पाकसमा	57	102			
		25/1/1	0	02	02
		25/1/2	0	00	25
		25/2/1	0	00	03
		103			
		5/1/1	0	00	25
		5/1/2	0	01	26
		5/2	0	01	52
नीनंद	43	74			
		15	0	00	76
तहसील : रोहतास	जिला : रोहतास	राज्य : हरियाणा			
1	2	3	4	5	6
घांवली	71	86			
		25	0	10	87

1	2	3	4	5	6
जोली	61	39			
		23	0	09	61
		43			
		2	0	08	85
		3	0	15	68
		8	0	28	58
		9	0	08	35
		13	0	13	66
		14	0	13	15
		17	0	08	85
		25	0	04	30
		44			
		21	0	04	30
		66			
		1	0	23	27
		2/1	0	02	79
		2/2	0	02	79
		8	0	06	07
		9/1	0	15	18
		9/2	0	10	62
		10/1	0	01	26
		10/2	0	01	52
		12	0	16	69
		19	0	02	53
		67			
		5	0	01	52
तहसील—पानीपत	जिला—पानीपत	राज्य—हरियाणा			
ईसराणा	66,67	135			
		13	0	06	07
		17	0	00	25
		18	0	01	26
		25	0	01	52
		144			
		5	0	00	76
कालखा	41	28			
		17	0	01	01
		23	0	03	04
		24	0	00	51
		44			
		3	0	04	81
		22/2	0	01	77
ऊंटला	44	11			
		14	0	01	26

[संख्या आर०-31015/4/96-प्रो०आर०-1]

के० सी० कटोच, अवर सचिव

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS

New Delhi, the 5th February, 1997

S.O. 502.—Whereas by the Notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. 1147, dated the 13th April, 1996, and No. S.O. 1341 dated the 4th May, 1996 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), hereinafter referred to as the said Act, the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to those notifications for the purpose of laying pipelines for the transport of petroleum;

And, whereas, the copies of the said Gazette notifications were made available to the public on 26th April 1996 and 27th May, 1996, respectively:

And, whereas, the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of section 6 of the said Act has made his report to the Central Government;

And, whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification should be acquired for the purpose of laying pipelines;

Now, therefore, the exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest in the Indian Oil Corporation Limited, free from all encumbrances.

SCHEDULE

Tehsil : Bawal		District : Rewari		State : Haryana	
Name of Village	Hadbast No.	Mustateel/ Killa No.	Area		
			Hectare	Are	Centiare
1	2	3	4	5	6
Khandora	50	81			
		10	0	29	59
Tehsil : Rowari District : Rewari State : Haryana					
Hussain Pur	134	38			
		17/2	0	00	10
Qutabpur Maula	131	26			
		19	0	05	06
		22	0	04	81
		42			
		13/1/1	0	00	76
		18	0	01	01
		19	0	00	12
Kanmajra	126	9			
		21/2/1	0	00	25
		21/2/2	0	01	01
		19/1	0	01	26
		19/2	0	01	77

1	2	3	4	5	6
		20	0	02	02
		15			
		10	0	00	76
		11	0	02	78
Gindokhar	113	38			
		16	0	00	25
		24	0	02	28
		25	0	06	07
		39			
		12	0	02	02
Lisana	220	9			
		16	0	03	04
		25	0	05	06
		10			
		3	0	03	79
		4	0	14	92
		7	0	18	97
		8	0	32	38
		9/1	0	02	53
		9/2	0	00	51
		11	0	02	28
		12/1/1	0	07	33
		12/1/2	0	09	61
		12/2/1	0	01	01
		12/2/2	0	11	13
		10			
		13/1	0	02	03
		13/2	0	07	08
		19/1	0	00	05
		19/2	0	06	32
		20	0	26	30
		21/1	0	08	09
		21/2	0	17	70
		21			
		1	0	20	74
		10	0	07	59
		22			
		5	0	01	26
		15	0	00	10
Rohrai	230	61			
		6	0	02	78
		15	0	04	30
Tehsil : Jhajjar District : Rohtak State : Haryana					
Gizarod	260	32			
		3	0	01	77
		8	0	01	77
Silani Pana Zalim	262	18			
		12	0	06	07
Gorawar	106	20			
		21	0	00	25

1	2	3	4	5	6	Tehsil : Panipat	District : Panipat	State : Haryana			
	22		0	03	29	1	2	3	4	5	6
	27										
	1		0	02	78	Israna	66,67	135			
	2		0	01	77		13		0	06	07
	9		0	02	02		17		0	00	25
	10/1		0	00	76		18		0	01	26
	13		0	02	02		25		0	01	52
							144				
							5		0	00	76
Tehsil : Rohtak	District : Rohtak	State : Haryana				Kalkha	41	28			
Ismaila 9	38	21					17		0	01	01
Biswa		18	0	02	02		23		0	03	04
Pakasma	57	102					24		0	00	51
		25/1/1	0	02	02		44				
		25/1/2	0	00	25		3		0	04	81
		25/2/1	0	00	03		22/2		0	01	77
		103				Untla	44	11			
		5/1/1	0	00	25		14		0	01	26
		5/1/2	0	01	26						
		5/2	0	01	52						
Naunand	43	74									
		15	0	00	76						
Tehsil : Gohana	District : Sonapat	State : Haryana									
Anwali	71	86									
		25	0	10	87						
Jauli	61	39									
		23	0	09	61						
		43									
		2	0	08	85						
		3	0	15	68						
		8	0	28	58						
		9	0	08	35						
		13	0	13	66						
		14	0	13	15						
		17	0	08	85						
		25	0	04	30						
		44									
		21	0	04	30						
		66									
		1	0	23	27						
		2/1	0	02	79						
		2/2	0	02	79						
		8	0	06	07						
		9/1	0	15	18						
		9/2	0	10	62						
		10/1	0	01	26						
		10/2	0	01	52						
		12	0	16	69						
		19	0	02	53						
		67									
		5	0	01	52						

Tehsil : Panipat	District : Panipat	State : Haryana			
1	2	3	4	5	6
Israna	66,67	135			
	13		0	06	07
	17		0	00	25
	18		0	01	26
	25		0	01	52
	144				
	5		0	00	76
Kalkha	41	28			
	17		0	01	01
	23		0	03	04
	24		0	00	51
	44				
	3		0	04	81
	22/2		0	01	77
Untla	44	11			
	14		0	01	26

[No. R-31015/4/96-OR-I]
K.C. KATOCH, Under Secy.

गई दिल्ली, 10 फरवरी, 1997

का०आ० 503.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 2215 और 2216 तारीख 27 जुलाई 1996, पृष्ठ संख्या 2846 से 2877 के द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के प्रयोजन के लिए पाइपलाइन बिछाने के हेतु उन अधिसूचनाओं से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और उक्त राजपत्र अधिसूचनाओं की प्रतियां जनता को तारीख 07 मितम्बर 1996 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना

[No. R-31015/4/96-OR-I]

K.C. KATOCH, Under Secy.

गई दिल्ली, 10 फरवरी, 1997

का०आ० 503.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम 1962 (1962 का 50) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 2215 और 2216 तारीख 27 जुलाई 1996, पृष्ठ संख्या 2846 से 2877 के द्वारा पेट्रोलियम के परिवहन के प्रयोजन के लिए पाइपलाइन बिछाने के हेतु उन अधिसूचनाओं से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार के अर्जन के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और उक्त राजपत्र अधिसूचनाओं की प्रतियां जनता को तारीख 07 सितम्बर 1996 को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अनुसरण में सक्षम प्राधिकारी ने केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार का उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात यह समाधान हो गया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए इस अधिसूचना

से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

यह और कि, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमियों के उपयोग का अधिकार केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय सभी विल्लंगमों से मुक्त इंडियन ऑयल कार्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

पुलिस थाना : बोलपुर जिला : बीरभूम राज्य : पश्चिमी बंगाल

गांव	अधि-कारिता सूची सं०	प्लॉट संख्या	क्षेत्र हेक्टेयर आर सेंटीआर
------	---------------------	--------------	-----------------------------

1	2	3	4	5	6
---	---	---	---	---	---

सेहिदीपुर	105	1701	0	4	45
		1704	0	2	83
		1721	0	7	69
		1720	0	4	86
		1725	0	4	05
		1724	0	7	69
		1728	0	1	62
		1730	0	10	12
		1729	0	12	55
		1745	0	5	26
		2431	0	10	93
		2034	0	2	43
		2036	0	6	48
		2042	0	14	57
		2043	0	14	57
		2110	0	4	86
		2109	0	11	74
		2137	0	6	88
		2138	0	4	45
		2140	0	4	86
		2141	0	9	71
		2265	0	2	43
		2266	0	5	26
		2264	0	2	83
		2267	0	14	16
		2269	0	2	83
		2270	0	6	88
		2297	0	6	48
		3515	0	1	21
		3514	0	2	02

1	2	3	4	5	6
		3513	0	1	21
		3519	0	7	28
		2291	0	1	21
		2292	0	1	21
		2293	0	2	43
		2295	0	3	24
		2296	0	7	28
		2319	0	0	40
		2324	0	1	21
		2322	0	19	02
		2323	0	2	02
		2346	0	12	95
		2342	0	5	67
		2356	0	0	40
		2341	0	8	50
		1557	0	8	09
		2321	0	4	45
		1723	0	0	40
चंदनपुर	110	269	0	8	09
		271	0	4	86
		280	0	5	67
		281	0	4	45
		288	0	8	50
		286	0	5	26
		254	0	1	21
		300	0	4	05
		299	0	2	02
		296	0	4	45
		297	0	1	21
		294	0	1	62
		295	0	6	07
		315	0	9	71
		314	0	5	26
		313	0	0	40
		335	0	0	81
		334	0	5	67
		336	0	6	07
		540	0	0	40
		539	0	0	81
		538	0	0	81
		885	0	1	21
		884	0	0	81
		883	0	4	45
		541	0	4	05
		542	0	3	24
		543	0	1	62
		556	0	0	40

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
								3052	0	0	40
चंदनपुर—जारी	535	0	0	40				3061	0	5	67
	534	0	4	05				3064	0	0	40
	532	0	2	83				3060	0	4	05
	531	0	5	26				3056	0	1	21
	530	0	0	81				3057	0	0	40
	511	0	19	43				3058	0	0	81
	670	0	2	43				2632	0	1	62
	645	0	8	09				2338	0	2	02
	646	0	0	40				2337	0	2	02
	649	0	10	12				2339	0	0	40
	651	0	8	09				2329	0	4	05
	652	0	3	24				2328	0	2	83
	661	0	1	21				2228	0	3	24
	660	0	4	87				3054	0	1	21
	761	0	2	43				2229	0	1	21
	760	0	1	21				2235	0	6	88
	759	0	7	69				2233	0	4	45
	771	0	10	12				2234	0	2	83
	773	0	1	21				2218	0	6	07
	772	0	5	26				2217	0	4	05
	770	0	2	43				2214	0	0	81
	414	0	10	12				2213	0	0	40
	787	0	4	86				2215	0	2	02
	788	0	5	26				2212	0	3	24
	791	0	1	21				2208	0	2	83
	790	0	5	67				2205	0	4	40
	789	0	2	43				2204	0	0	40
	854	0	1	21				2203	0	4	86
	899	0	1	21				2202	0	2	43
	3128	0	0	81				2201	0	2	02
	3113	0	7	69				1215	0	3	64
	3112	0	2	02				1217	0	0	40
	3114	0	1	21				1218	0	0	40
	3110	0	2	43				1219	0	0	40
	3109	0	4	45				1220	0	0	40
	3015	0	2	02				1207	0	0	81
	3014	0	3	64				1208	0	2	43
	3016	0	1	21				1210	0	2	43
	3017	0	3	64				3146	0	1	62
	3018	0	9	71				1117	0	2	02
	3020	0	5	26				1116	0	1	21
	3021	0	3	64				1111	0	19	43
	3024	0	5	67				880	0	0	40
	3090	0	0	40				875	0	2	02
	3048	0	4	86				874	0	6	48
	3049	0	1	62				900	0	0	40
	3050	0	3	24				1212	0	2	02
								3111	0	3	64

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
उत्तर रोधा नगर	103	191	0	10	12			429	0	1	21
		190	0	10	52			501	0	0	40
		192	0	1	21			503	0	0	81
		221	0	1	21			504	0	5	26
		164	0	14	16			505	0	4	05
		160	0	0	40			506	0	0	40
		161	0	1	62			2926	0	4	86
		162	0	1	21			2927	0	2	83
		197	0	12	55			8375	0	3	24
		208	0	2	83			2928	0	12	95
		204	0	1	21			2934	0	2	83
		205	0	11	74			2937	0	0	81
		207	0	12	95			2951	0	21	85
		206	0	2	83			2971	0	0	40
		213	0	2	83			2982	0	0	72
		214	0	2	83			2984	0	0	81
		217	0	3	24			2980	0	0	40
		220	0	2	83			2985	0	4	45
		219	0	2	43			8404	0	0	40
		216	0	7	28			2988	0	0	40
		215	0	2	02			2987	0	1	61
								2986	0	0	40
								2992	0	0	40
								2993	0	2	83
								2994	0	1	62
								2995	0	2	43
								2996	0	0	40
								3024	0	1	21
								3777	0	3	64
								3025	0	3	64
								3051	0	0	40
								3049	0	1	21
								3048	0	0	40
								3050	0	2	02
								3052	0	0	40
								3753	0	3	24
								3068	0	0	40
								3064	0	2	02
								3065	0	3	24
								3066	0	1	62
								3067	0	0	40
								3063	0	1	21
								3062	0	3	64
								3061	0	1	62
								3060	0	0	81
								3072	0	5	67
								3073	0	1	62
रूपपुर	52	346	0	8	09						
		344	0	2	83						
		343	0	2	83						
		347	0	2	83						
		348	0	3	64						
		350	0	3	24						
		351	0	0	40						
		353	0	12	55						
		388	0	1	21						
		387	0	0	40						
		385	0	5	26						
		379	0	0	40						
		380	0	2	02						
		384	0	16	59						
		381	0	0	40						
		382	0	2	83						
		383	0	2	02						
		446	0	4	05						
		445	0	8	09						
		444	0	0	40						
		442	0	0	81						
		441	0	6	48						
		440	0	2	43						
		439	0	10	52						
		430	0	1	21						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
								7909	0	2	02
रूप पुर (जारी)	3064	0	0	81				7910	0	0	81
	3077	0	1	62				7912	0	4	86
	3075	0	0	81				7913	0	14	57
	3076	0	3	64				7929	0	0	40
	3081	0	0	81				7928	0	1	62
	7111	0	2	02				7922	0	0	81
	7112	0	1	21				7923	0	0	40
	7113	0	2	02				8369	0	0	40
	7110	0	1	62				2930	0	0	40
	7123	0	3	24				8139	0	2	83
	7121	0	3	24				8141	0	2	43
	7122	0	2	02				8138	0	1	21
	7120	0	0	20				8137	0	6	48
	7440	0	3	64				8183	0	2	02
	7420	0	1	21				8185	0	1	62
	7427	0	7	28				8130	0	0	40
	7422	0	0	40				8129	0	8	09
	7423	0	0	81				8128	0	4	86
	7428	0	0	40				8127	0	3	24
	7426	0	6	48				8125	0	0	40
	7429	0	4	45				8126	0	6	88
	7425	0	0	81				8124	0	0	40
	7430	0	1	62				8234	0	4	86
	7431	0	0	40				8235	0	4	86
	7539	0	1	62				8328	0	2	02
	8448	0	3	24				8231	0	0	40
	7535	0	0	40				8232	0	3	24
	7536	0	0	40				8237	0	1	21
	7538	0	2	43				8238	0	4	45
	7537	0	1	62				8230	0	10	52
	7542	0	1	21				8229	0	2	43
	7543	0	4	05				8269	0	6	48
	7610	0	6	07				8270	0	10	52
	8455	0	4	45				8271	0	0	40
	8454	0	7	69				8278	0	0	40
	7828	0	0	20				8333	0	3	24
	7822	0	4	05				8275	0	7	28
	7823	0	0	40				5420	0	2	43
	7821	0	8	50				5421	0	7	69
	7820	0	4	86				5419	0	4	05
	7854	0	3	24				5423	0	1	21
	7855	0	3	64				5424	0	14	57
	7852	0	3	24				5431	0	1	21
	7858	0	0	40				5425	0	4	86
	7862	0	2	43				5428	0	12	95
	7861	0	2	43				5427	0	5	67
	7860	0	0	81				5443	0	5	67

1	2	3	4	5	6	अनुसूची
रूप पर (जारी)	5444	0	8	90		पुलिस थाना: ओशग्राम जिला : वर्धमान राज्य: पश्चिमी बंगाल
	5445	0	2	83		
	8340	0	0	40		गांव अधिकारिता
	294	0	16	19		सूची सं. प्लॉट सं. क्षेत्र
	8372	0	15	38		हेक्टेयर आर सेंटीआर
	277	0	4	45		
	278	0	5	26		
	279	0	8	09		
	280	0	6	07		
	8367	0	4	86		
	327	0	2	02		
	290	0	8	09		
	322	0	0	40		
	330	0	3	64		
	331	0	7	69		
	332	0	9	31		
	293	0	0	81		
	8369	0	17	40		
	326	0	5	67		
	7530	0	0	80		
पश्चिम बहादुरपुर 53	1574	0	11	33		
	1575	0	4	86		
	1576	0	1	21		
	1577	0	12	14		
	1578	0	0	40		
	1579	0	3	24		
	1583	0	4	05		
	1584	0	6	88		
	1585	0	4	86		
	1586	0	5	26		
	1596	0	3	24		
	1598	0	4	86		
रसूलगंज हाट 114	62	0	11	33		
	60	0	25	09		
	61	0	0	40		
	59	0	17	40		
शिवपुर 102	295	0	10	52		
	294	0	13	36		
	293	0	0	40		
	602	0	4	86		
	569	0	19	02		
	49	0	2	43		
शायपुर 109	10	0	17	81		
						बाबरबांध 118
						812 0 4 05
						813 0 2 02
						814 0 0 20
						815 0 5 67
						816 0 1 62
						820 0 3 24
						821 0 3 24
						828 0 12 14
						829 0 2 83
						830 0 3 24
						831 0 2 43
						832 0 3 03
						1535 0 5 67
						1536 0 7 69
						1537 0 3 44
						1538 0 2 43
						1539 0 0 20
						1540 0 2 43
						1542 0 2 02
						1543 0 4 05
						1551 0 8 90
						1552 0 8 50
						1576 0 20 24
						1583 0 17 40
						1610 0 2 43
						1611 0 7 28
						1613 0 3 24
						1615 0 22 26
						1796 0 0 60
						1797 0 2 83
						1798 0 3 24
						1799 0 7 28
						1800 0 2 02
						1801 0 11 33
						सोमयपुर 152
						4 0 2 83
						38 0 10 12
						39 0 10 93

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
सोमथपुर (जारी)	40	0	2	02		सोमथपुर (जारी)	3573	0	13	36	
	17	0	6	07			3065	0	0	40	
	18	0	11	33		सिद्धांत	119	1273	0	6	07
	36	0	1	62				1277	0	5	67
	2672	0	10	93				1278	0	0	60
	2673	0	1	62				1279	0	1	21
	2693	0	0	20				1284	0	0	20
	2695	0	27	52				1286	0	4	45
	2696	0	8	50				1290	0	0	20
	2697	0	2	02				1301	0	9	71
	2698	0	4	05				1304	0	10	52
	2699	0	2	43				1312	0	6	88
	2700	0	4	86				1313	0	5	26
	3068	0	3	24				1463	0	0	20
	3066	0	7	69				1464	0	6	48
	3090	0	4	05				1465	0	0	40
	2735	0	4	86				1467	0	5	26
	2736	0	5	67				1468	0	13	36
	2737	0	5	67				1472	0	6	88
	2727	0	0	20				1483	0	0	20
	2777	0	6	48				1485	0	2	43
	2778	0	2	83				1486	0	4	86
	2779	0	1	01				1488	0	6	07
	2807	0	16	59				1523	0	1	01
	2808	0	1	62				1524	0	0	40
	2810	0	4	86				1526	0	2	02
	2811	0	1	62				1562	0	8	09
	3075	0	10	52				1583	0	4	86
	2838	0	12	95				1584	0	2	43
	2839	0	3	64				1585	0	0	81
	2840	0	2	63				1586	0	0	40
	2842	0	4	05				1597	0	13	76
	2843	0	1	62				1598	0	4	45
	2844	0	0	40				1599	0	8	50
	2847	0	3	03				1600	0	2	43
	2848	0	4	45				1601	0	0	81
	2849	0	0	20				1603	0	3	24
	3014	0	3	64				1669	0	0	20
	3015	0	0	20				1525	0	0	20
	3016	0	3	03							
	3017	0	13	76		सर्विलकपुर	120	625	0	16	19
	3018	0	0	60				626	0	4	05
	3019	0	8	09				627	0	2	02
	3020	0	3	24				629	0	2	43
	3044	0	2	83				633	0	10	83
	3575	0	17	81				638	0	8	81
	3576	0	6	88				639	0	3	64

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
मलिकपुर (जारी)		640	0	2	43	वेल्ति (जारी)		1472	0	0	81
		678	0	6	48			1476	0	0	20
		679	0	3	24			1477	0	6	88
		680	0	8	90			1478	0	3	24
		681	0	0	20			1508	0	6	88
		706	0	6	88			1513	0	4	05
		707	0	1	62			1514	0	9	31
		710	0	12	55			1515	0	7	28
वेल्ति	121	323	0	2	83			1556	0	0	20
		150	0	1	62			1557	0	0	40
		745	0	1	62			1558	0	3	64
		152	0	1	21			1559	0	4	45
		746	0	0	40			1560	0	3	24
		153	0	3	64			1561	0	3	64
		747	0	4	45			1564	0	8	09
		154	0	6	88			1565	0	4	86
		748	0	3	64			1573	0	3	24
		161	0	2	43			1574	0	6	48
		750	0	0	81			1575	0	3	24
		320	0	28	33			1581	0	5	26
		751	0	5	26			1582	0	0	81
		1481	0	0	20			1623	0	5	26
		322	0	12	95			1627	0	3	24
		1482	0	0	40			1628	0	5	26
		323	0	1	41			1629	0	8	09
		1483	0	0	40			1636	0	10	12
		324	0	1	01			1638	0	0	40
		542	0	9	71			1646	0	3	24
		1443	0	0	40			1647	0	3	64
		795	0	8	09			1901	0	1	21
		1444	0	4	05			19	0	0	20
		544	0	4	05			37	0	17	81
		1445	0	3	24			38	0	13	36
		545	0	1	41			39	0	8	90
		1446	0	0	40			40	0	4	05
		560	0	0	81			42	0	0	40
		1447	0	2	83			49	0	2	43
		1448	0	13	76			51	0	2	83
		1449	0	5	67			52	0	9	31
		562	0	2	22			85	0	3	64
		1450	0	0	40			86	0	0	81
		1468	0	0	40			87	0	7	28
		564	0	0	81			96	0	3	64
		1469	0	10	12			120	0	5	67
		567	0	2	43			121	0	5	67
		1470	0	4	86			122	0	1	45
		1471	0	0	60			123	0	0	20

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
बेल्त (जारी)		133	0	0	20	श्री कृष्णापुर (जारी)		334	0	2	02
		134	0	6	88			349	0	6	88
		136	0	4	45			351	0	1	82
		137	0	2	43			354	0	28	33
		139	0	6	88			382	0	0	40
		140	0	7	28			393	0	8	09
		142	0	1	21			384	0	7	28
		146	0	3	24			335	0	0	20
		148	0	0	40						
		149	0	0	20	रेजिस्ट्रार	128	1262	0	7	69
		48	0	1	21			1260	0	0	40
बेगुडा	122	798	0	3	24			1264	0	0	40
		804	0	2	83			1250	0	2	02
		806	0	9	31			1258	0	0	40
		807	0	0	40			1257	0	0	20
		813	0	0	60			1221	0	3	64
		814	0	4	45			1220	0	2	43
		815	0	0	40			1222	0	3	24
		840	0	3	64			1237	0	3	64
		841	0	3	64			1233	0	1	62
		842	0	1	21			1226	0	0	81
		844	0	0	81			1235	0	0	40
		846	0	3	24			1236	0	4	45
		847	0	2	83			1231	0	4	45
		848	0	0	81			1232	0	2	83
		852	0	0	40			1261	0	0	20
		855	0	0	20			1267	0	0	40
		856	0	4	05			1268	0	3	64
		857	0	3	24			1269	0	1	62
		858	0	3	24			1270	0	4	86
		859	0	2	43			1271	0	2	02
		860	0	1	62			1282	0	6	48
		861	0	3	64			1283	0	5	26
		442	0	1	62			1284	0	1	21
		1437	0	27	93			1286	0	0	20
		798	0	3	24			1287	0	0	20
		803	0	1	62			2	0	0	40
		804	0	6	07			4	0	4	45
		1576	0	0	20			5	0	19	83
								6	0	0	60
श्रीकृष्णापुर	111	309	0	6	07			7	0	10	12
		310	0	3	84			33	0	1	82
		317	0	0	20			34	0	6	07
		318	0	5	67			45	0	6	88
		319	0	6	07			46	0	0	60
		325	0	0	81			49	0	1	21
		326	0	5	67			50	0	2	02
		333	0	7	28			205	0	0	60

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
रेओरा (जारी)	216	0	0	20		बकशीबाद	1885	0	7	28	
	224	0	7	28		प्रोग्राम (जारी)	2001	0	4	45	
	225	0	4	45			2002	0	5	67	
	226	0	5	67			2009	0	1	21	
	231	0	0	81			2019	0	4	45	
	234	0	2	43			2018	0	8	90	
	236	0	0	20			2022	0	0	81	
	242	0	2	22			2023	0	4	05	
	243	0	0	40			2024	0	6	48	
	249	0	7	28			2025	0	1	62	
	251	0	6	07			2026	0	1	21	
	253	0	2	43			2029	0	0	20	
	255	0	5	67			2031	0	4	45	
	257	0	2	43			2032	0	3	64	
	258	0	0	40			2107	0	7	28	
	264	0	0	20			2108	0	5	67	
	266	0	5	67			2109	0	1	62	
	267	0	3	24			2113	0	0	81	
	268	0	0	40			2114	0	13	36	
	808	0	1	21			2115	0	4	05	
	818	0	0	40			2394	0	6	48	
	819	0	5	67			2119	0	3	64	
	821	0	0	81			2120	0	8	90	
	822	0	3	24			2365	0	2	02	
	823	0	6	07							
	1105	0	0	20		बन्द्रादीप	124	595	0	3	24
	1107	0	0	81			810	0	10	52	
	1109	0	2	83			597	0	13	76	
	1110	0	0	40			624	0	17	81	
बकशीबाद	129	1843	0	1	41		622	0	0	40	
प्रोग्राम		1844	0	1	21		626	0	5	46	
		1850	0	0	20		630	0	0	81	
		1851	0	4	05		632	0	10	93	
		1852	0	2	43		636	0	0	20	
		1853	0	2	43		637	0	15	38	
		1863	0	0	20		639	0	4	86	
		1865	0	0	20		640	0	2	43	
		1864	0	0	40		641	0	6	07	
		1866	0	3	24		676	0	3	24	
		1867	0	3	24		677	0	15	38	
		1868	0	3	64		818	0	23	48	
		1880	0	0	20		684	0	0	81	
		1881	0	5	26		748	0	4	86	
		1882	0	14	57		750	0	2	43	
		1883	0	4	05						
		1884	0	0	20						

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
नृसिवापुर	125	5	0	0	20	बिल्खादा-- ज.रा.	952	0	2	43	
		6	0	8	90		104	0	1	05	
		16	0	4	45		93	0	0	20	
		17	0	7	69		95	0	13	36	
		19	0	5	67		62	0	0	20	
		20	0	4	05		101	0	7	28	
		38	0	1	21		105	0	4	05	
		47	0	14	57		107	0	9	71	
		48	0	13	76		71	0	2	83	
		63	0	2	43		72	0	4	86	
		65	0	5	67		66	0	11	33	
		66	0	0	81		65	0	5	26	
		67	0	1	62		50	0	0	40	
		68	0	4	05		64	0	7	28	
		175	0	6	88		51	0	1	62	
		179	0	1	62		54	0	5	26	
		197	0	4	86		52	0	7	28	
		198	0	2	83		56	0	3	24	
		199	0	2	43		25	0	8	90	
		200	0	0	81		1097	0	5	26	
		203	0	4	05		1058	0	0	40	
		204	0	1	21		1061	0	1	21	
		205	0	0	20		1068	0	14	57	
		208	0	5	67		1067	0	1	61	
		441	0	2	02		1062	0	0	40	
		442	0	0	20		1065	0	1	62	
		443	0	0	81		1063	0	0	80	
		444	0	2	83		1064	0	5	26	
		451	0	0	40		1066	0	6	48	
		452	0	3	24		1069	0	9	31	
		453	0	5	26						
		456	0	0	20						
		458	0	5	26						
		459	0	1	21						
		462	0	3	64						
		463	0	5	67						
		464	0	3	64						
		466	0	4	05						
		467	0	14	16						
		468	0	7	28						
		445	0	0	20						
		465	0	0	20						
बिल्खादा	127	257	0	3	64						
		1	0	21	44						
		254	0	2	43						
		255	0	0	20						
		256	0	0	20						
		253	0	8	50						

[संख्या आर-31015/1/97-ओ.आर.-1]

के. ए. कटोवाल, जवर सचिव

New Delhi, the 10th February, 1997

S.O. 503.—Whereas by notifications of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas No. S.O. 2215 and 2216 dated the 27th July, 1996, issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) (hereinafter referred to as the said Act), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to those notifications for the purpose of laying pipelines for the transport of crude from Haldia in the State of West Bengal to Baranai in the State of Bihar;

And whereas, the copies of the said notifications were made available to the public on the 7th September, 1996;

And whereas, the Competent Authority in pursuance of sub-section (1) of the section 6 of the said Act has submitted his report to the Central Government;

And whereas, the Central Government after considering the said report is satisfied that the right of user in the land specified in the Schedule appended to this notification should be acquired;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the sub-section (1) of the section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification are hereby acquired for the purpose of laying pipelines;

And further, in exercise of the powers conferred by the sub-section (4) of the said section, the Central Government hereby directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest, in the Indian Oil Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Police Station : Bolepur District : Birbhum State : West Bengal

Village	Jurisdiction List No.	Plot No.	Area		
			Hectares	Ares	Centiares
1	2	3	4	5	6
Mchidipur	105	1701	0	4	45
		1704	0	2	83
		1721	0	7	69
		1720	0	4	86
		1725	0	4	05
		1724	0	7	69
		1728	0	1	62
		1730	0	10	12
		1729	0	12	55
		1745	0	5	26
		2431	0	10	93
		2034	0	2	43
		2036	0	6	48
		2042	0	14	57
		2043	0	14	57
		2110	0	4	86
		2109	0	11	74
		2137	0	6	88
		2138	0	4	45
		2140	0	4	86
		2141	0	9	71
		2265	0	2	43
		2266	0	5	26
		2264	0	2	83
		2267	0	14	16
		2269	0	2	83
		2270	0	6	88
		2297	0	6	48
		3515	0	1	21
		3514	0	2	02
		3513	0	1	21
		3519	0	7	28
		2291	0	1	21
		2292	0	1	21
		2293	0	2	43
		2295	0	3	24
		2296	0	7	28
		2319	0	0	40
		2324	0	1	21
		2322	0	19	02
		2323	0	2	02
		2346	0	12	95
		2342	0	5	67
		2356	0	0	40
		2341	0	8	50

1	2	3	4	5	6
Mchidipur	105	1557	0	8	09
		2321	0	4	45
		1723	0	0	40
Chandanpur	110	269	0	8	09
		271	0	4	86
		280	0	5	67
		281	0	4	45
		288	0	8	50
		286	0	5	26
		254	0	1	21
		300	0	4	05
		299	0	2	01
		296	0	4	45
		297	0	1	21
		294	0	1	62
		295	0	6	07
		315	0	9	71
		314	0	5	26
		313	0	0	40
		335	0	0	81
		334	0	5	67
		336	0	6	07
		540	0	0	40
		539	0	0	81
		538	0	0	81
		885	0	1	21
		884	0	0	81
		883	0	4	45
		541	0	4	05
		542	0	3	24
		543	0	1	62
		556	0	0	40
		535	0	0	40
		534	0	4	05
		532	0	2	83
		531	0	5	26
		530	0	0	81
		511	0	19	43
		670	0	2	43
		645	0	8	09
		646	0	0	40
		649	0	10	12
		651	0	8	09
		652	0	3	24
		661	0	1	21
		660	0	4	87
		761	0	2	43
		760	0	1	21
		759	0	7	69
		771	0	10	12
		773	0	1	21
		772	0	5	26
		770	0	2	43
		414	0	10	12
		787	0	4	86
		788	0	5	26
		791	0	1	21
		790	0	5	67
		789	0	2	43
		854	0	1	21
		899	0	1	21
		3128	0	0	81
		3113	0	7	69
		3112	0	2	02
		3114	0	1	21
		3110	0	2	43
		3109	0	4	45

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Chandanpur	110	3015	0	2	02	Uttar Radha Nagar (Contd.)	103	160	0	0	40
		3014	0	3	64			161	0	1	62
		3016	0	1	21			162	0	1	21
		3017	0	3	64			197	0	12	55
		3018	0	9	71			208	0	2	83
		3020	0	5	26			204	0	1	21
		3021	0	3	64			205	0	11	74
		3024	0	5	67			207	0	12	95
		3090	0	0	40			206	0	2	83
		3048	0	4	86			213	0	2	83
		3049	0	1	62			214	0	2	83
		3050	0	3	24			217	0	3	24
		3052	0	0	40			220	0	2	83
		3061	0	5	67			219	0	2	43
		3064	0	0	40			216	0	7	28
		3066	0	4	05			215	0	2	02
		3056	0	1	21						
		3057	0	0	40	Ruppur	52	346	0	8	09
		3058	0	0	81			344	0	2	83
		2632	0	1	62			343	0	2	83
		2338	0	2	02			347	0	2	83
		2337	0	2	02			348	0	3	64
		2339	0	0	40			350	0	3	24
		2329	0	4	05			351	0	0	40
		2328	0	2	83			353	0	12	55
		2228	0	3	24			388	0	1	21
		3054	0	1	21			387	0	0	40
		2229	0	1	21			385	0	5	26
		2235	0	6	88			379	0	0	40
		2233	0	4	45			380	0	2	02
		2234	0	2	83			384	0	16	59
		2218	0	6	07			381	0	0	40
		2217	0	4	05			382	0	2	83
		2214	0	0	81			383	0	2	02
		2213	0	0	40			446	0	4	05
		2215	0	2	02			445	0	8	09
		2212	0	3	24			444	0	0	40
		2208	0	2	83			442	0	0	81
		2205	0	4	40			441	0	6	48
		2204	0	0	40			440	0	2	43
		2203	0	4	86			439	0	10	52
		2202	0	2	43			430	0	1	21
		2201	0	2	02			429	0	1	21
		1215	0	3	64			501	0	0	40
		1217	0	0	40			503	0	0	81
		1218	0	0	40			504	0	5	26
		1219	0	0	40			505	0	4	05
		1220	0	0	40			506	0	0	40
		1207	0	0	81			2926	0	4	86
		1208	0	2	43			2927	0	2	83
		1210	0	2	43			8375	0	3	24
		3146	0	1	62			2928	0	12	95
		1117	0	2	02			2934	0	2	83
		1116	0	1	21			2937	0	0	81
		1111	0	19	43			2951	0	21	85
		880	0	0	40			2971	0	0	40
		875	0	2	02			2982	0	0	72
		874	0	6	48			2984	0	0	81
		900	0	0	40			2980	0	0	40
		1212	0	2	02			2985	0	4	45
		3111	0	3	64			8404	0	0	40
Uttar Radha Nagar	103	191	0	10	12			2988	0	0	40
		190	0	10	52			2987	0	1	61
		192	0	1	21			2986	0	0	40
		221	0	1	21			2992	0	0	40
		164	0	14	16			2993	0	2	83

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
Ruppur	52	2994	0	1	62	Ruppur	52	7858	0	0	40
		2995	0	2	43	(Contd.)		7862	0	2	43
		2996	0	0	40			7861	0	2	43
		3024	0	1	21			7860	0	0	81
		3777	0	3	64			7909	0	2	02
		3075	0	3	64			7910	0	0	81
		3051	0	0	40			7912	0	4	83
		3049	0	1	21			7913	0	14	57
		3048	0	0	40			7929	0	0	40
		3050	0	2	02			7928	0	1	62
		3052	0	0	40			7922	0	0	81
		3753	0	3	24			7923	0	0	40
		3068	0	0	40			8369	0	0	40
		3064	0	2	02			2930	0	0	40
		3065	0	3	14			8139	0	2	83
		3066	0	1	62			8141	0	2	43
		3067	0	0	40			8138	0	1	21
		3063	0	1	21			8137	0	6	48
		3062	0	3	64			8183	0	2	02
		3061	0	1	62			8185	0	1	62
		3060	0	0	81			8130	0	0	40
		3072	0	5	67			8129	0	8	09
		3073	0	1	62			8128	0	4	86
		3064	0	0	81			8127	3	3	24
		3077	0	1	62			8125	0	0	40
		3075	0	0	81			8126	0	6	88
		3076	0	3	64			8124	0	0	40
		3081	0	0	81			8234	0	4	86
		7111	0	2	02			8235	0	4	86
		7112	0	1	21			8328	0	2	02
		7113	0	2	02			8231	0	0	40
		7110	0	1	62			8232	0	3	24
		7123	0	3	24			8237	0	1	21
		7121	0	3	24			8238	0	4	45
		7122	0	2	02			8230	0	10	52
		7120	0	0	20			8229	0	2	43
		7440	0	3	64			8269	0	6	48
		7420	0	1	21			8270	0	10	52
		7427	0	7	28			8271	0	0	40
		7422	0	0	40			8278	0	0	40
		7423	0	0	81			8333	0	3	24
		7428	0	0	40			8275	0	7	28
		7426	0	6	48			5420	0	2	43
		7429	0	4	45			5421	0	7	69
		7425	0	0	81			5419	0	4	05
		7430	0	1	62			5423	0	1	21
		7431	0	0	40			5424	0	14	57
		7539	0	1	62			5431	0	1	21
		8448	0	3	24			5425	0	4	86
		7535	0	0	40			5428	0	12	95
		7536	0	0	40			5427	0	5	67
		7538	0	2	43			5443	0	5	67
		7537	0	1	62			5441	0	8	90
		7542	0	1	21			5445	0	2	83
		7543	0	4	05			8340	0	0	40
		7610	0	6	07			294	0	16	19
		8455	0	4	45			8372	0	15	38
		8454	0	7	69			277	0	4	45
		7828	0	0	20			278	0	5	26
		7822	0	4	05			279	0	8	09
		7823	0	0	40			280	0	6	07
		7821	0	8	50			8357	0	4	86
		7820	0	4	86			327	0	2	02
		7854	0	3	24			290	0	8	09
		7855	0	3	64			322	0	0	40
		7852	0	3	24			333	0	3	64
								33	0	7	69

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		332	0	9	31			1610	0	2	43
		293	0	0	81			1611	0	7	28
		8369	0	17	40			1613	0	3	24
		326	0	5	67			1615	0	22	26
		7530	0	0	80			1796	0	0	60
Pasch. Bahodarpur	53	1574	0	11	33			1797	0	2	83
		1575	0	4	86			1798	0	3	24
		1576	0	1	21			1799	0	7	28
		1577	0	12	14			1800	0	2	02
		1578	0	0	40			1801	0	11	33
		1579	0	3	24	Somaipur	152	4	0	2	83
		1583	0	4	05			38	0	10	12
		1584	0	6	88			39	0	10	93
		1585	0	4	86			40	0	2	02
		1586	0	5	26			17	0	6	07
		1596	0	3	24			18	0	11	33
		1598	0	4	86			36	0	1	62
Rasulganyhat	114	62	0	11	33			2672	0	10	93
		60	0	25	09			2673	0	1	62
		61	0	0	40			2693	0	0	20
		59	0	17	40			2695	0	27	52
Shibpur	102	295	0	10	52			2696	0	8	50
		294	0	13	36			2697	0	2	02
		293	0	0	40			2698	0	4	05
		602	0	4	86			2699	0	2	43
		569	0	19	02			2700	0	4	86
		49	0	2	43			3068	0	3	24
Raipur	109	10	0	17	81			3066	0	7	69
								3090	0	4	05
								2735	0	4	86
								2736	0	5	67
								2737	0	5	67
								2727	0	0	20
								2777	0	6	48
								2778	0	2	83
								2779	0	1	01
								2807	0	16	59
								2808	0	1	62
								2810	0	4	86
								2811	0	1	62
								3075	0	10	52
								2838	0	12	95
								2839	0	3	64
								2840	0	2	63
								2842	0	4	05
								2843	0	1	62
								2844	0	0	40
								2847	0	3	03
								2848	0	4	45
								2849	0	0	20
								3014	0	3	64
								3015	0	0	20
								3016	0	3	03
								3017	0	13	76
								3018	0	0	60
								3019	0	8	09
								3020	0	3	24
								3044	0	2	83
								3575	0	17	81
								3576	0	6	88
								3573	0	13	36
								3065	0	0	40
						Silut	119	1273	0	6	07
								1277	0	5	67
								1278	0	0	60
								1279	0	1	21

Police Station : Aushgram District : Burdwan State : West

Village	Jurisdiction list No.	Plot No.	Area		
			Hectares	Ares	Centi-ares
1	2	3	4	5	6
Baburbandh	118	791	0	2	83
		812	0	4	05
		813	0	2	02
		814	0	0	20
		815	0	5	67
		816	0	1	62
		820	0	3	24
		821	0	3	24
		828	0	12	14
		829	0	2	83
		830	0	3	24
		831	0	2	43
		832	0	3	03
		1535	0	5	67
		1536	0	7	69
		1537	0	3	44
		1538	0	2	43
		1539	0	0	20
		1540	0	2	43
		1542	0	2	02
		1543	0	4	05
		1551	0	8	90
		1552	0	8	50
		1576	0	20	24
		1583	0	17	40

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Silt (Contd.)	119	1284	0	0	20	1483	0	0	40
		1286	0	4	45	324	0	1	01
		1290	0	0	20	542	0	9	71
		1301	0	9	71	1443	0	0	40
		1304	0	10	52	795	0	8	09
		1312	0	6	88	1444	0	4	05
		1313	0	5	26	544	0	4	05
		1463	0	0	20	1445	0	3	24
		1464	0	6	48	545	0	1	41
		1465	0	0	40	1446	0	0	40
		1467	0	5	26	560	0	0	81
		1468	0	13	36	1447	0	2	83
		1472	0	6	88	1448	0	13	76
		1483	0	0	20	1449	0	5	67
		1485	0	2	43	562	0	2	22
		1486	0	4	86	1450	0	0	40
		1488	0	6	07	1468	0	0	40
		1523	0	1	01	564	0	0	81
		1524	0	0	40	1469	0	10	12
		1526	0	2	02	567	0	2	43
		1562	0	8	09	1470	0	4	86
		1583	0	4	86	1471	0	0	60
		1584	0	2	43	1472	0	0	81
		1585	0	0	81	1476	0	0	20
		1586	0	0	40	1477	0	6	88
		1597	0	13	76	1478	0	3	24
		1598	0	4	45	1508	0	6	88
		1599	0	8	50	1513	0	4	05
		1600	0	2	43	1514	0	9	31
		1601	0	0	81	1515	0	7	28
		1603	0	3	24	1536	0	0	20
		1609	0	0	20	1557	0	0	40
		1525	0	0	20	1558	0	3	64
Mallickpur	120	625	0	16	19	1559	0	4	45
		626	0	4	05	1560	0	3	24
		627	0	2	02	1561	0	3	64
		629	0	2	43	1564	0	8	09
		633	0	10	93	1565	0	4	86
		638	0	8	09	1573	0	3	24
		639	0	3	64	1574	0	6	48
		640	0	2	43	1575	0	3	24
		678	0	6	48	1581	0	5	26
		679	0	3	24	1582	0	0	81
		680	0	8	90	1623	0	5	26
		681	0	0	20	1627	0	3	24
		706	0	6	88	1628	0	5	26
		707	0	1	62	1629	0	8	09
		710	0	12	55	1636	0	10	12
						1638	0	0	40
						1646	0	3	24
Beluti	121	323	0	2	83	1647	0	3	64
		150	0	1	62	1901	0	1	21
		745	0	1	62	19	0	0	20
		152	0	1	21	37	0	17	81
		746	0	0	40	38	0	13	36
		159	0	3	64	39	0	8	90
		747	0	4	45	40	0	4	05
		154	0	6	88	42	0	0	40
		748	0	3	64	49	0	2	43
		161	0	2	43	51	0	2	83
		750	0	0	81	52	0	9	31
		320	0	28	33	85	0	3	64
		751	0	5	26	86	0	0	81
		1481	0	0	20	87	0	7	28
		322	0	12	95	96	0	3	64
		1482	0	0	40	120	0	5	67
		322	0	1	41	121	0	5	67

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	6
		122	0	4	45			1220	0	2	43
		123	0	0	20			1222	0	3	24
		133	0	0	20			1237	0	3	64
		134	0	6	88			1233	0	1	62
		136	0	4	45			1226	0	0	81
		137	0	2	43			1235	0	0	40
		139	0	6	88			1236	0	4	45
		140	0	7	28			1231	0	4	45
		142	0	1	21			1232	0	2	83
		146	0	3	24			1261	0	0	20
		148	0	0	40			1267	0	0	40
		149	0	0	20			1268	0	3	64
		48	0	1	21			1269	0	1	62
Beranda	122	798	0	3	24			1270	0	4	86
		804	0	2	83			1271	0	2	02
		806	0	9	31			1282	0	6	48
		807	0	0	40			1283	0	5	26
		813	0	0	60			1284	0	1	21
		814	0	4	45			1286	0	0	20
		815	0	0	40			1287	0	0	20
		840	0	3	64			2	0	0	40
		841	0	3	64			4	0	4	45
		842	0	1	21			5	0	19	83
		844	0	0	81			6	0	0	60
		846	0	3	24			7	0	10	12
		847	0	2	83			53	0	1	82
		848	0	0	81			54	0	6	07
		852	0	0	40			45	0	6	88
		855	0	0	20			46	0	0	60
		856	0	4	05			49	0	1	21
		857	0	3	24			50	0	2	02
		858	0	3	24			205	0	0	60
		859	0	2	43			216	0	0	20
		860	0	1	62			224	0	7	28
		861	0	3	64			225	0	4	45
		442	0	1	62			226	0	5	67
		1437	0	27	93			231	0	0	81
		798	0	3	24			234	0	2	43
		803	0	1	62			236	0	0	20
		804	0	6	07			242	0	2	22
		1576	0	0	20			243	0	0	40
								249	0	7	28
Srikrishnapur	114	309	0	6	07			251	0	6	07
		310	0	3	84			253	0	2	43
		317	0	0	20			255	0	5	67
		318	0	5	67			257	0	2	43
		319	0	6	07			258	0	0	40
		325	0	0	81			264	0	0	20
		326	0	6	67			266	0	5	67
		333	0	7	28			267	0	3	24
		334	0	2	02			268	0	0	40
		349	0	6	88			808	0	1	21
		351	0	1	82			818	0	0	40
		354	0	28	33			819	0	5	67
		382	0	0	40			821	0	0	81
		383	0	8	09			822	0	3	24
		384	0	7	28			823	0	6	07
		335	0	0	20			1105	0	0	20
								1107	0	0	81
Reora	128	1262	0	7	69			1109	0	2	83
		1260	0	0	40			1110	0	0	40
		1264	0	0	40						
		1259	0	2	02	Bakshibad Pogram	129	1843	0	1	41
		1258	0	0	40			1844	0	1	21
		1257	0	0	20			1850	0	0	20
		1221	0	3	64			1851	0	4	05

1	2	3	4	5	6	1	2	3	4	5	
Lakshibad Pogram (Contd.)		1852	0	2	43			63	0	2	43
		1853	0	2	43			65	0	5	67
		1863	0	0	20			66	0	0	81
		1865	0	0	20			67	0	1	62
		1864	0	0	40			68	0	4	05
		1866	0	3	24			175	0	6	88
		1867	0	3	24			179	0	1	62
		1868	0	3	64			197	0	4	86
		1880	0	0	20			198	0	2	83
		1881	0	5	26			199	0	2	43
		1882	0	14	57			200	0	0	81
		1883	0	4	05			203	0	4	05
		1884	p	0	20			204	0	1	21
		1885	0	7	28			205	0	0	20
		2001	0	4	45			208	0	5	67
		2002	0	5	67			441	0	2	02
		2009	0	1	21			442	0	0	20
		2019	0	4	45			443	0	0	81
		2018	0	8	90			444	0	2	83
		2022	0	0	81			451	0	0	40
		2023	0	4	05			452	0	3	24
		2024	0	6	48			453	0	5	26
		2025	0	1	62			456	0	0	20
		2026	0	1	21			458	0	5	26
		2029	0	0	20			459	0	1	21
		2031	0	4	45			462	0	3	64
		2032	0	3	64			463	0	5	67
		2107	0	7	28			464	0	3	64
		2108	0	5	67			466	0	4	05
		2109	0	1	62			467	0	14	16
		2113	0	0	81			468	0	7	28
		2114	0	13	36			445	0	0	20
		2115	0	4	05			465	0	0	20
		2394	0	6	48	Bilshanda	127	257	0	3	64
		2119	0	3	64			1	0	21	44
		2120	0	8	90			254	0	2	43
		2365	0	2	02			255	0	0	20
					256			0	0	20	
					253			0	8	50	
					252			0	2	43	
					194			0	4	05	
					96			0	0	20	
					95			0	13	36	
Chandradwip	124	595	0	3	24			92	0	0	20
		810	0	10	52			104	0	7	28
		597	0	13	76			105	0	4	05
		624	0	17	81			107	0	9	71
		622	0	0	40			71	0	2	83
		626	0	5	46			72	0	4	86
		630	0	0	81			66	0	11	33
		632	0	10	93			65	0	5	26
		636	0	0	20			50	0	0	40
		637	0	15	38			64	0	7	28
		639	0	4	86			51	0	1	62
		640	0	2	43			54	0	5	26
		641	0	6	07			52	0	7	28
		676	0	3	24			56	0	3	24
		677	0	15	38			25	0	8	90
		818	0	23	48			1097	0	5	26
		684	0	0	81			1058	0	0	40
		748	0	4	86			1061	0	1	21
		750	0	2	43			1068	0	14	57
		rishinghapur	125	5	0	0	20			1067	0
6	0			8	90			1062	0	0	40
16	0			4	45			1065	0	1	62
17	0			7	69			1063	0	0	80
19	0			5	67			1064	0	5	26
20	0			4	05			1066	0	6	48
38	0			1	21			1069	0	9	31
47	0			14	57						
48	0			13	46						

[No. R-31015/1/97-OR-I]

K C KATOGU

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1997

का. आ. 504 :—चूंकि केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह आवश्यक है कि एस. एफ. सी. एल. टैप ऑफ से ई. आई. डी. पैरी लि. पोन्डिचेरी राज्य तक पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के परिवहन के लिए पाइपलाइन गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा बिछाई जाती चाहिए।

और चूंकि यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइन को बिछाने के प्रयोजन के लिए एतदुपाय अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः अब पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय एतद्वारा घोषित करती है।

वर्तते कि उक्त भूमि में हितवद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए आक्षेप सक्षम अधिकारी, गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड कावेरी बस्तीन, नागापट्टिनम को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति विनिर्दिष्ट: यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

एस. एफ. सी. एल. टैप ऑफ से ई. आई. डी. पैरी गैस पाइपलाइन परियोजना						
राज्य	जिला	तालुका	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल	
					हेक्टे. में	सेन्टी एकड़ में
पोन्डिचेरी	पोन्डिचेरी	कराईकैल	18-पैरूर	79.2	0.01.0	0.02
				79.3	0.11.0	0.27
				51.3	0.05.5	0.14
				52.0	0.13.0	0.32
				53.5	0.00.5	0.01
				61.2	0.18.5	0.45

[सं. एल.—14016/7/96-जी पी]

अर्जेंदु मेन, निदेशक

New Delhi, the 10th February, 1997

S. O. 504 :—whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas from S.F.C.L. Tap Off to EID Parry Ltd., in Pondichery State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of user in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein;

Provided that any person interest in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., Cauvery Basin, Nagapattinam;

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

SFCL Tap Off to F.I.D. Parry Ltd. Gas Pipe Line Project

State	District	Taluk	Village	Survey Number	Extent		Remarks
					In Hectares	In Acre Cent	
Pondicherry	Pondicherry	Karaikal	16 Sella	79.2	0.01.0	0.02	
				79.3	0.11.0	0.27	
				51.3	0.05.5	0.14	
				52.0	0.13.0	0.32	
				53.5	0.00.5	0.01	
				61.2	0.18.5	0.45	

[No. L-14016/7/96-GP]

ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1997

का. आ. 505 :—~~चूंकि~~ केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि जनहित में यह आवश्यक है कि एफ. एफ. सी. एल. टैप ऑफ पोइन्ट से बॉम प्रोफाइल गैस पाइपलाइन पाण्डिचेरी राज्य तथा पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस के पहिबहन के लिए पाइप लाइन गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड द्वारा निर्धारित जमीन प्राप्त हो।

और चूंकि यह प्रतीत होता है कि ऐसी लाइन को निर्धारित उपयोग के लिए पतनसम्पन्न अनुसूची में वर्णित भूमि में उपयोग का अधिकार अर्जित करना आवश्यक है।

अतः, अद्य पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार उसमें उपयोग का अधिकार अर्जित करने का अपना आशय पतनद्वारा घोषित करती है।

वशत कि उक्त भूमि में हस्तबद्ध कोई व्यक्ति, उस भूमि के नीचे पाइपलाइन बिछाने के लिए अग्रेसर सक्षम प्राधिकारी, गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड कावेरी बसिंग, नागापट्टिनम को इस अधिसूचना की तारीख से 21 दिनों के भीतर कर सकेगा।

और ऐसा आक्षेप करने वाला हर व्यक्ति अनिश्चित यह भी कथन करेगा कि क्या वह चाहता है कि उसकी सुनवाई व्यक्तिगत हो या किसी विधि व्यवसायी की मार्फत।

अनुसूची

एस. एफ. सी. एल. टैप ऑफ पोइन्ट से बॉम प्रोफाइल गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

राज्य	जिला	तालुका	ग्राम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल		टिप्पणी
					हेक्टे में	सेन्टी एकर में	
1	2	3	4	5	6	7	8
पोन्डिचेरी	पोन्डिचेरी	कराईकैल	16-सोला-कुड़ी	270.6	0.11.5	0.28	
				270.7	0.06.0	0.15	
				269.7	0.04.5	0.11	
				269.10	0.09.0	0.22	
				266.1	0.17.0	0.42	
				266.2	0.09.5	0.23	
				262.13	0.01.5	0.04	
				265.10	0.03.5	0.09	
				265.11	0.01.0	0.02	
				265.11	0.03.0	0.08	

1	2	3	4	5	6	7	8
पोन्डिचेरी	पोन्डिचेरी	कराईकल	21 तिरुना- ल्लूर	71.1 73.6 64.1 64.2 59.1 59.2 59.3 57.3	0.05.0 0.07.5 0.04.5 0.10.5 0.09.0 0.05.5 0.02.5 0.03.0	0.12 0.18 0.11 0.26 0.22 0.13 0.06 0.07	
पोन्डिचेरी	पोन्डिचेरी	कराईकल	20 पट्टे	4.2	0.17.0	0.42	

[स. एल.—14016/7/96-जी पी]

अर्धेन्दु सेन, निदेशक

New Delhi, the 10th February, 1997

S. O. 505.—whereas it appears to the Central Government that it is necessary in the public interest that for the transport of Petroleum and Natural Gas from SFCL Tap Off Point to Boss Profile in Pondicherry State pipeline should be laid by the Gas Authority of India Ltd.

And whereas it appears that for the purpose of laying such pipeline, it is necessary to acquire the right of use in the land described in the schedule annexed hereto;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (I) of the Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in the Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government hereby declares its intention to acquire the right of user therein:

Provided that any person interest in the said land may, within 21 days from the date of this notification, object to the laying of the pipeline under the land to the Competent Authority, Gas Authority of India Ltd., Cauvery Basin, Nagapattinam.

And every person making such an objection shall also state specifically whether he wishes to be heard in person or by legal practitioner.

SCHEDULE

SFCL Tap Off Point to Boss Profiles Gas Pipeline Project

State	District	Taluk	Village	Survey Number	Area		Remarks
					In Hectares	In Acre Cent	
Pondicherry	Pondicherry	Karaikal	16 Sorakudy	270.6	0.11.5	0.28	
				270.7	0.06.0	0.15	
				269.7	0.04.5	0.11	
				269.10	0.09.0	0.22	
				266.1	0.17.0	0.42	
				266.2	0.09.5	0.23	
				262.1D	0.01.5	0.04	
				265.10	0.03.5	0.09	
				265.11C	0.01.0	0.02	
				265.11D	0.03.0	0.08	
Pondicherry	Pondicherry	Karaikal	21 Tirunalla	71.1	0.05.0	0.12	
				71.6	0.07.5	0.18	
				64.1	0.04.5	0.11	
				64.2	0.10.5	0.26	
				59.1	0.09.0	0.22	
				59.2	0.05.5	0.13	
				59.3	0.02.5	0.06	
				57.3	0.03.0	0.07	
Pondicherry	Pondicherry	Karaikal	20 Pettai	4.2	0.17.0	0.42	

[No. L-14016/7/96-GP]

ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1997

का. आ. 506 :—पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा-3 के उपप्रांश (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. 3275 तारीख 20-11-96 द्वारा भारत सरकार ने उस अधिसूचना में गलत अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के अधिकार को पाइपलाइन बिछाने के लिए अर्जित करने का आग्रह घोषित किया था।

अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तत्पश्चात् भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद् द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद् द्वारा अर्जित किया जाता है।

इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में अधिकार भारत सरकार में निहित होने के अजाय गैस अधॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड में सभी बाधाओं में मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

थिरुवारूर सरली प्रोडक्शन सिस्टम से नरीमानम जी. सी. एस. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

राज्य	जिला	तालुक	ग्राम संख्या तथा नाम	सर्वेन.	क्षेत्रफल		टिप्पणी
					हेक्ट. में	एकड़ सैन्ट में	
तमिलनाडु	नागई - क्वैड-ई- मिल्लैय	थिरुवारूर	026,	252.6 ए	0.06.0	0.15	
			ओक्र	253.1 बी	0.14.5	0.36	
				254.1	0.00.5	0.01	
				220.1	0.00.5	0.01	
				220.3 सी	0.02.0	0.05	
				220.4 ए	0.05.5	0.14	
				220.4 बी	0.05.0	0.12	
				220.4 सी	0.03.0	0.08	
				221.2	0.14.0	0.35	
				221.3	0.02.0	0.05	
				221.4	0.03.0	0.08	
				218.2	0.17.0	0.42	
				218.3 ए	0.02.0	0.05	
				209.2 ए	0.03.0	0.08	
				209.2 बी	0.02.0	0.05	
				210.2	0.00.5		
				216.1	0.08.0	0.20	
				216.2	0.06.0	0.15	
				216.3	0.07.5	0.19	
				211.1	0.04.5	0.11	
				213-	0.05.0	0.12	
				212.2	0.02.5	0.06	
				212.3	0.06.5	0.16	

329 GI/97-8

1	2	3	4	5	6	7	8
तमिलनाडु	नागई-पवैड-ई-मिल्लैथ	थिरुवारूर	027, वैगादंगल	28. 1ए	0. 00. 5	0. 12	
				2. 3	0. 01. 0	0. 02	
				2. 5	0. 02. 5	0. 06	
				2. 6	0. 05. 0	0. 12	
				2. 7 ए	0. 01. 5	0. 04	
				2. 7बी	0. 00. 5	0. 01	
				33. 2ए 1	0. 03. 5	0. 09	
				33. 2ए 2	0. 07. 0	0. 18	
				33. 2बी 1	0. 11. 0	0. 27	
				33. 2बी 2	0. 00. 5	0. 01	
				33. 2बी 3	0. 01. 0	0. 02	
				32. 3	0. 04. 0	0. 02	
				32. 2बी	0. 12. 0	0. 30	
				32. 8	0. 01. 5	0. 04	
				32. 9ए	0. 01. 0	0. 02	
				32. 10ए	0. 01. 0	0. 02	
				32. 11	0. 01. 5	0. 02	
				31. 1	0. 06. 0	0. 15	
				31. 2	0. 13. 0	0. 32	
				14. 3बी	0. 01. 5	0. 04	
				15. 6	0. 13. 5	0. 34	
				15. 7	0. 14. 5	0. 37	
				24. 1	0. 03. 0	0. 08	
				16. 2	0. 03. 5	0. 09	
				16. 3ए	0. 13. 5	0. 34	
				16. 3बी	0. 12. 5	0. 31	

[सं. एल.-14016/13/96-जी. पी.]

अर्धेन्दु सेन, निवेशक

New Delhi, the 10th February, 1997

S. O. 506—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S. O. no. 3275 dated 20-11-96 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the Gas Authority of India Ltd. free from all encumbrances,

SCHEDULE

Thiruvavarur Early Production System to Narimanam G.C.S. Gas Pipeline Project

State	District	Taluk	Village No. & Name	Survey Number	Area		Remarks
					In Hectares	In Acre Cent	
1	2	3	4	5	6	7	8
Tamil Nadu	Nagai Quaid- E-Milleth	Thiruvavarur	026 Okkur	252.6A	0.06.0	0.15	
				253.1B	0.14.5	0.36	
				254.1	0.00.5	0.01	
				220.1	0.00.5	0.01	
				220.3C	0.02.0	0.05	
				220.4A	0.05.5	0.14	
				220.4B	0.05.0	0.12	
				220.4C	0.03.0	0.08	
				221.2	0.14.0	0.35	
				221.3	0.02.0	0.05	
				221.4	0.03.0	0.08	
				218.2	0.17.0	0.42	
				218.3A	0.02.0	0.05	
				209.2A	0.03.0	0.08	
				209.2B	0.02.0	0.05	
				210.2	0.00.5		
				216.1	0.08.0	0.20	
				216.2	0.06.0	0.15	
				216.3	0.07.5	0.19	
				211.1	0.04.5	0.11	
				213.1	0.05.0	0.12	
				213.2	0.02.5	0.06	
				212.3	0.06.5	0.16	
				212.4	0.03.0	0.08	
				131-	0.18.0	0.44	
				132-	0.12.0	0.30	
				126.1B	0.08.0	0.20	
				127.1	0.12.0	0.30	
				127.2	0.01.5	0.04	
				112-	0.15.0	0.37	
				111.1	0.02.5	0.06	
				111.2	0.06.0	0.15	
				110-	0.20.0	0.50	
				107.2	0.03.0	0.08	
				108.2	0.02.0	0.05	
				71.1	0.02.0	0.05	
				71.2	0.06.0	0.15	
				71.3	0.05.0	0.12	
				71.4	0.00.5	0.01	
				74.1	0.10.5	0.26	
				75.2	0.03.0	0.08	
				76-	0.15.0	0.37	
				81.1	0.03.0	0.08	
				81.3	0.17.0	0.42	
				82.2	0.16.5	0.41	
				20.3A1	0.07.0	0.18	
				20.1A	0.02.0	0.05	
				20.1C	0.02.0	0.05	
				20.1B	0.10.5	0.26	

1	2	3	4	5	6	7	8
Tamil Nadu	Nagai Qaid- E-Milleth	Thiruvarur	027 Mangadangal	1107- 104.1	0.103.0 0.07.0	0.08 0.18	
				104.2	0.05.0	0.12	
				97.2B	0.00.5	0.01	
				97.3	0.13.5	0.35	
				95.1	0.01.0	0.02	
				96.1	0.08.0	0.20	
				96.3	0.14.0	0.35	
				93.1	0.13.0	0.32	
				93.2A	0.00.5	0.01	
				73.1	0.02.5	0.06	
				40.4	0.02.0	0.04	
				38.1A	0.07.0	0.18	
				38.1B	0.07.5	0.19	
				36.2	0.00.5	0.01	
				36.3	0.09.0	0.22	
				36.4	0.07.0	0.18	
				36.5	0.01.0	0.02	
				34.2A	0.00.5	0.01	
				34.2B	0.07.5	0.19	
				34.2C	0.00.5	0.01	
				28.1A	0.05.0	0.12	
				2.3	0.01.0	0.02	
				2.5	0.02.5	0.06	
				2.6	0.05.0	0.12	
				2.7A	0.01.5	0.04	
				2.7B	0.00.5	0.01	
				33.2A1	0.03.5	0.09	
				33.2A2	0.07.0	0.18	
				33.2B1	0.11.0	0.27	
				33.2B2	0.00.5	0.01	
				33.2B3	0.01.0	0.02	
				32.3	0.04.0	0.02	
				32.2B	0.12.0	0.30	
				32.8	0.01.5	0.04	
				32.9A	0.01.0	0.02	
				32.10A	0.01.0	0.02	
				32.11	0.01.5	0.02	
				31.1	0.06.0	0.15	
				31.2	0.13.0	0.32	
				14.3B	0.01.5	0.04	
				15.6	0.13.5	0.34	
				15.7	0.14.5	0.37	
				24.1	0.03.0	0.08	
				16.2	0.03.5	0.09	
				16.3A	0.13.5	0.34	
				16.3B	0.12.5	0.31	

[No. L-14016/13/96-GP]
ARDHENDU SEN, Director

21.0 0 50.0 दिवस 15.0 फरवरी, 1997

का. आ. 507.0—पेट्रोलियम और खनिज पदार्थों का अधिनियम, 1962 (1962 का 50) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

विनिर्दिष्ट भूमियों के अधिकार को पाइपलाइन सिद्ध करने के लिए प्रयोजन के लिए घोषित किया था।

अतः मन्त्र प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अन्तर्गत भारत सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तत्पश्चात् भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करके उक्त अधिनियम में संशोधन अधिनियम में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिर्णय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद्वारा घोषित करती है कि इस अधिनियम में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्वारा अर्जित किया जाता है।

इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार निम्नलिखित है कि उक्त भूमियों में अधिकार भारत सरकार में निहित होके केवजाय गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड से सभी बाधाओं से मुक्त रूप से घोषणा के प्रकाशन की इस परिधि को निर्दिष्ट होगा।

राज्य	जिला	सीलूक	ग्रामी संख्या	क्षेत्रफल	टिप्पणी
			ग्रामी नाम	हेक्टे. में	एकड़ सैन्ट में
तमिलनाडु	नागई-क्वैड	नन्नीलम	122, 2001	0.01.5	0.03
		ई-मिल्लैथ	नरीमानम	2.4	0.07.5
			7.1	0.05.5	0.13
			6.3	0.03.0	0.08
			6.4	0.11.0	0.27
			6.5	0.08.5	0.21
			120, 128.3	0.04.5	0.11
		कुथालम	128.4	0.07.0	0.17
			128.5	0.06.5	0.16

New Delhi the 10th February, 1997

S. O. 507.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas, S. O. No. 3276 dated 20-11-96 under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declares its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

And whereas the Competent Authority has under Sub-Section (1) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

And further whereas the Central Government has, after considering the said report decide to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline;

And further in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section the Central Government directs that the right of user in the aid lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the GAS AUTHORITY OF INDIA LTD free from all encumbrances.

SCHEDULE

Thiruvarur Early Production System to Narimanam G.C.S. Gas Pipeline Project

State	District	Taluk	Village No. & Name	Survey Number	Area		Remarks
					In Hectares	In Acre Cent	
Tamil Nadu	Nagai Quaid-E-Milleth	Nannilam	122	2.3	0.01.5	0.03	
			Narimanam	2.4	0.07.5	0.18	
				7.1	0.05.5	0.13	
				6.3	0.03.0	0.08	
				6.4	0.11.0	0.27	
				6.5	0.08.5	0.21	
				5.1	0.01.5	0.03	
			120	128.3B	0.04.5	0.11	
			Kuthalam	128.4	0.07.0	0.17	
				128.5	0.06.5	0.16	

[No. L-14016/13/96-GP]

ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 10 फरवरी, 1997

का. आ. 508 :—पेट्रोलियम और खनिज पाइप लाइन (भूमि के उपयोग अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा-3 की उपधारा (1) के अधीन भारत सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना का. आ. 3273 तारीख 18-11-96 द्वारा भारत सरकार ने उस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के अधिकार को पाइप लाइन बिछाने के लिए अर्जित करने का आशय घोषित किया था।

अतः सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन सरकार को रिपोर्ट दे दी है।

तत्पश्चात् भारत सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमियों के उपयोग का अधिकार अर्जित करने का विनिश्चय किया है।

अब अतः उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एतद्द्वारा घोषित करती है कि इस अधिसूचना में संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमियों में उपयोग का अधिकार पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए एतद्द्वारा अर्जित किया जाता है।

इस धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार निर्देश देती है कि उक्त भूमियों में अधिकार भारत सरकार में निहित होने के बजाय गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड में सभी बाधाओं से मुक्त रूप में घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख को निहित होगा।

अनुसूची

नन्नीलम अरली प्रोडक्शन सिस्टम से आदियकामंगलम, जी. जी. एस. गैस पाइप लाइन प्रोजेक्ट

राज्य	जिला	तालुक	ग्राम संख्या तथा नाम	सर्वे नं.	क्षेत्रफल		टिप्पणी
					हेक्टे. में	एकड़ सैन्ट में	
1	2	3	4	5	6	7	8
तमिलनाडु	नागई-क्वैड-ई-मिल्लैथ	कोड़ावसाल	104,	166.3	0.07.5	0.18	
			पेरुनथारा-	167	0.23.0	0.57	
			कुड़ी	168	0.28.5	0.70	

1	2	3	4	5	6	7	8
तमिलनाडु	नागई कभैडुन्ट- मिल्लैय	कोडावसाल	104, पैरुनथाराडीकु	169 174.1 174.3 194.2बी 194.3 194.4 194.6 194.7 199.5ए 199.5बी 201.2 201.3 201.4 202.2 202.3 209.1 209.2 210.1 210.2ए 213.2 213.3ए 195.9 195.10 195.11 103, कुलीकराई	0.17.0 0.27.5 0.06.0 0.05.0 0.01.0 0.00.5 0.00.5 0.03.5 0.05.0 0.09.0 0.05.0 0.04.5 0.04.5 0.06.0 0.05.0 0.05.5 0.07.5 0.07.0 0.06.0 0.10.0 0.01.0 0.09.0 0.02.0 0.02.0 76.10 76.12 76.13 87.1ए 87.1डी 87.2ए 87.2बी1 87.2बी3 89.4 89.5 89.6 89.7ए 89.7बी 90.1 90.4 91.1बी 91.4सी 91.14ए 91.14बी 91.16 94.1 94.2बी 94.3 94.4	0.42 0.68 0.15 0.12 0.02 0.01 0.01 0.06 0.12 0.22 0.12 0.11 0.11 0.15 0.12 0.13 0.18 0.17 0.15 0.25 0.02 0.22 0.04 0.04 0.09 0.10 0.11 0.05 0.22 0.20 0.31 0.13 0.01 0.02 0.15 0.15 0.02 0.01 0.17 0.01 0.01 0.01 0.16 0.01 0.09 0.09 0.09 0.09	

1	2	3	4	5	6	7	8
तमिलनाडु	नर्मदा-बैडर-कोडावसाल	0.03	96.10	0.06	0.01	0.01	0.01
	मिर्जापुर	कुलीदहार्द	96.10	0.06	0.01	0.01	0.01
21.0		0.00.0	96.20	0.01.5			0.04
21.0		0.00.0	96.20	0.11.0			0.27
20.0		0.10.0	97.10	0.01.0			0.02
10.0		0.00.0	97.10	0.00.5			0.01
10.0		0.00.0	100.20	0.03.0			0.08
00.0		0.00.0	100.20	0.00.5			0.01
21.0		0.00.0	100.20	0.00.5			0.01
22.0		0.00.0	100.20	0.04.0			0.10
21.0		0.00.0	100.10	0.08.0			0.20
11.0		0.00.0	104.10	0.03.0			0.08
11.0		0.00.0	104.10	0.00.5			0.01
21.0		0.00.0	104.50	0.00.5			0.01
21.0		0.00.0	104.90	0.01.0			0.02
21.0		0.00.0	104.10	0.03.0			0.08
21.0		0.00.0	104.10	0.02.5			0.06
21.0		0.00.0	104.40	0.01.0			0.02
21.0		0.00.0	104.40	0.00.5			0.01
22.0		0.01.0	104.40	0.01.0			0.02
20.0		0.10.0	104.40	0.02.0			0.04
22.0		0.00.0	105.30	0.10.5			0.26
20.0		0.00.0	106.10	0.01.0			0.02
20.0		0.00.0	114.20	0.09.0			0.22
20.0		0.00.0	114.30	0.10.5			0.26
01.0		0.00.0	114.50	0.10.5			0.26
11.0		0.00.0	101.50	9.11.0			0.27
20.0		0.00.0	51.10	0.00.5			0.01
22.0		0.00.0	51.30	0.11.0			0.27
02.0		0.00.0	51.10	0.05.0			0.12
10.0		0.00.0	51.11	0.04.0			0.10
21.0		0.00.0	52.20	0.21.0			0.52
10.0		0.00.0	57.20	0.02.0			0.04
20.0		0.10.0	58.40	0.16.5			0.41
21.0		0.00.0	64.20	0.19.5			0.48
21.0		0.00.0	65.20	0.02.5			0.06
20.0		0.10.0	99.20	0.07.5			0.18
10.0		0.00.0	99.30	0.05.5			0.13
21.0		0.00.0	99.60	0.06.0			0.15
10.0		0.00.0	106.20	0.01.0			0.02
10.0		0.00.0	106.20	0.02.5			0.06
10.0		0.00.0	106.20	0.06.0			0.15
01.0		0.00.0	106.20	0.04.0			0.10
10.0		0.00.0	106.20	0.01.5			0.04
09.0		0.00.0	106.30	0.01.5			0.04
00.0		0.00.0	106.30	0.04.0			0.10
00.0		0.00.0	106.30	0.04.5			0.11

राज्य	जिला	तालुक	ग्राम संख्या तथा नाम	सर्वे नं.	हेक्टे. में	क्षेत्रफल	एकड़ में	टिप्पणी
तमिलनाडु	नागई-कवैडु-ई-मिल्लैथ	कोडावसाल	101,	106. 3एज	0. 06. 0		0. 15	
			थियामराजा-	107. 2	0. 01. 5		0. 04	
			पुर	107. 3	0. 10. 0		0. 25	
				108. 5ए	0. 05. 0		0. 12	
				108. 5बी	0. 05. 0		0. 12	
				106. 3डी	0. 06. 0		0. 12	
				109. 2ए	0. 03. 0		0. 08	
				109. 2 बी	0. 02. 0		0. 04	
				109. 3ए	0. 05. 0		0. 12	
				109. 4बी	0. 04. 0		0. 10	
				109. 6	0. 07. 0		0. 17	
				111. 3	0. 17. 0		0. 42	
				112. 6	0. 06. 0		0. 15	
				112. 7	0. 05. 5		0. 13	
				115. 2डी	0. 05. 0		0. 12	
				115. 3	0. 06. 0		0. 15	
				116. 2	0. 20. 5		0. 51	
				118. 2	0. 06. 0		0. 15	
				120. 1बी	0. 08. 0		0. 20	
				120. 15बी	0. 02. 0		0. 04	
				122. 2	0. 03. 0		0. 08	
तमिलनाडु	नागई-कवैडु-ई-मिल्लैथ	कोडावसाल	100,	7. 2ए	0. 10. 0		0. 25	
			पारुथियूर	7. 2बी	0. 07. 0		0. 17	
				7. 2सी	0. 04. 5		0. 11	
				7. 2डी	0. 22. 5		0. 56	
				10. 4	0. 00. 5		0. 01	
				10. 5	0. 01. 0		0. 02	
				10. 6	0. 02. 5		0. 06	
				11. 2ए	0. 11. 0		0. 27	
				11. 2बी	0. 04. 0		0. 10	
तमिलनाडु	नागई-कवैडु-ई-मिल्लैथ	कोडावसाल	97,	2. 1	0. 03. 0		0. 08	
			कनकोडुथाव-	2. 2ए	0. 03. 5		0. 09	
			नीथम	2. 2बी	0. 04. 0		0. 10	
				3. 1ए	0. 07. 5		0. 18	
				3. 1बी	0. 13. 0		0. 32	
				3. 1सी	0. 12. 0		0. 30	
				4. —	0. 07. 0		0. 17	
तमिलनाडु	नागई-कवैडु-ई-मिल्लैथ	कोडावसाल	89, मैलाथिर	36. 18	0. 00. 5		0. 01	
			माथीकुन्नम	37. 4ए 2	0. 03. 0		0. 08	
				37. 8बी	0. 03. 0		0. 08	
				37. 9बी	0. 00. 5		0. 01	
				37. 12	0. 05. 0		0. 12	
				37. 15	0. 00. 5		0. 01	
				37. 16	0. 06. 0		0. 15	
				38. 5ए	0. 08. 0		0. 20	
				38. 5बी	0. 06. 0		0. 15	
				42. 2	0. 00. 5		0. 01	
				42. 3	0. 06. 0		0. 15	
				42. 4	0. 02. 0		0. 05	
				42. 7बी	0. 08. 5		0. 21	
				43. 3	0. 00. 5		0. 01	
				43. 4ए	0. 04. 5		0. 11	
				43. 4बी	0. 02. 0		0. 05	

1	2	3	4	5	6	7	8
तमिलनाडु	नागई-कवैड-ई-मिल्लैय	कोड़ावसाल	89, मैलाथिरु मांथीकुल्लम	44. 5ए	0. 09. 0	0. 22	
				44. 5बी	0. 02. 5	0. 06	
				60. 1	0. 06. 0	0. 15	
				60. 2	0. 19. 5	0. 49	
				67. 4बी	0. 04. 0	0. 10	
				67. 5	0. 06. 0	0. 15	
				62. 1	0. 07. 5	0. 18	
				63. 3	0. 02. 0	0. 05	
				63. 4	0. 06. 0	0. 15	
				64. 1	0. 08. 5	0. 21	
तमिलनाडु	नागई-कवैड-ई-मिल्लैय	कोड़ावसाल	90, नालिन ओन्मु	67. 1	0. 05. 5	0. 13	
				67. 3	0. 05. 5	0. 13	
				67. 5बी	0. 07. 5	0. 18	
				67. 5सी	0. 00. 5	0. 01	
				68. 1	0. 05. 5	0. 13	
				68. 3ए	0. 00. 5	0. 01	
				68. 8	0. 01. 0	0. 02	
				69. 2सी	0. 00. 5	0. 01	
				70. 1	0. 07. 0	0. 17	
				70. 2	0. 03. 0	0. 08	
				70. 3	0. 06. 0	0. 15	
				70. 4	0. 01. 0	0. 02	
				70. 7	0. 07. 0	0. 17	
				71. 2	0. 09. 0	0. 22	
				71. 5बी	0. 09. 0	0. 22	
				119. 1बी	0. 07. 0	0. 17	
तमिलनाडु	नागई-कवैड-ई-मिल्लैय	कोड़ावसाल	87, आधी चोलाभंगलम्	119. 2	0. 03. 0	0. 08	
				119. 3ए 1	0. 00. 5	0. 01	
				119. 3ए 2	0. 02. 5	0. 06	
				119. 3ए 3	0. 05. 0	0. 12	
				119. 4ए	0. 02. 5	0. 06	
				119. 5	0. 06. 0	0. 15	
				119. 6ए	0. 05. 0	0. 12	
				119. 6बी	0. 04. 5	0. 11	
				127. 1	0. 03. 0	0. 08	
				127. 2	0. 08. 0	0. 20	
				127. 4	0. 05. 5	0. 13	
				127. 5ए	0. 03. 0	0. 08	
				127. 5बी	0. 03. 0	0. 08	
				127. 6ए	0. 01. 5	0. 04	
				127. 6बी	0. 01. 0	0. 02	
				127. 6डी	0. 03. 0	0. 08	
				127. 7ए	0. 03. 0	0. 08	
				127. 7बी	0. 03. 0	0. 08	
				136. 1	0. 08. 5	0. 21	
				136. 2	0. 09. 0	0. 22	
तमिलनाडु	नागई-कवैड-ई-मिल्लैय	कोड़ावसाल	86, कुरुणा कोटेजम	136. 3	0. 09. 0	0. 22	
				136. 4	0. 07. 0	0. 17	
				136. 5	0. 03. 0	0. 08	
				137. 6	0. 08. 0	0. 20	
				151. 1बी	0. 06. 5	0. 11	
				101. 2 ए	0. 05. 0	0. 12	
				151. 2 बी	0. 02. 0	0. 05	
				151. 2सी	0. 03. 0	0. 08	

New Delhi, the 10th February, 1997

S.O. 508.—Whereas by notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas S.O. No. 3273 dated 18-11-96 under sub-section (I) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in land) Act, 1962 (50 of 1962), the Central Government declared its intention to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to that notification for the purpose of laying pipeline;

AND WHEREAS the Competent Authority has under Sub-section (I) of Section 6 of the said Act, submitted report to the Government;

AND FURTHER Whereas the Central Government has, after considering the said report decided to acquire the right of user in the lands specified in the schedule appended to this notification;

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (1) of the Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said land specified in the schedule appended to this notification hereby acquired for laying the pipeline)

AND FURTHER in exercise of power conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in Central Government vests on this date of the publication of this declaration in the GAS AUTHORITY OF INDIA LTD free from all encumbrances.

SCHEDULE

NANNILAM EARLY PRODUCTION SYSTEM TO ADIYAKAMANGALAM, G.G.S. GAS PIPE LINE PROJECT

State	District	Taluk	Village No. & Name	Survey No.	Area		Remarks
					In Hec-tares	In acre Cent	
Tamil Nadu	Nagai Quaid-e-Milleth	Kodavasal	104 Perunthara Kudi	166.3	0.07.5	0.18	
				167	0.23.0	0.57	
				168	0.28.5	0.70	
				169	0.17.0	0.42	
				174.1	0.27.5	0.68	
				174.3	0.06.0	0.15	
				194.2	0.05.0	0.12	
				194.3	0.01.0	0.02	
				194.4	0.00.5	0.01	
				194.6	0.00.5	0.01	
				194.7	0.03.5	0.06	
				199.5A	0.05.0	0.12	
				199.5B	0.09.0	0.22	
				201.2	0.05.0	0.12	
				201.3	0.04.5	0.11	
				201.4	0.04.5	0.11	
				202.2	0.06.0	0.15	
				202.3	0.05.0	0.12	
				209.1	0.05.5	0.13	
				209.2	0.07.5	0.18	
				210.1	0.07.0	0.17	
				210.2A	0.06.0	0.15	
				213.2	0.10.0	0.25	
				213.3A	0.01.0	0.02	
				195.9	0.09.0	0.22	
				195.10	0.02.0	0.04	
				195.11	0.02.0	0.04	
Tamil Nadu	Nagai Quaid-E-Milleth	Kodavasal	103 Kulikarai	76.10	0.03.5	0.09	
				76.12	0.04.0	0.10	
				76.13	0.04.5	0.11	
				87.1A	0.02.0	0.05	
				87.10D	0.09.0	0.22	
				87.2A	0.08.0	0.20	
				87.2B1	0.12.5	0.31	
				87.2B3	0.05.5	0.13	
				89.4	0.00.5	0.01	
				89.5	0.01.0	0.02	

1	2	3	4	5	6	7	8
Tamil Nadu	Nagai Quaid-e-Milleth	Kodavasal	103 Kulikarai	89.6	0.06.0	0.15	
				89.7A	0.06.0	0.15	
				89.7B	0.01.0	0.02	
				90.1	0.00.5	0.01	
				90.4	0.07.0	0.17	
				91.1B	0.00.5	0.01	
				91.4C	0.00.5	0.01	
				91.14A	0.00.5	0.01	
				91.14B	0.06.5	0.16	
				91.16	0.00.5	0.01	
				94.1	0.03.5	0.09	
				94.2B	0.03.5	0.09	
				94.3	0.03.5	0.09	
				94.4	0.03.5	0.09	
				96.1A1	0.06.5	0.16	
				96.1A2	0.03.5	0.09	
				96.2A	0.01.5	0.04	
				96.2B	0.11.0	0.27	
				97.1A	0.01.0	0.02	
				97.1B	0.00.5	0.01	
				100.2	0.03.0	0.08	
				100.3A	0.00.5	0.01	
				100.9	0.00.5	0.01	
				100.11	0.04.0	0.10	
				100.12	0.08.0	0.20	
				104.1	0.03.0	0.08	
				104.4	0.00.5	0.01	
				104.5	0.00.5	0.01	
				104.9	0.01.0	0.02	
				104.10	0.03.0	0.08	
				104.12	0.02.5	0.06	
				104.13	0.01.0	0.02	
				104.14A	0.00.5	0.01	
				104.14B	0.01.0	0.02	
				104.14C	0.02.0	0.04	
				105.3	0.10.5	0.26	
				106.1	0.01.0	0.02	
				114.2	0.09.0	0.22	
				114.3	0.10.5	0.26	
				114.5	0.10.5	0.26	
Tamil Nadu	Nagai Quaid-e-Milleth	Kodavasal	101 Thiyagaraja purma	50.1	0.11.0	0.27	
				51.1	0.00.5	0.01	
				51.3	0.11.0	0.27	
				51.10	0.05.0	0.12	
				51.11	0.04.0	0.10	
				52.2	0.21.0	0.52	
				57.2	0.02.0	0.04	
				58.4	0.16.5	0.41	
				64.2	0.19.5	0.48	
				65.2B	0.02.5	0.06	
				99.2A	0.07.5	0.18	
				99.3	0.05.5	0.13	
				99.6	0.06.0	0.15	
				106.2A	0.01.0	0.02	
				106.2B	0.02.5	0.06	
				106.2D	0.06.0	0.15	
				106.2E	0.04.0	0.10	
				106.2F	0.01.5	0.04	
				106.3A	0.01.5	0.04	
				106.3C	0.04.0	0.10	
				106.3G	0.04.5	0.11	
				106.3H	0.06.0	0.15	
				107.2	0.01.5	0.04	
				107.3	0.10.0	0.25	
				108.5A	0.05.0	0.12	
				108.5C	0.05.0	0.12	
				106.3D	0.06.0	0.15	

1	2	3	4	5	6	7	8
Tamil Nadu	Nagai Quaid-e-Milleth	Kodavasal	101 Thiagarajapuram	109.2A	0.03.0	0.08	
				109.2B	0.02.0	0.04	
				109.3A	0.05.0	0.12	
				109.4B	0.04.0	0.10	
				109.6	0.07.0	0.17	
				111.3	0.17.0	0.42	
				112.6	0.06.0	0.15	
				112.7	0.05.5	0.13	
				115.2D	0.05.0	0.12	
				115.3	0.06.0	0.15	
				116.2	0.20.5	0.51	
				118.2	0.06.0	0.15	
				120.1B	0.08.0	0.20	
				120.15B	0.02.0	0.04	
				122.2	0.03.0	0.08	
Tamil Nadu	Nagai Quaid-e-Milleth	Kodavasal	100 Paruthiyur	7.2A	0.10.0	0.25	
				7.2B	0.07.0	0.17	
				7.2C	0.04.5	0.11	
				7.2D	0.22.5	0.56	
				10.4	0.00.5	0.01	
				10.5	0.01.0	0.02	
				10.6	0.02.5	0.06	
				11.2A	0.11.0	0.27	
				11.2B	0.04.0	0.10	
				11.2C	0.05.5	0.14	
Tamil Nadu	Nagai Quaid-e-Milleth	Kodavasal	97 Kankoduthavanitham	2.1	0.03.0	0.08	
				2.2A	0.03.5	0.09	
				2.2B	0.04.0	0.10	
				3.1A	0.07.5	0.18	
				3.1B	0.13.0	0.32	
				3.1C	0.12.0	0.30	
				4.-	0.07.0	0.17	
Tamil Nadu	Nagai Quaid-e-Milleth	Kodavasal	89 Mela Thirumathi Kunnam	36.18	0.00.5	0.01	
				37.4A2	0.03.0	0.08	
				37.8B	0.03.0	0.08	
				37.9B	0.00.5	0.01	
				37.12	0.05.0	0.12	
				37.15	0.00.5	0.01	
				37.16	0.06.0	0.15	
				38.5A	0.08.0	0.20	
				38.5B	0.06.0	0.15	
				42.2	0.00.5	0.01	
				42.3	0.06.0	0.15	
				42.4	0.02.0	0.05	
				42.7B	0.08.5	0.21	
				43.3	0.00.5	0.01	
				43.4A	0.04.5	0.11	
				43.4B	0.02.0	0.05	
				44.5A	0.09.0	0.22	
				44.5B	0.02.5	0.06	
				60.1	0.06.0	0.15	
				60.2	0.19.5	0.49	
				67.4B	0.04.0	0.10	
				67.5	0.06.0	0.15	
				62.1	0.07.5	0.18	
				63.3	0.02.0	0.05	
				63.4	0.06.0	0.15	
Tamil Nadu	Nagai Quaid-E-Milleth	Kodavasal	90 Nalil Onnu	64.1	0.08.5	0.21	
				67.1	0.05.5	0.13	
				67.3	0.05.5	0.13	
				67.5B	0.07.5	0.18	
				67.5C	0.00.5	0.01	
				68.1	0.05.5	0.13	
				68.3A	0.00.5	0.01	

1	2	3	4	5	6	7	8
Tamil Nadu	Nagai Quid-E-Milleth	Kodavasal	90 Nalil Onru	68.8 69.2C 70.1 70.2 70.3 70.4 70.7 71.2 71.5B	0.01.0 0.00.5 0.07.0 0.03.0 0.06.0 0.01.0 0.07.0 0.09.0 0.09.0	0.02 0.01 0.17 0.08 0.15 0.02 0.17 0.22 0.22	
Tamil Nadu	Nagai Quaid-E-Milleth	Kodavasal	87 Athichola mangalam	119.1B 119.2 119.3A1 119.3A2 119.3A3 119.4A 119.5 119.6A 119.6B 127.1 127.2 127.4 127.5A 127.5B 127.6A 127.6B 127.6D 127.7A 127.7B 136.1 136.2 136.3 136.4 136.5 137.6	0.07.0 0.03.0 0.00.5 0.02.5 0.05.0 0.02.5 0.06.0 0.05.0 0.04.5 0.03.0 0.08.0 0.05.0 0.03.0 0.03.0 0.03.0 0.01.5 0.01.0 0.03.0 0.03.0 0.08.5 0.09.0 0.09.0 0.07.0 0.03.0 0.08.0	0.17 0.08 0.01 0.06 0.12 0.06 0.15 0.12 0.11 0.08 0.20 0.13 0.08 0.08 0.04 0.02 0.08 0.08 0.21 0.22 0.22 0.17 0.08 0.20	
Tamil Nadu	Nagai Quaid-E-Milleth	Kodavasal	86 Krishna Kottagam	151.1B2 151.2A2 151.2B2 151.2C	0.06.5 0.05.0 0.02.0 0.03.0	0.16 0.12 p.05 0.08	

[No. L-14016/12/96-GP]
ARDHENDU SEN, Director

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1997

का.अ. 509—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.अ. 3248 तारीख 14 नवम्बर, 1996 द्वारा विनाशापट्टनम से, पेट्रोलियम का परिवहन आन्ध्र प्रदेश राज्य में विजयवाड़ा को करने के लिए; हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 27 दिसम्बर, 1996 को उपलब्ध करा दी गयी थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह निश्चय कर लिया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए:

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

और आगे, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी विलगनों में मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

मंडल : टी. नरसापुरम

जिला : पश्चिम गोदावरी राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम	सर्वे न. सब डिवीजन	क्षेत्रफल			
		हेक्टेयर	आर	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
टेडलम	98/6	भाग	00	22.5	00 56
	98/13	भाग	00	09.0	00 22
	98/11	भाग	00	02.5	00 06
	98/12	भाग	00	06.0	00 15
	103	भाग	05	01.0	00 03
	100/12	भाग	00	11.0	00 27
	122/1बी	भाग	00	07.5	00 19
	122/1सी	भाग	00	01.0	00 03
कृष्णारीवपालेम	2	भाग	01	29.5	03 18
	10/10	भाग	00	11.5	00 29
	1/3	भाग	00	22.0	00 54

[फा. सं. आर-31015/14/95-प्रो. आर. II]

के.सी. कटोच, प्रवर सचिव

New Delhi, the 17th February, 1997

S.O. 509.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 3248 dated the 14th November, 1996 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines for transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 27th day of December 1996;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : T. Narasapuram

District : West Godavari

State : Andhra Pradesh

Name of Village

Survey No./
Sub Division

Area

			Hectare	Ares	Acres	Cents
1	2		3	4	5	6
Tedlam	98/6	Part	00	22.5	00	56
	98/13	Part	00	09.0	00	22
	98/11	Part	00	02.5	00	06
	98/12	Part	00	06.0	00	15

1	2	3	4	5	6	
Krishnaraopalem	103	Part	00	01.0	00	03
	100/12	Part	00	11.0	00	27
	122.1B	Part	00	07.5	00	19
	122/1C	Part	00	01.0	00	03
	2	Part	01	29.5	03	18
	10/1A	Part	00	11.5	00	29
	1/3	Part	00	22.0	00	54

[F. No. R-31015/14/95-OR II]
K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 फरवरी, 1997

का.आ. 510.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 3249 तारीख 14 नवम्बर, 1996 द्वारा विनाखापट्टनम से, पेट्रोलियम का परिवहन आन्ध्र प्रदेश राज्य में विजयवाड़ा को करने के लिए, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 28 दिसम्बर, 1996 को उपलब्ध करा दी गयी थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह विनिश्चय कर लिया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में पाइप लाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित करने की घोषणा करती है;

और आगे, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार, केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी विलगनों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

मण्डल : कोटवरट्ला

जिला : विनाखापट्टनम

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम	सर्वे नं. सब डिवीजन	क्षेत्रफल				
		हेक्टेयर	आर	एकड़	सेन्ट	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
जल्लूर सुकापुर	236/3	भाग	00	38.5	00	95
	230/1	भाग	00	13.5	00	33
	229	भाग	00	10.5	00	26
पामुलाबाका	240/2बी/1	भाग	00	55.5	01	37
	240/4	भाग	00	21.5	00	54
	242/7ए	भाग	00	23.0	00	56
	242/5	भाग	00	33.5	00	83

1	2	3	4	5	6
	210/1	भाग	00	01.0	00 02
	211/3	भाग	00	12.5	00 32
	211/4	भाग	00	11.0	00 27
	211/5	भाग	00	12.5	00 31
	212/1 ⁰	भाग	00	11.5	00 28
	212/2 ^{बी}	भाग	00	03.0	00 07
	230/1	भाग	00	04.5	00 11
	68/9	भाग	00	12.0	00 30
	68/10	भाग	00	11.0	00 27
	68/11	भाग	00	10.5	00 26
	69/4	भाग	00	07.0	00 17
	69/3	भाग	00	09.5	00 24
	69/5	भाग	00	08.5	00 21
	65/2	भाग	00	28.5	00 71
वापराज कोलपट्टि	339/2 ^{सी}	भाग	00	07.0	00 17
	377/1	भाग	00	38.0	00 94
	382/1	भाग	00	01.0	00 03
	383/1	भाग	00	00.5	00 01
	395/1 & 2	भाग	00	53.5	01 32

[फा. सं. आर-31015/13/95-ओआर-II]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 17th February, 1997

S.O. 510.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 3249 dated the 14th November, 1996 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines for transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 28th day of December, 1996;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines:

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Kotauratla

State : Andhra Pradesh

District : Visakhapatnam

Name of Village	Survey No./ Sub Division	Area			
		Hectare	Ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
Jalluru	236/3	Part	00	38.5	00 95
Sunkapur	230/1	Part	00	13.5	00 33
	229	Part	00	10.5	00 26
Pamulavaka	240/2C 1	Part	00	55.5	01 37
	240/4	Part	00	21.5	00 54

1	2	3	4	5	6	
	242/7A	Part	00	23.0	00	56
	242/5	Part	00	33.5	00	83
	210/1	Part	00	01.0	00	02
	211/3	Part	00	12.5	00	32
	211/4	Part	00	11.0	00	27
	211/5	Part	00	12.5	00	31
	212/1A	Part	00	11.5	00	28
	212/2B	Part	00	03.0	00	07
	230/1	Part	00	04.5	00	11
	68/9	Part	00	12.0	00	30
	68/10	Part	00	11.0	00	27
	68/11	Part	00	10.5	00	26
	69/4	Part	00	07.0	00	17
	69/3	Part	00	09.5	00	24
	69/5	Part	00	08.5	00	21
	65/2	Part	00	28.5	00	71
Bapirajukotapalli	339/2C	Part	00	07.0	00	17
	377/1	Part	00	38.0	00	94
	382/1	Part	00	01.0	00	03
	383/1	Part	00	00.5	00	01
	395/1 & 2	Part	00	53.5	01	32

[F. No. R-31015/13/95-OR II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1997

का.आ. 511.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 3251 तारीख 14 नवम्बर, 1996 द्वारा पेट्रोलियम का परिवहन आंध्र प्रदेश राज्य में विशाखापट्टनम से विजयवाड़ा को करने के लिए, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन विछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 29 दिसम्बर, 1996 को उपलब्ध करा दी गयी थीं ;

और समक्ष प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह विनिश्चय कर लिया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में पाइप लाइन विछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाता है ;

और आगे, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग का अधिकार इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी विलक्षणताओं से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा ।

अनुसूची

मण्डल : कोयलगुडम

जिला : पश्चिम गोदावरी

राज्य : आंध्र प्रदेश

ग्राम	सर्वे नं. सब-डिविजन	क्षेत्रफल			
		हेक्टेयर	आर	एकड़	सेण्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
चोप्परामन्नगुडम	114	भाग	00	17.0	00 42
	85/3	भाग	00	31.0	00 77
पोंगुतुरु	30/3	भाग	00	00.5	00 01
एडुवाडलपलेम	58/4	भाग	00	12.0	00 30
	58/5	भाग	00	15.0	00 37
	19/2	भाग	00	01.5	00 04
	76/1	भाग	00	01.0	00 02

[पं. सं. आर-31015/17/95-ओ आर II]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 18th February, 1997

S.O. 511.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 3251 dated the 14th November, 1996 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines for transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 29th day of December, 1996;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Koyyalagudem

State : Andhra Pradesh

District : West Godavari

Name of Village	Survey No./ Sub Division	Area			
		Hectare	Ares	Acres	Cents
1	2	3	4	5	6
Chopparamannagudem	114	Part	00	17.0	00 42
	85/3	Part	00	31.0	00
Ponguturu	30/3	Part	00	00.5	00 01
Eduvadalapalem	58/4	Part	00	12.0	00 30
	58/5	Part	00	15.0	00 37
	19/2	Part	00	01.5	00 04
	76/1	Part	00	01.0	00 02

[F. No. R-31015/17/95-OR II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1997

कां०आ० 512.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2661 तारीख 23 अगस्त, 1996 द्वारा पेट्रोलियम का परिवहन आन्ध्र प्रदेश राज्य में विशाखापट्टनम से विजयवाड़ा को करने के लिए, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी:

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 9 दिसम्बर, 1996 को उपलब्ध करा दी गयी थी

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है :

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह निश्चय कर लिया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए:

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में पाइप लाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाता है:

और आगे, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी खिलंगमों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

मण्डल : मलवरम्

जिला : कृष्णा

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम	सर्वे तं./ सब डिवीजन	क्षेत्रफल			
		हैक्टेयर	आर	एकड़	सेण्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
पुलुरु	175/1 भाग	00	05.0	00	12
	175/2 भाग	00	13.5	00	33
	176/1 भाग	00	03.0	00	08
	176/2 भाग	00	13.5	00	33
	177/1 भाग	00	10.0	00	25
	170/2 भाग	00	00.5	00	01
	169/1 भाग	00	00.5	00	01
	178 भाग	00	41.5	01	03
	180 भाग	00	28.5	00	71
	198 भाग	00	39.5	00	97
	197/1 भाग	00	18.5	00	46
	197/2 भाग	00	19.0	00	47
	193/1 भाग	00	07.0	00	17
	364/2 भाग	00	20.5	00	51
	364/3 भाग	00	08.0	00	20

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
पुलुरु (सैन्य)	360/2 ए	भाग	00	01.0	00	03	
	362/1	भाग	00	46.5	01	15	
	391/1	भाग	00	16.5	00		
	391/5	भाग	00	09.5	00	23	
	391/3	भाग	00	16.0	00		
	428/2	भाग	00	11.5	00	29	
	428/3	भाग	00	00.5	00	01	
	428/4	भाग	00	25.0	00	62	
	428/7	भाग	00	14.0	00	34	
	428/14	भाग	00	00.5	00	01	
	427/6	भाग	00	31.0	00	76	
	424/1	भाग	00	31.5	00	78	
	425/2	भाग	00	13.0	00	32	
	425/4	भाग	00	08.5	00	21	
	872/9	भाग	00	23.5	00	58	
	871/1	भाग	00	21.5	00	53	
	871/3	भाग	00	11.0	00	27	
	870/2ए	भाग	00	29.0	00	72	
	870/2बी	भाग	00	01.5	00	04	
	845/2	भाग	00	22.5	00	56	
	845/3	भाग	00	07.5	00	18	
	845/4ए	भाग	00	17.0	00	42	
	835	भाग	00	04.0	00	10	
	836/2ए	भाग	00	21.5	00	53	
	चन्द्रगुडेम	314/1ए	भाग	00	05.5	00	14
		314/1सी	भाग	00	20.5	00	51
		314/2	भाग	00	03.0	00	08
		313/1सी	भाग	00	01.0	00	02
		313/2	भाग	00	23.0	00	67
		312/4	भाग	00	21.5	00	53
312/6		भाग	00	18.5	00	48	
317/2		भाग	00	16.5	00	41	
318/1		भाग	00	01.5	00	04	
405		भाग	00	02.5	00	06	
406/2		भाग	00	22.5	00	56	
407/3		भाग	00	22.0	00	54	
408/1		भाग	00	02.0	00	05	
409/2बी		भाग	00	26.0	00	62	
502/1		भाग	00	14.0	00	34	
503		भाग	00	51.5	01	27	
505/1		भाग	00	26.5	00	66	
505/2		भाग	00	10.5	00	26	
505/3		भाग	00	10.5	00	26	
506		भाग	00	18.0	00	45	
जंगलपल्ली		6/ए	भाग	00	23.5	00	58
		7/बी	भाग	00	03.0	00	08

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
जंगलपल्ली (संतत)	7/डी	भाग	00	12. 0	00	30
	10	भाग	00	63. 0	01	56
	16	भाग	00	61. 0	01	51
	17 ¹ /2	भाग	00	01. 5	00	04
	23 ¹ /1ए	भाग	00	51. 0	01	26
	30 ¹ /1	भाग	00	07. 0	00	17
	30 ¹ /2	भाग	00	02. 0	00	05
	30 ¹ /9	भाग	00	23. 0	00	57
	30 ¹ /11	भाग	00	03. 0	00	07
	31	भाग	00	04. 5	00	11
	84 ¹ /1	भाग	00	51. 5	01	27
	83 ¹ /1	भाग	00	11. 5	00	29
	84/4	भाग	00	04. 0	00	10
	80/1	भाग	00	04. 5	00	11
	80/7	भाग	00	09. 5	00	23
	80/8	भाग	00	02. 0	00	05
	80/9	भाग	00	05. 0	00	12
	79/1	भाग	00	03. 0	00	07
	79/2	भाग	00	01. 0	00	03
	79/3	भाग	00	19. 0	00	47
	77/2	भाग	00	14. 0	00	31
	75/1	भाग	00	10. 0	00	24
	75/3	भाग	00	11. 5	00	28
	75/4	भाग	00	18. 0	00	45
	76/8	भाग	00	01. 0	00	02
	68/2	भाग	00	14. 0	00	34
	68/3	भाग	00	11. 5	00	29
	68/4	भाग	00	00. 5	00	01
	105/1	भाग	00	07. 5	00	18
	105/2	भाग	00	06. 5	00	16
	105/3	भाग	00	18. 0	00	44
	106	भाग	00	07. 5	00	19
	110/1	भाग	00	00. 5	00	01
	117/1	भाग	00	20. 0	00	50
	117/2	भाग	00	03. 5	00	09
	118/बी	भाग	00	15. 5	00	38
	122/1	भाग	00	32. 0	00	79
	122/2	भाग	00	24. 5	00	59
	123/1	भाग	00	02. 0	00	05
संजीपाडू मेलवरम	11	भाग	00	06. 5	00	16
	40	भाग	00	22. 5	00	55
	44	भाग	00	34. 5	00	85
	45	भाग	00	18. 0	00	44
	8/4बी	भाग	00	03. 0	00	08
	9/1	भाग	00	18. 0	00	44

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
मंजीपाट्टू मैलवर्म (संतन)	9/2	भाग	00	11.0	00	27
	22/1 बी	भाग	00	13.5	00	33
	22/2 ए	भाग	00	19.5	00	48
	22/2 बी	भाग	00	04.5	00	11
	21/2	भाग	00	05.0	00	12
	21/3	भाग	00	18.0	00	45
	20/2	भाग	00	02.0	00	05
	20/1	भाग	00	01.0	00	02
	13/3	भाग	00	43.5	01	08
	19/2	भाग	00	44.0	01	09
	113/1 ए 12	भाग	00	31.5	00	78
	113/1 ए 11	भाग	00	12.0	00	30
	113/1 ए 13	भाग	00	03.0	00	08
	113/1 ए 9	भाग	00	12.5	00	3
	113/1 ए 15	भाग	00	13.0	00	3
	113/1 ए 16	भाग	00	07.5	00	18
	113/2 ए	भाग	00	09.5	00	24
	223/2 सी 2	भाग	00	34.0	00	84
	223/4	भाग	00	17.5	00	43
	232/1	भाग	00	24.0	00	59
	240/2	भाग	00	02.5	00	06
	240/3	भाग	00	19.0	00	47
	240/4	भाग	00	07.5	00	18
	240/5	भाग	00	00.5	00	01
	252/3	भाग	00	05.0	00	12
	252/2	भाग	00	05.5	00	14
	252/1	भाग	00	14.5	00	36
	252/4	भाग	00	13.0	00	32
	239/6	भाग	00	01.0	00	03
	253/1	भाग	00	06.0	00	15
	253/2	भाग	00	34.0	00	84
	256/1 ए	भाग	00	03.0	00	08
	279/2	भाग	00	11.0	00	27
	278/3 सी	भाग	00	02.0	00	05
	258/4 ए 1	भाग	00	03.5	00	09
	258/4 सी	भाग	00	25.5	00	63
	258/2	भाग	00	32.0	00	79
	259	भाग	00	19.5	00	48
	276/1	भाग	00	01.0	00	02
	276/2	भाग	00	16.0	00	39
	274/1	भाग	00	00.5	00	01
	274/2	भाग	00	20.0	00	50
	381	भाग	00	07.0	00	17
	382	भाग	00	15.0	00	37
	379/3	भाग	00	01.5	00	04
	385/1 सी	भाग	00	14.0	00	34

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
मैलवरम (संतत)	385/3	भाग	00	31.0	00	77
	385/2	भाग	00	00.5	00	01
	386	भाग	00	01.0	00	03
	374/2	भाग	00	21.0	00	52
	374/3	भाग	00	28.0	00	69
	372/2ए	भाग	00	16.5	00	41
	369/1	भाग	00	05.5	00	13
	369/2	भाग	00	35.5	00	88
	369/3	भाग	00	00.5	00	01
	369/7	भाग	00	00.5	00	01
	355/2	भाग	00	07.0	00	17
	357	भाग	00	11.5	00	29
	361	भाग	00	17.0	00	42

[फा.सं. आर-31015/5/96-ओ आर II]

के.सी. कटोच, प्रवर सचिव

New Delhi, the 18th February, 1997

S.O. 512.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 2661 dated the 23rd August, 1996 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines for transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 9th day of December, 1996;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Mylavaram

District : Krishna

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub Division		Area			
			Hectare	Ares	Acres	Cents
1	2		3	4	5	6
Pulluru	175/1	Part	00	05.0	00	12
	175/2	Part	00	13.5	00	33
	176/1	Part	00	03.0	00	08
	176/2	Part	00	13.5	00	33
	177/1	Part	00	10.0	00	25
	170/2	Part	00	00.5	00	01
	169/1	Part	00	00.5	00	01
	178	Part	00	41.5	01	03
	180	Part	00	28.5	00	71

I	2	3	4	5	6	
Palluru (Contd.)	198	Part	00	39.5	00	97
	197/1	Part	00	18.5	00	46
	197/2	Part	00	19.0	00	47
	193/1	Part	00	07.0	00	17
	364/2B	Part	00	20.5	00	51
	364/3	Part	00	08.0	00	20
	360/2A	Part	00	01.0	00	03
	362/1	Part	00	46.5	01	15
	391/1	Part	00	16.5	00	41
	391/5	Part	00	09.5	00	23
	391/3	Part	00	16.0	00	40
	428/2	Part	00	11.5	00	29
	428/3	Part	00	00.5	00	01
	428/4	Part	00	25.0	00	62
	428/7	Part	00	14.0	00	34
	428/14	Part	00	00.5	00	01
	427/6	Part	00	31.0	00	76
	424/1	Part	00	31.5	00	78
	425/2	Part	00	13.0	00	32
	425/4	Part	00	08.5	00	21
	872/9	Part	00	23.5	00	58
	871/1	Part	00	21.5	00	53
	871/3	Part	00	11.0	00	27
	870/2A	Part	00	29.0	00	72
	870/2B	Part	00	01.5	00	04
	845/2	Part	00	22.5	00	56
	845/3	Part	00	07.5	00	18
	845/4A	Part	00	17.0	00	42
	835	Part	00	04.0	00	10
	836/2A	Part	00	21.5	00	53
Chandragudem	314/1A	Part	00	05.5	00	14
	314/1C	Part	00	20.5	00	5
	314/2	Part	00	03.0	00	08
	313/1C	Part	00	01.0	00	
	313/2	Part	00	23.0	00	67
	312/4	Part	00	21.5	00	53
	312/6	Part	00	18.5	00	46
	317/2	Part	00	16.5	00	41
	318/1	Part	00	01.5	00	04
	405	Part	00	02.5	00	06
	406/2	Part	00	22.5	00	56
	407/3	Part	00	22.0	00	54
	408/1	Part	00	02.0	00	05
	409/2B	Part	00	26.0	00	62
	502/1	Part	00	14.0	00	34
	503	Part	00	51.5	01	27
	505/1	Part	00	26.5	00	66
	505/2	Part	00	10.5	00	26
	505/3	Part	00	10.5	00	26
	506	Part	00	18.0	00	45
Janagalapalli	6/A	Part	00	23.5	00	58
	7/B	Part	00	03.0	00	08
	7/D	Part	00	12.0	00	30

1	2	3	4	5	6	
Janagalapalli (Contd.)	10	Part	00	63.0	01	56
	16	Part	00	61.0	01	51
	17/2	Part	00	01.5	00	04
	23/1A	Part	00	51.0	01	26
	30/1	Part	00	07.0	00	17
	30/2	Part	00	02.0	00	05
	30/9	Part	00	23.0	00	57
	30/11	Part	00	03.0	00	07
	31	Part	00	04.5	00	11
	84/1	Part	00	51.5	01	27
	83/1	Part	00	11.5	00	29
	83/4	Part	00	04.0	00	10
	80/1	Part	00	04.5	00	11
	80/7	Part	00	09.5	00	23
	80/8	Part	00	02.0	00	05
	80/9	Part	00	05.0	00	12
	79/1	Part	00	03.0	00	07
	79/2	Part	00	01.0	00	03
	79/3	Part	00	19.0	00	47
	77/2	Part	00	14.0	00	34
	75/1	Part	00	10.0	00	24
	75/3	Part	00	11.5	00	28
	75/4	Part	00	18.0	00	45
	76/8	Part	00	01.0	00	02
	68/2	Part	00	14.0	00	34
	68/3	Part	00	11.5	00	29
	68/4	Part	00	00.5	00	01
	105/1	Part	00	07.5	00	18
	105/2	Part	00	06.5	00	16
	105/3	Part	00	18.0	00	44
	106	Part	00	07.5	00	19
	110/1	Part	00	00.5	00	01
	117/1	Part	00	20.0	00	50
	117/2	Part	00	03.5	00	09
	118/B	Part	00	15.5	00	38
	122/1	Part	00	32.0	00	79
	122/2	Part	00	24.5	00	59
	123/1	Part	00	02.0	00	05
Sabjipadu Mylavaram	11	Part	00	06.5	00	16
	40	Part	00	22.5	00	55
	44	Part	00	34.5	00	85
	45	Part	00	18.0	00	44
	8/4B	Part	00	03.0	00	08
	9/1	Part	00	18.0	00	44
	9/2	Part	00	11.0	00	27
	22/1B	Part	00	13.5	00	33
	22/2A	Part	00	19.5	00	48
	22/2B	Part	00	04.5	00	11
	21/2	Part	00	05.0	00	12
	21/3	Part	00	18.0	00	45
	20/2	Part	00	02.0	00	05
	20/1	Part	00	01.0	00	02
	13/3	Part	00	43.5	01	08

1	2	3	4	5	6
Mylavaram (Contd.)	19/2	Part	00	44.0	01 09
	113/1A12	Part	00	31.5	00 78
	113/1A11	Part	00	12.0	00 30
	113/1A13	Part	00	03.0	00 08
	113/1A9	Part	00	12.5	00 31
	113/1A15	Part	00	13.0	00 32
	113/1A16	Part	00	07.5	00 18
	113/2A	Part	00	09.5	00 24
	223/2C2	Part	00	34.0	00 84
	223/4	Part	00	17.5	00 43
	232/1	Part	00	24.0	00 59
	240/2	Part	00	02.5	00 06
	240/3	Part	00	19.0	00 47
	240/4	Part	00	07.5	00 18
	240/5	Part	00	00.5	00 01
	252/3	Part	00	05.0	00 12
	252/2	Part	00	05.5	00 14
	252/1	Part	00	14.5	00 36
	252/4	Part	00	13.0	00 32
	239/6	Part	00	01.0	00 03
	253/1	Part	00	06.0	00 15
	253/2	Part	00	34.0	00 84
	256/1A	Part	00	03.0	00 08
	279/2	Part	00	11.0	00 27
	278/3C	Part	00	02.0	00 05
	258/4A	Part	00	03.5	00 09
	258/4C	Part	00	25.5	00 63
	258/2	Part	00	32.0	00 79
	259	Part	00	19.5	00 48
	276/1	Part	00	01.0	00 02
	276/2	Part	00	16.0	00 39
	274/1	Part	00	00.5	00 01
	274/2	Part	00	20.0	00 50
	381	Part	00	07.0	00 17
	382	Part	00	15.0	00 37
	379/3	Part	00	01.5	00 04
	385/1C	Part	00	14.0	00 34
	385/3	Part	00	31.0	00 77
	385/2	Part	00	00.5	00 01
	386	Part	00	01.0	00 03
	374/2	Part	00	21.0	00 52
	374/3	Part	00	28.0	00 69
	372/2A	Part	00	16.5	00 41
	369/1	Part	00	05.5	00 13
	369/2	Part	00	35.5	00 88
	369/3	Part	00	00.5	00 01
	369/7	Part	00	00.5	00 01
	355/2	Part	00	07.0	00 17
	357	Part	00	11.5	00 29
	364	Part	00	17.0	00 42

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1997

का.आ. 513.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 3242 तारीख 13 नवम्बर, 1996 द्वारा पेट्रोलियम का परिवहन आन्ध्र प्रदेश राज्य में विशाखापट्टनम से विजयवाड़ा को करने के लिए, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आग्रह की घोषणा की थी।

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 28 दिसम्बर, 1996 को उपलब्ध करा दी गयी थीं।

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्टें दे दी हैं;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह विनिश्चय कर लिया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में पाइप लाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाता है;

और आगे, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने के बजाय सभी विल्लंगमों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

मंडल : माकवरपालेम

जिला : विशाखापट्टनम

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम	सर्वे नं./सब डिविजन		क्षेत्रफल			
			हेक्टेयर	आर	एकड़	सेन्ट
1	2	3	4	5	6	
वैक्कन्नापालेम्	73/1	भाग	00	06.0	00	14
	81/4	भाग	00	07.5	00	18
	81/5	भाग	00	22.5	00	55
	37	भाग	00	03.0	00	07
गोद्विडपालेम्	54/12	भाग	00	02.5	00	06
	54/14	भाग	00	04.0	00	10
	16/4	भाग	00	02.5	00	06
	16/9	भाग	00	06.0	00	15
	28/2	भाग	00	02.0	00	05
	28/11	भाग	00	02.0	00	05
	25/1	भाग	00	07.0	00	17
	25/3	भाग	00	05.5	00	13
	81	भाग	00	31.0	00	77
	79/1	भाग	00	14.0	00	35
	79/2	भाग	00	12.5	00	31
	87/1	भाग	00	34.5	00	86
	88	भाग	00	07.0	00	17
	75/7	भाग	00	04.0	00	10
	75/11	भाग	00	01.5	00	04
	75/12	भाग	00	14.0	00	35

1	2	3	4	5	6	
शेटिटपालेम (सतत)	75/13	भाग	00	00.5	00	01
	71/1	भाग	00	04.5	00	11
	71/2	भाग	00	07.0	00	17
	71/3	भाग	00	00.5	00	01
	71/7	भाग	00	00.5	00	01
	70/6	भाग	00	00.5	00	01
	70/22	भाग	00	00.5	00	01
	70/23	भाग	00	02.5	00	07
	70/24	भाग	00	00.5	00	01
	70/26	भाग	00	03.0	00	07
	70/27	भाग	00	01.5	00	04
	70/28	भाग	00	01.0	00	02
	70/29	भाग	00	02.5	00	06
	69/3	भाग	00	08.0	00	20
	69/10	भाग	00	08.5	00	22
	69/11	भाग	00	04.0	00	10
	69/12	भाग	00	02.0	00	05
	69/13	भाग	00	05.0	00	12
	55/1	भाग	00	12.0	00	30
	55/3	भाग	00	03.0	00	07
	55/4	भाग	00	07.0	00	17
	55/10	भाग	00	00.5	00	01
	54/8	भाग	00	07.0	00	17
	54/9	भाग	00	00.5	00	01
	54/10	भाग	00	04.0	00	10
	54/11	भाग	00	04.5	00	11
	54/15	भाग	00	01.5	00	04
	54/16	भाग	00	02.5	00	06
	54/18ए	भाग	00	01.0	00	02
भीमबोइनापालेम	29/7	भाग	00	03.0	00	08
	136/4	भाग	00	10.0	00	25
	139/13	भाग	00	03.0	00	07
	139/14	भाग	00	03.0	00	07
	139/15	भाग	00	06.0	00	15
	139/16	भाग	00	02.0	00	04
	139/17	भाग	00	01.5	00	04
	139/20	भाग	00	03.5	00	09
तामरम्	77	भाग	00	03.0	00	08
	101/7	भाग	00	03.0	00	07
	101/12	भाग	00	04.0	00	10
	101/14	भाग	00	03.0	00	07
	200/17	भाग	00	03.0	00	07
	212/27	भाग	00	03.0	00	07
	212/28	भाग	00	13.5	00	33
	263/9	भाग	00	04.0	00	09
	261/8	भाग	00	07.0	00	17

1	2	3	4	5	6
तामरम् (संतत)	242/4	भाग	00	05.5	00 13
	265/1	भाग	00	01.0	00 02
बयुयावरम्	186/1	भाग	00	10.0	00 26
गिडुतुरु	147/3	भाग	00	21.0	00 52
	142	भाग	00	19.5	00 48
	125/19	भाग	00	02.5	00 06
	102/3	भाग	00	23.5	00 60
	129/4	भाग	00	01.0	00 02

[फा सं. आर-31015/12/95-ओ आर II भाग]
के. सी. कटोच., प्रवर सचिव

New Delhi, the 18th February, 1997

S.O. 513.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 3242 dated the 13th November, 1996 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines for transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 28th day of December, 1996;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal ; Makavarapalem

District ; Visakhapatnam

State ; Andhra Pradesh

Name of Village (1)	Survey No./Sub Division (2)	Area			
		Hectare (3)	Ares (4)	Acres (5)	Cents (6)
Venkannapalem	73/1	Part	00	06.0	00 14
	81/4	Part	00	07.5	00 18
	81/5	Part	00	22.5	00 55
	37	Part	00	03.0	00 07
Settipalem	54/12	Part	00	02.5	00 06
	54/14	Part	00	04.0	00 10
	16/4	Part	00	02.5	00 06
	16/9	Part	00	06.0	00 15
	28/2	Part	00	02.0	00 05
	28/11	Part	00	02.0	00 05
	25/1	Part	00	07.0	00 17
	25/3	Part	00	05.5	00 13
	81	Part	00	31.0	00 77

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Settipalem (Contd.)	79/1	Part	00	14.0	00 35
	79/2	Part	00	12.5	00 31
	87/1	Part	00	34.5	00 86
	88	Part	00	07.0	00 17
	75/7	Part	00	04.0	00 10
	75/11	Part	00	01.5	00 04
	75/12	Part	00	14.0	00 35
	75/13	Part	00	00.5	00 01
	71/1	Part	00	04.5	00 11
	71/2	Part	00	07.0	00 17
	71/3	Part	00	00.5	00 01
	71/7	Part	00	00.5	00 01
	70/6	Part	00	00.5	00 01
	70/22	Part	00	00.5	00 01
	70/23	Part	00	02.5	00 07
	70/24	Part	00	00.5	00 01
	70/26	Part	00	03.0	00 07
	70/27	Part	00	01.5	00 04
	70/28	Part	00	01.0	00 02
	70/29	Part	00	02.5	00 06
	69/3	Part	00	08.0	00 20
	69/10	Part	00	08.5	00 22
	69/11	Part	00	04.0	00 10
	69/12	Part	00	02.0	00 05
	69/13	Part	00	05.0	00 12
	55/1	Part	00	12.0	00 30
	55/3	Part	00	03.0	00 07
	55/4	Part	00	07.0	00 17
	55/10	Part	00	00.5	00 01
	54/8	Part	00	07.0	00 17
	54/9	Part	00	00.5	00 01
	54/10	Part	00	04.0	00 10
	54/11	Part	00	04.5	00 11
	54/15	Part	00	01.5	00 04
	54/16	Part	00	02.5	00 06
	54/18A	Part	00	01.0	00 02
Bheemaboyinapalem	29/7	Part	00	03.0	00 08
	136/4	Part	00	10.0	00 25
	139/13	Part	00	03.0	00 07
	139/14	Part	00	03.0	00 07
	139/15	Part	00	06.0	00 15
	139/16	Part	00	02.0	00 04
	139/17	Part	00	01.5	00 04
	139/20	Part	00	03.5	00 09
Tamaram	77	Part	00	03.0	00 08
	101/7	Part	00	03.0	00 07
	101/12	Part	00	04.0	00 10
	101/14	Part	00	03.0	00 07
	200/17	Part	00	03.0	00 07
	212/27	Part	00	03.0	00 07
	212/28	Part	00	13.5	00 33
	263/9	Part	00	04.0	00 09
	261/8	Part	00	07.0	00 17
	242/4	Part	00	05.5	00 13
	265/1	Part	00	01.0	00 02

1	2	3	4	5	6	
Bayyavaram	186/1	Part	00	10.0	00	26
Giduthuru	147/3	Part	00	21.0	00	52
	142	Part	00	19.5	00	48
	125/19	Part	00	02.5	00	06
	102/3	Part	00	23.5	00	60
	129/4	Part	00	01.0	00	02

[F.No. R-31015/12/95-ORII Part]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1997

का.आ. 514.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 3250 तारीख 14 नवम्बर, 1996 द्वारा पेट्रोलियम का परिवहन आंध्र प्रदेश में विशाखा-पट्टनम से विजयवाड़ा को करने के लिए, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और उक्त राजस्व अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 28 दिसम्बर, 1996 को उपलब्ध करा दी गयी थी ;

और समक्ष प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह निर्णय कर लिया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में पाइप लाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाता है ;

और आगे, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी विलगावों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

मंडल :

जिला : विशाखापत्तनम

नातावरम

राज्य : आंध्र प्रदेश

ग्राम	सर्वे नं./ सबडिविजन		क्षेत्रफल			
			हेक्टेयर	घर	एकड़	सेन्ट
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
चेरलोनालेम्	250/11	भाग	00	05.0	00	12
	280	भाग	00	02.5	00	06
	270/9	भाग	00	16.0	00	40
	222/1	भाग	00	00.5	00	01
जल्लेडुपुडि	58/5पी	भाग	00	19.0	00	47
	63	भाग	00	15.0	00	37
	63/1	भाग	00	16.0	00	40
	64	भाग	00	14.0	00	34

1	2	3	4	5	6	
मल्लुभुपालपट्टनम	7/2	भाग	00	24. 5	00	61
	335/2A	भाग	00	13. 0	00	32
	362	भाग	00	01. 5	00	04
अनंतपद्मनापुरम्	176	भाग	00	02. 5	00	06
श्रृंगवरम्	83/2	भाग	00	06. 5	00	16
पि. कोत्तगूडेम्	116	भाग	00	10. 0	00	24
	117	भाग	00	09. 0	00	22

[पं. सं. आर-31015/19/95-ओ.आर II]

के. सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 18th February, 1997

S.O. 514.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 3250 dated the 14th November, 1996 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines for transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 28th day of December, 1996;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal ; Nathavaram District ; Visakhapatnam
State ; Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./Sub Division		Area			
			Hectare	Ares	Acres	Cents
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
Cherlopalem	250/11	Part	00	05.0	00	12
	280	Part	00	02.5	00	06
	270/9	Part	00	16.0	00	40
	222/1	Part	00	00.5	00	01
Jalledupudi	58/5C	Part	00	19.0	00	47
	63	Part	00	15.0	00	37
	63/1	Part	00	16.0	00	40
	64	Part	00	14.0	00	34
Mallubhupaiapatnam	712	Part	00	24.5	00	61
	335/2A	Part	00	13.0	00	32
	362	Part	00	01.5	00	04
Anantapadmanabhapuram	176	Part	00	02.5	00	06
Srungavaram	83/2	Part	00	06.5	00	16
P. Kothagudem	116	Part	00	10.0	00	24
	117	Part	00	09.0	00	22

[F.No. R-31015/19/95-ORII]
K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1997

का.आ. 515.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2663 तारीख 23 अगस्त, 1996 द्वारा पेट्रोलियम का परिवहन आन्ध्र प्रदेश राज्य में विशाखा-पट्टनम से विजयवाड़ा को करने के लिए, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 27 नवम्बर, 1996 को उपलब्ध करा दी गयी थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह विनिश्चय कर लिया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में पाइप लाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाता है ;

और आगे केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी वित्तलंगनों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

मण्डल : कोरुकोण्डा

जिला : पूर्व गोदावरी

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम	सर्वे नं. / सब् डिक्लोजन	क्षेत्रफल				
		हेक्टेयर	आर	एकड़	सेट	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
कानपूर	414/2	भाग	00	67.0	01	66
	412	भाग	00	16.0	00	40
	382/1	भाग	00	06.0	00	15
	382/2	भाग	00	10.0	00	25
	382/3	भाग	00	14.5	00	36
	382/4	भाग	00	13.5	00	33
	381/2	भाग	00	02.5	00	06
	385	भाग	00	25.0	00	62
	386/1	भाग	00	09.0	00	22
	386/2	भाग	00	11.5	00	29
	387	भाग	00	20.5	00	51
	369/1	भाग	00	07.5	00	18
	369/2	भाग	00	26.0	00	64
	368	भाग	00	07.0	00	17
	370/1	भाग	00	06.5	00	16
	370/2ए	भाग	00	32.5	00	80

1	2	3	4	5	6
कानपुर	370/2बी भाग	00	45.5	01	12
	374/1ए भाग	00	18.0	00	44
	374/1बी भाग	00	00.5	00	01
	374/1सी भाग	00	10.5	00	26
	374/1डी भाग	00	00.5	00	01
	291/2 भाग	00	00.5	00	01
	291/6 भाग	00	12.0	00	30
	295/1 भाग	00	48.5	01	20
	295/2 भाग	00	35.0	00	87
	293 भाग	00	31.0	00	77
	276/1 भाग	00	14.5	00	36
	276/2 भाग	00	18.5	00	46
	252/3 भाग	00	01.0	00	02
	252/4 भाग	00	23.5	00	58
	252/5 भाग	00	20.0	00	50
	269 भाग	00	06.5	00	16
	253 भाग	00	28.5	00	70
	255/1 भाग	00	05.0	00	12
	254 भाग	00	11.5	00	28
	242 भाग	00	19.5	00	48
	241/1 भाग	00	00.5	00	01
	241/2 भाग	00	12.0	00	30
	240 भाग	00	04.0	00	10
	63 भाग	00	46.0	01	15
	70/1 भाग	00	01.0	00	03
	70/2 भाग	00	35.0	00	86
	71/2 भाग	00	08.0	00	20
	69/1 भाग	00	06.0	00	15
	69/2 भाग	00	11.5	00	28
	46/1ए 3 भाग	00	03.0	00	07
	46/1ए 4 भाग	00	04.0	00	10
	46/1बी भाग	00	80.5	01	99
राय बपुरम्	122/1 भाग	00	19.5	00	48
	122/2 भाग	00	26.5	00	66
	122/3 भाग	00	05.5	00	13
	121/1 भाग	00	31.0	00	77
	121/3 भाग	00	20.0	00	50
	13 भाग	00	03.0	00	08
	10 भाग	00	24.0	00	59
	8/1 भाग	00	30.0	00	74
	7/1ए टू 1वी भाग	00	58.5	01	44
बोलेदुपालेम	308/6 भाग	00	18.0	00	45
	307/1 भाग	00	11.5	00	28
	307/4 भाग	00	07.5	00	19
	306/7 भाग	00	34.0	00	84

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बोल्लेदुलपालेम (संतत)	305/1	भाग	00	06.5	00 16
	305/2	भाग	00	16.0	00 39
	304	भाग	00	04.0	00 10
	302/4	भाग	00	18.0	00 44
	300/4	भाग	00	07.5	00 18
	300/3	भाग	00	01.0	00 02
	299/1	भाग	00	18.5	00 46
	299/2ए	भाग	00	02.0	00 05
	298/1	भाग	00	02.0	00 05
	298/2बी	भाग	00	09.5	00 23
	297	भाग	00	33.0	00 82
	296/1	भाग	00	01.5	00 04
	296/2	भाग	00	07.5	00 18
केशववरम	186/1	भाग	00	16.5	00 41
	184/1ए	भाग	00	01.0	00 02
	184/1बी	भाग	00	10.5	00 26
	184/1सी	भाग	00	19.5	00 48
	184/2ए	भाग	00	03.0	00 08
	181/1बी	भाग	00	09.5	00 24
	181/2बी	भाग	00	24.5	00 60
	3/2	भाग	00	00.5	00 01
	3/3	भाग	00	16.0	00 40
	5	भाग	00	33.0	00 82
	6	भाग	00	10.5	00 26
	10/1	भाग	00	11.5	00 29
	10/2	भाग	00	11.0	00 27
	10/3ए	भाग	00	04.5	00 11
	10/3बी	भाग	00	08.5	00 21
	10/4	भाग	00	09.0	00 22
	14	भाग	00	31.0	00 76
	18/2	भाग	00	08.0	00 20
	18/1	भाग	00	11.5	00 29
	20/2	भाग	00	23.0	00 57
	20/1	भाग	00	00.5	00 01
	22/1ए	भाग	00	02.0	00 05
	22/1बी	भाग	00	17.0	00 42
	23/2	भाग	00	29.5	00 73

[फा. सं. आर-31015/11/96 श्री आर II]

के.सी. कटोच, अधर सचिव

New Delhi, the 18th February, 1997

S.O. 515.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 2663 dated the 23rd August, 1996 issued under sub-section (1) of Section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines for transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 27th day of November, 1996;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of Section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to the notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Korukonda

District : East Godavari

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./Sub Division		Area			
			Hectare	Ares	Acres	Cents
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
Kanpuru	414/2	Part	00	67.0	01	66
	412	Part	00	16.0	00	40
	382/1	Part	00	06.0	00	15
	382/2	Part	00	10.0	00	25
	382/3	Part	00	14.5	00	36
	382/4	Part	00	13.5	00	33
	381/2	Part	90	02.5	00	06
	385	Part	00	25.0	00	62
	386/1	Part	00	09.0	00	22
	386/2	Part	00	11.5	00	29
	387	Part	00	20.5	00	51
	369/1	Part	00	07.5	00	18
	369/2	Part	00	26.0	00	64
	368	Part	00	07.0	00	17
	370/1	Part	00	06.5	00	16
	370/2A	Part	00	32.5	00	80
	370/2B	Part	00	45.5	01	12
	374/1A	Part	00	18.0	00	44
	374/1B	Part	00	00.5	00	01
	374/1C	Part	00	10.5	00	26
	374/1D	Part	00	00.5	00	01
	291/2	Part	00	00.5	00	01
	291/6	Part	00	12.0	00	30
	295/1	Part	00	48.5	01	20
	295/2	Part	00	35.0	00	87
	293	Part	00	31.0	00	77
	276/1	Part	00	14.5	00	36
	276/2	Part	00	18.5	00	46
	252/3	Part	00	01.0	00	02
	252/4	Part	00	23.5	00	58
	252/5	Part	00	20.0	00	50
	269	Part	00	06.5	00	16
	253	Part	00	28.5	00	70
	255/1	Part	00	06.0	00	12

(No. 1), Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Cooking Coal Ltd. (Central Saunda Colliery) and their workmen, which was received by the Central Government on 21-1-1997.

[No. L-20012/127/88-IR (C-I)]
BRAJ MOHAN, Desk Officer.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD.

In the matter of a reference under section 10(1)(d)(2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 160 of 1990.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Central Saunda Colliery of M/s. C. C. Ltd.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Shri Tarkeshwar Prasad, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri R. S. Murthy, Advocate.

For the Workmen : None.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated, the 14th January, 1997.

AWARD

By Order No. L-20012/127/88-IR. (Coal-I), dated 11-7-1990 the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2-A) of Section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal.

"Whether the action of the management of Central Saunda Colliery of C. C. Ltd., P. O. Saunda, District Hazaribagh by reverting Shri Jagu Singh from Lamp Issuer to the post of Lamp Fitter w.e.f. 29-10-1984 and non-payment of make up wages w.e.f. 18-8-1986 is legal and justified? If not, to what relief the workman concerned is entitled?"

2. The order of reference was received in this Tribunal on 16-7-1990. Thereafter notices were issued to the parties for filing written statement by the workman. Despite several adjournments granted to the workman and notice sent to the sponsoring union, no written statement has been filed on behalf

of the workman. Therefore, it appears that neither the workman nor the sponsoring union is interested to prosecute the case.

3. In such circumstances, I render a 'no dispute' award in the present reference case.

TARKESHWAR PRASAD,
Presiding Officer.

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1997.

का.प्र. 459—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मैसर्स कुकिंग कोल लिमिटेड का टोपा कोलियरी के प्रबंधन के संबंध में नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में, विद्विष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, (सं.-1) घनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 21-1-97 को प्राप्त हुआ था।
[संख्या एल-20012/(55)/92-आई प्रार(कोल-1)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd January, 1997.

S.O. 459.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal, (No. 1), Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of M/s. Cooking Coal Limited, (Topa Colliery), and their workmen, which was received by the Central Government on 21-1-1997.

[No. L-20012/(55)/92-IR (C-I)]
BRAJ MOHAN, Desk Officer.

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD.

In the matter of a reference under section 10(1)(d)(2-A) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 72 of 1993.

PARTIES :

Employers in relation to the management of Topa Colliery of M/s. C. C. Ltd.

AND

Their Workmen

PRESENT :

Shri Tarkeshwar Prasad, Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers : Shri R. S. Murthy, Advocate.

For the Workmen : None.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1997

का.प्रा. 516.—केन्द्रीय सरकार ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.प्रा. 2660 तारीख 23 अगस्त, 1996 द्वारा पेट्रोलियम का परिवहन आन्ध्र प्रदेश राज्य में विशाखापट्टनम से विजयवाड़ा को करने के लिए, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी ;

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 10 दिसम्बर, 1996 को उपलब्ध करा दी गयी थी ;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्टें दे दी हैं ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह विनिश्चय कर लिया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में पाइप लाइन बिछाने के लिए उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाता है ;

और आगे, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाए सभी वित्तलंगमों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

मण्डल : जी. कोण्डूरु

जिला : कृष्णा

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम	सर्वे नं. / सब डिवीजन	क्षेत्रफल			
		हेक्टेयर	घार.	एकड़	सेण्ट
1	2	3	4	5	6
गुरजिपालम	7/1 भाग	00	08.5	00	21
	6 भाग	00	16.5	00	41
	8/1 भाग	00	12.5	00	31
	8/2 भाग	00	20.5	00	49
	8/3 भाग	00	01.0	00	02
कुण्डामुक्ताला	67 भाग	00	35.0	00	87
	62/1 भाग	00	00.5	00	01
	62/3 भाग	00	13.0	00	32
	71/1 भाग	00	07.0	00	17
	72/2 भाग	00	28.0	00	50
	72/3 भाग	00	29.0	00	72
	73/1ए भाग	00	02.0	00	05
	74/3 भाग	00	14.0	00	35
	74/4 भाग	00	05.5	00	14

1	2	3	4	5	6	
ચેકટાપુરમ	30/1	ભાગ	00	24.0	00	59
	29	ભાગ	00	03.0	00	07
	31/2	ભાગ	00	22.0	00	54
	31/3	ભાગ	00	17.5	00	43
	31/4	ભાગ	00	00.5	00	01
	31/6	ભાગ	00	03.0	00	08
	32/1	ભાગ	00	18.0	00	45
	32/2	ભાગ	00	00.5	00	01
	24/5	ભાગ	00	00.5	00	01
	35/2	ભાગ	00	03.5	00	09
	35/3	ભાગ	00	18.0	00	44
	35/1	ભાગ	00	11.5	00	29
	69/1	ભાગ	00	10.5	00	26
	62/3	ભાગ	00	18.0	00	45
	63/1૯	ભાગ	00	22.5	00	56
	63/1સી	ભાગ	00	35.0	00	83
	63/2	ભાગ	00	03.0	00	08
	65/3	ભાગ	00	22.0	00	54
ચેકતુર	267/1૯	ભાગ	00	13.0	00	32
	267/2૯	ભાગ	00	01.0	00	03
	267/2સી	ભાગ	00	07.5	00	18
	271/3	ભાગ	00	14.0	00	34
	264/2	ભાગ	00	08.0	00	20
	264/3	ભાગ	00	19.0	00	47
	262/5	ભાગ	00	15.0	00	37
	262/2	ભાગ	00	03.0	00	07
	260/3	ભાગ	00	01.0	00	02
	259/3	ભાગ	00	17.5	00	43
	259/5	ભાગ	00	05.5	00	14
	256/1 સી	ભાગ	00	25.0	00	62
	256/2	ભાગ	00	05.5	00	14
	256/3	ભાગ	00	15.5	00	38
	15/4	ભાગ	00	03.0	00	08
	15/6	ભાગ	00	00.5	00	01
	18/2	ભાગ	00	11.5	00	29
	17/1સી	ભાગ	00	05.5	00	13
	17/2સી	ભાગ	00	01.5	00	04
	17/2૯	ભાગ	00	05.0	00	12
	17/3	ભાગ	00	31.0	00	76
	11	ભાગ	00	12.0	00	30
	45/1	ભાગ	00	04.5	00	11
	45/2	ભાગ	00	18.5	00	46
	45/3	ભાગ	00	11.0	00	27
	45/4	ભાગ	00	18.0	00	44
	51/2	ભાગ	00	10.0	00	25

1	2	3	4	5	6
जेबुतूरु (गंतत)	51/3 भाग	00	09.5	00	24
	58/2 भाग	00	31.0	00	76
	57/1सी भाग	00	08.5	00	21
	57/2बी भाग	00	05.0	00	13
	55/3 भाग	00	38.5	00	95
	81/1बी भाग	00	14.5	00	36
	81/2 भाग	00	10.5	00	26
	81/3 भाग	00	14.0	00	34
	79/2 भाग	00	23.5	00	58
	84 भाग	00	14.0	00	25
	77/2 भाग	00	22.0	00	54
	107 भाग	00	00.5	00	01
जी. कोण्डूरु	40/2बी भाग	00	17.5	00	43
	42 भाग	00	22.5	00	55
	94/1 भाग	00	27.0	00	67
	94/2ए भाग	00	08.0	00	20
	92/1ए भाग	00	11.5	00	28
	92/1बी भाग	00	13.0	00	32
	92/3 भाग	00	09.5	00	24
	90/1 भाग	00	05.0	00	12
	90/2 भाग	00	07.5	00	19
	90/3 भाग	00	06.5	00	16
	90/4 भाग	00	10.5	00	26
	88/2सी भाग	00	21.0	00	52
	87 1ए भाग	00	02.5	00	06
	87/1सी भाग	00	03.0	00	07
	87/2 भाग	00	01.0	00	02
	87/3ए 1 भाग	00	20.0	00	50
	52/3 भाग	00	01.5	00	04
	78/1ए भाग	00	01.0	00	02
	78/1बी भाग	00	26.5	00	65
	78/2ए भाग	00	00.5	00	01
	54/2ए भाग	00	22.5	00	55
	54/2बी भाग	00	08.5	00	21
	54/2सी भाग	00	07.5	00	19
	61/1 भाग	00	24.5	00	60
	61/2 भाग	00	05.5	00	14
	61/4ए 1 भाग	00	08.5	00	21
	61/4ए 2 भाग	00	03.5	00	09
	60/4 भाग	00	07.5	00	19
	63 भाग	00	26.5	00	66
	62/1ए भाग	00	00.5	00	01
	64/2 भाग	00	05.5	00	14
	64/3 भाग	00	05.5	00	14
	64/4 भाग	00	06.0	00	15
	64/5ए 1 भाग	00	01.0	00	02

1	2	3	4	5	6
जी कोण्डुरु (संतत)	64/5बी भाग	00	02.5	00	05
	64/5डी 1 भाग	00	03.0	00	07
	64/7ए भाग	00	07.0	00	17
	64/7सी भाग	00	07.0	00	17
	64/7डी भाग	00	03.5	00	08
	67 भाग	00	12.0	00	30
	248/1 भाग	00	33.0	00	81
	248/2 भाग	00	31.5	00	78
	249 भाग	00	26.0	00	64
	250/1 भाग	00	05.0	00	12
	250/2 भाग	00	00.5	00	01
	259/1 भाग	00	36.5	00	90
	251/2 भाग	00	16.5	00	41
	258/1 भाग	00	00.5	00	01
	253/7ए भाग	00	05.5	00	13
	253/7सी भाग	00	06.0	00	15
	257/1ए भाग	00	14.0	00	38
	257/1सी भाग	00	08.5	00	21
	256/1 भाग	00	16.0	00	39
	256/2 भाग	00	12.5	00	31
	255/2 भाग	00	22.0	00	54
कुबुलुरु	9/3 भाग	00	23.0	00	57
	27 भाग	00	18.0	00	44
	28/3 भाग	00	10.0	00	25
	26/2 भाग	00	11.5	00	28
	31/1 भाग	00	05.0	00	12
	31/2 भाग	00	05.5	00	14
	36/2सी 1 भाग	00	08.0	00	20
	36/2सी 3 भाग	00	13.5	00	33
	32/2 भाग	00	01.5	00	04
	55/2ए भाग	00	04.0	00	10
	55/2बी भाग	00	19.0	00	47
	56 भाग	00	28.5	00	71
	60/2 भाग	00	03.5	00	09
	60/3 भाग	00	14.0	00	34
	59/2बी भाग	00	18.0	00	45
गुड्डामाडुगु	62/2 भाग	00	03.0	00	07
	62/3ए भाग	00	06.0	00	15
	62/5 भाग	00	06.5	00	16
	70/3ए भाग	00	34.5	00	85
	88/6बी भाग	00	00.5	00	01
	88/7बी भाग	00	07.5	00	18
	88/8बी भाग	00	09.0	00	22
	86/1बी भाग	00	00.5	00	01
	86/2 भाग	00	11.5	00	28

New Delhi, the 18th February, 1997

S.O. 516.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 2660 dated the 23rd August, 1996 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines for transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 10th day of December, 1996;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declare that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying the pipelines;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : G. Konduru

District : Krishna

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./ Sub Division		Area			
			Hectare Ares		Acres Cents	
1	2		3	4	5	6
Gurrajupalem	7/1	Part	00	08.5	00	21
	6	Part	00	16.5	00	41
	8/1	Part	00	12.5	00	31
	8/2	Part	00	20.0	00	49
	8/3	Part	00	01.0	00	02
Kuntamukkala	67	Part	00	35.0	00	88
	8/3	Part	00	01.0	00	02
Kuntamukkala	67	Part	00	35.0	00	87
	62/1	Part	00	00.5	00	01
	62/3	Part	00	13.0	00	32
	71/1	Part	00	07.0	00	17
	72/2	Part	00	28.0	00	50
	72/3	Part	00	29.0	00	72
	73/1A	Part	00	02.0	00	05
	74/3	Part	00	14.0	00	35
	74/4	Part	00	05.5	00	14
	30/1	Part	00	24.0	00	59
	29	Part	00	03.0	00	07
	31/2	Part	00	22.0	00	54
Venkatapuram	31/3	Part	00	17.5	00	43
	31/4	Part	00	00.5	00	01
	31/6	Part	00	03.0	00	08
	32/1	Part	00	18.0	00	45
	32/2	Part	00	00.5	00	01
	24/5	Part	00	00.5	00	01
	35/2	Part	00	03.5	00	09
	35/3	Part	00	18.0	00	44
	35/1	Part	00	11.5	00	29
	69/1	Part	00	10.5	00	26
	62/3	Part	00	18.0	00	45
	63/1A	Part	00	22.5	00	56
	63/1C	Part	00	35.0	00	86
	63/2	Part	00	03.0	00	08
	65/3	Part	00	22.0	00	54

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
Chevuturu	267/1A	Part	00	13.0	00	32	
	267/2A	Part	00	01.0	00	03	
	267/2C	Part	00	07.5	00	18	
	271/3	Part	00	14.0	00	34	
	264/2	Part	00	08.0	00	20	
	264/3	Part	00	19.0	00	47	
	262/5	Part	00	15.0	00	37	
	262/2	Part	00	03.0	00	07	
	260/3	Part	00	01.0	00	02	
	259/3	Part	00	17.5	00	43	
	259/5	Part	00	05.5	00	14	
	256/1C	Part	00	25.0	00	62	
	256/2	Part	00	05.5	00	14	
	256/3	Part	00	15.5	00	38	
	15/4	Prat	00	03.0	00	08	
	15/6	Part	00	00.5	00	01	
	18/2	Part	00	11.5	00	29	
	17/1C	Part	00	05.5	00	13	
	17/2C	Part	00	01.5	00	04	
	17/2A	Part	00	05.0	00	12	
	17/3	Part	00	31.0	00	76	
	11	Part	00	12.0	00	30	
	45/1	Part	00	04.5	00	11	
	45/2	Part	00	18.5	00	46	
	45/3	Part	00	11.0	00	27	
	45/4	Part	00	18.0	00	44	
	51/2	Part	00	10.0	00	25	
	51/3	Part	00	09.5	00	24	
	58/2	Part	00	31.0	00	76	
	57/1C	Part	00	08.5	00	21	
	57/2B	Part	00	05.0	00	13	
	55/3	Part	00	38.5	00	95	
	81/1B	Part	00	14.5	00	36	
	81/2	Part	00	10.5	00	26	
	81/3	Part	00	14.0	00	34	
	79/2	Part	00	23.5	00	58	
	84	Part	00	14.0	00	35	
	77/2	Part	00	22.0	00	54	
	107	Part	00	00.5	00	01	
	G. Konduru	40/2B	Part	00	17.5	00	43
		42	Part	00	22.5	00	55
		94/1	Part	00	27.0	00	67
		94/2A	Part	00	08.0	00	20
82/1A		Part	00	11.5	00	28	
92/1B		Part	00	13.0	00	32	
92/3		Part	00	09.5	00	24	
90/1		Part	00	05.0	00	12	
90/2		Part	00	07.5	00	19	
90/3		Part	00	06.5	00	16	
90/4		Part	00	10.5	00	26	
88/2C		Part	00	21.0	00	52	
87/1A		Part	00	02.5	00	06	
87/1C		Part	00	03.0	00	07	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	
G. Konduru (Contd.)	87/2	Part	00	01.0	00	02
	87/3A1	Part	00	20.0	00	50
	52/3	Part	00	01.5	00	04
	78/1A	Part	00	01.0	00	02
	78/1B	Part	00	26.5	00	65
	78/2A	Part	00	00.5	00	01
	54/2A	Part	00	22.5	00	55
	54/2B	Part	00	08.5	00	21
	54/2C	Part	00	07.5	00	19
	61/1	Part	00	24.5	00	60
	61/2	Part	00	05.5	00	14
	61/4A1	Part	00	08.5	00	21
	61/4A2	Part	00	03.5	00	09
	60/4	Part	00	07.5	00	19
	63	Part	00	26.5	00	66
	62/1A	Part	00	00.5	00	01
	64/2	Part	00	05.5	00	14
	64/3	Part	00	05.5	00	14
	64/4	Part	00	06.0	00	15
	64/5A1	Part	00	01.0	00	02
	64/5B	Part	00	02.5	00	05
	64/5D1	Part	00	03.0	00	07
	64/7A	Part	00	07.0	00	17
	64/7C	Part	00	07.0	00	17
	64/7D	Part	00	03.5	00	08
	67	Part	00	12.0	00	30
	248/1	Part	00	33.0	00	81
	248/2	Part	00	31.5	00	78
	249	Part	00	26.0	00	64
	250/1	Part	00	05.0	00	12
	250/2	Part	00	00.5	00	01
	259/1	Part	00	36.5	00	90
	251/2	Part	00	16.5	00	41
	258/1	Part	00	00.5	00	01
	253/7A	Part	00	05.5	00	13
	253/7C	Part	00	06.0	00	15
	257/1A	Part	00	14.0	00	38
	257/1C	Part	00	08.5	00	21
	256/1	Part	00	16.0	00	39
	256/2	Part	00	12.5	00	31
	255/2	Part	00	22.0	00	54
Kavuluru	9/3	Part	00	23.0	00	57
	27	Part	00	18.0	00	44
	28/3	Part	00	10.0	00	25
	26/2	Part	00	11.5	00	28
	31/1	Part	00	05.0	00	12
	31/2	Part	00	05.5	00	14
	36/2C1	Part	00	08.0	00	20
	36/2C3	Part	00	13.5	00	33
	32/2	Part	00	01.5	00	04
	55/2A	Part	00	04.0	00	10
	55/2B	Part	00	19.0	00	47
	56	Part	00	28.5	00	71
	60/2	Part	00	03.5	00	09
	60/3	Part	00	14.0	00	34
	59/2B	Part	00	18.0	00	45

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
Geddamadugu	62/2	Part	00	03.0	00 07
	62/3A	Part	00	06.0	00 15
	62/5	Part	00	06.5	00 16
	70/3A	Part	00	34.5	00 85
	88/6B	Part	00	00.5	00 01
	88/7B	Part	00	07.5	00 18
	88/8B	Part	00	09.0	00 22
	86/1B	Part	00	00.5	00 01
	86/2	Part	00	11.5	00 28

[F. No. : R-31015/4/96-OR II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

नई दिल्ली, 18 फरवरी, 1997

का.आ. 517.—केन्द्रीय सरकार, ने पेट्रोलियम और खनिज पाइपलाइन (भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन) अधिनियम, 1962 (1962 का 50) की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन जारी की गई भारत के पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 3252 तारीख 23 नवम्बर, 1996 द्वारा पेट्रोलियम का परिवहन आन्ध्र प्रदेश राज्य में विशाखापट्टनम से विजयवाड़ा को करने के लिये, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड द्वारा पाइपलाइन बिछाने के प्रयोजनार्थ उक्त अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा की थी—

और उक्त राजपत्र अधिसूचना की प्रतियां जनता को तारीख 27 दिसम्बर, 1996 को उपलब्ध करा दी गयी थी;

और सक्षम प्राधिकारी ने उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) के अधीन केन्द्रीय सरकार को अपनी रिपोर्ट दे दी है;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त रिपोर्ट पर विचार करने के पश्चात् यह विनिश्चय कर लिया है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट भूमि में उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाये;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह घोषणा करती है कि इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में विनिर्दिष्ट उक्त भूमि में पाइपलाइन बिछाने के लिये उपयोग का अधिकार अर्जित किया जाता है ;

और आगे, केन्द्रीय सरकार उक्त धारा की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह निर्देश देती है कि उक्त भूमि में उपयोग के अधिकार, इस घोषणा के प्रकाशन की इस तारीख से केन्द्रीय सरकार में निहित होने की बजाय सभी बिल्लिंगों से मुक्त होकर हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड में निहित होगा।

अनुसूची

मण्डल : शंकरम

जिला : पूर्व गोदावरी

राज्य : आन्ध्र प्रदेश

ग्राम	सर्वे नं./सब डिविजन	क्षेत्रफल			
		हैक्टेयर	आर	एकड़	सेण्ट
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
वि. वेंकटापुरम	33/3	भाग	00	13.0	00 32
	22/3	भाग	00	03.5	00 09

1	2	3	4	5	6	
जि. कोतपल्लि	66/1	भाग	00	00.5	00	01
श्रृंगवरम	31/10	भाग	00	11.0	00	27
अश्विम्पेटा	172/2	भाग	00	00.5	00	01
रोतुलपूडि	499	भाग	00	03.5	00	09
	426/1	भाग	00	15.5	00	38
	403	भाग	00	21.5	00	53
	404	भाग	00	00.5	00	01
	382	भाग	00	12.5	00	30
	378	भाग	00	08.0	00	20
	379	भाग	00	17.0	00	42
	358	भाग	00	30.5	00	75
	359/ए	भाग	00	12.0	00	30
	347	भाग	00	24.0	00	59
	137/3	भाग	00	19.0	00	47
	227	भाग	00	18.0	00	45
गोंडि	168/1ए	भाग	00	30.0	00	74
	147/2	भाग	00	02.0	00	05
	159/2	भाग	00	01.0	00	02
	167/2	भाग	00	01.0	00	02
	148/1	भाग	00	02.0	00	05
	148/4	भाग	00	00.5	00	01
	151	भाग	00	03.0	00	08

[पं.सं. आर-31015/20/95-ओ.आर.-II]

के.सी. कटोच, अवर सचिव

New Delhi, the 18th February, 1997

S.O. 517.—Whereas by a notification of the Government of India in the Ministry of Petroleum and Natural Gas number S.O. 3252 dated the 23rd November, 1996 issued under sub-section (1) of section 3 of the Petroleum and Minerals Pipelines (Acquisition of Right of User in Land) Act, 1962 (50 of 1962) the Central Government declared its intention to acquire the Right of User in the lands specified in the Schedule appended to that notification for the purpose of laying pipelines for transport of Petroleum from Visakhapatnam to Vijayawada in the State of Andhra Pradesh by Hindustan Petroleum Corporation Limited;

And whereas, copies of the said Gazette notification were made available to the public on the 27th day of December, 1996;

And whereas, the Competent Authority has under sub-section (1) of section 6 of the said Act submitted his report to the Central Government;

And whereas, the Central Government has after considering the said report, decided to acquire the right of user in the lands specified in the Schedule appended to this notification;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 6 of the said Act, the Central Government hereby declares that the right of user in the said lands specified in the Schedule appended to this notification is hereby acquired for laying pipelines;

And, further, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of that section, the Central Government directs that the right of user in the said lands shall instead of vesting in the Central Government, vest on this date of the publication of this declaration in the Hindustan Petroleum Corporation Limited free from all encumbrances.

SCHEDULE

Mandal : Sankavaram

District : East Godavari

State : Andhra Pradesh

Name of Village	Survey No./Sub Division		Area			
			Hectare	Ares	Acres	Cents
(1)	(2)		(3)	(4)	(5)	(6)
V. Venkatapuram	33/3	Part	00	13.0	00	32
	22/3	Part	00	03.5	00	09

(1)		(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
G. Kothapalli	66/1	Part	00	00.5	00	01
Srungavaram	31/10	Part	00	11.0	00	27
Atchampeta	172/2	Part	00	00.5	00	01
Routhulapudi	499	Part	00	03.5	00	09
	426/1	Part	00	15.5	00	38
	403	Part	00	21.5	00	53
	404	Part	00	00.5	00	01
	382	Part	00	12.5	00	30
	378	Part	00	08.0	00	20
	379	Part	00	17.0	00	42
	358	Part	00	30.5	00	75
	359/A	Part	00	12.0	00	30
	347	Part	00	24.0	00	59
	137/3	Part	00	19.0	00	47
	227	Part	00	18.0	00	45
Gondi	168/1A	Part	00	30.0	00	74
	147/2	Part	00	02.0	00	05
	159/2	Part	00	01.0	00	02
	167/2	Part	00	01.0	00	02
	148/1	Part	00	02.0	00	05
	148/4	Part	00	00.5	00	01
	151	Part	00	03.0	00	08

[F. No. R-31015/20/95-OR II]

K. C. KATOCH, Under Secy.

श्रम मंत्रालय

MINISTRY OF LABOUR

नई दिल्ली, 3 जनवरी, 1997

New Delhi, the 3rd January, 1997

का.आ. 518:—उत्प्रवास अधिनियम, 1983 (1983 का 31) की धारा 15 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, आकूषाधीन स्थित भारतीय दूतावास में श्री मनबीर सिंह, मंत्री और श्री के.बी. गुलाटी, सहचारी (अताशी) (श्रम) को सक्षम प्राधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने तथा उस देश में रोजगार के लिए किसी भारतीय नागरिक की भर्ती किए जाने के प्रयोजनार्थ उन नियोजकों के लिए अनुमति जारी करने के लिए प्राधिकृत करती है जो भारत के नागरिक नहीं हैं।

S.O. 518.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (2) of Section 15 of the Emigration Act, 1983 (31 of 1983), the Central Government hereby authorises Sh. Manbir Singh, Minister and Shri K. B. Gulati, Attache (Labour) in Embassy of India, Abu Dhabi to exercise the powers of competent Authority and to issue permits to employers who are not citizen of India for the purpose of recruiting any citizen of India for employment in that country.

[No. A-22020/1/91-Emig.]

[संख्या ए-22020/1/91-उत्प्रवास]

R. K. SAINI, Protector Genl. of Emigrants and
Jt. Secy.

आर.के. सैनी, उत्प्रवास महामन्त्री एवं संयुक्त सचिव

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1997

का.आ. 519:—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा-1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद् द्वारा 16-2-1997 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है (और अध्याय 5 और-6) धारा 76 की उपधारा

(1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपरान्त कर्नाटक राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :-

राजस्व ग्राम का नाम व नगरपालिका सीमाएं	होबली	तालुक	जिला
चालाकेरे:			
चालाकेरे टाउन	कसबा	चालाकेरे	चित्रदुर्गा
नानीवाला गांव			
गोराला कट्टे			
बुदाना हट्टी गांव			
वीराडीमाना हल्ली	नयकाना हट्टी	चालाकेरे	चित्रदुर्गा
सिद्धापुरा			
होटापाना हल्ली गांव	कसबा	चालाकेरे	चित्रदुर्गा
नगरमंगेरेगांव			
लक्ष्मी पुरा			

[सं. एस-38013/1/97-एस.एस.-1]

जे. पी. शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 6th February, 1997

S.O.519.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 16th February, 1997 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI [except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Karnataka namely:—

Name of Revenue Village or Municipal limits	Hobli	Taluk	District
CHALLAKERE:			
Challakere Town Nanniwala Village	Kasaba	Challakere	Chitradurga
Gorala Katte Budana Hatti Village			
Veeradimmana Halli	Navakanahatti	Challakere	Chitradurga
Siddapura Hottappana Hally Village	Kasaba	Challakere	Chitradurga
Nagaramgere Village Lakshmi Pura			

[No. S-38013/1/97-SS-1]

J.P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1997

का०आ० 520:—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उप धारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 16-2-1997 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय-4 (धारा-44 और 45 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) 329 GI/97-14

और अध्याय-5 और 6 [धारा-76 की उपधारा (1) और धारा-77, 78, 79 और 81 के सिवाय जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है] के उपरान्त कर्नाटक राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे, अर्थात् :-

“जिला पथनमथीला के थीरुवला तालुक में राजस्व ग्राम थीरुवनवनदूर के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र”।

[संख्या एस-38013/2/97-एस एस-1]

जे०पी० शुक्ला, अवर सचिव

New Delhi, the 6th February, 1997

S.O. 520.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of Section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) the Central Government hereby appoints the 16th February, 1997 as the date on which the provisions of Chapter IV (except Section 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapter V and VI [except sub-section (1) of Section 76 and Sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force] of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Kerala namely:—

The areas within the revenue Village of Thiruvannandoor in Thiruvalla Taluk of Pathanamthitta District.”

[No. S-38013/2/97-SS-1]

J. P. SHUKLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1997

कां०आ० 521:—केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना अपेक्षित है कि इंडिया गवर्नेमेंट मिट, बम्बई को जो औद्योगिक विवाद अधिनियम 1947 (1947 का 14) की प्रथम अनुसूची में निदिष्ट है, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया जाए,

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 2 के खंड (२) के उपखंड (6) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त उद्योग को उक्त अधिनियम के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[सं० ए०स-11017/3/85-डी-1(ए)आई.आर. (पी. एल.)]

एच०सी० गुप्ता, अवर सचिव

New Delhi, the 6th February, 1997

S.O. 521.—Whereas the Central Government is satisfied that the public interest requires that the Indian Government M'nt. Bombay which is covered by item 11 of the First Schedule to the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), should be declared to be a public utility service for the purposes of the said Act.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 the Central Government hereby declares with immediate

effect the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months.

[No. S-11017/3/85-D1A/IR(PL)]

H. C. GUPTA, Under Secy.

नई दिल्ली, 10 जनवरी, 1997

का.आ. 522:—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार ई सी एल के प्रबन्धन के संबंध निोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, आसानसोल के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 6-1-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-22012/74/91-आई आर (सी II)]

के.वी. बी. उण्णी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 10th January, 1997

S.O. 522.—In pursuance of Section II of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Asansol as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of E. C. Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on the 6th January, 1997.

[No. L-22012/74/91-IR(C II)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL, ASANSOL

Reference No. 32/91

PRESENT :

Shri R. S. Mishra, Presiding Officer

PARTIES :

Employers in relation to the management of Bonjemchari Colliery of M/s. E.C. Ltd.

AND

Their Workmen

APPEARANCES :

For the Employer—Sri P. K. Das, Advocate

For the Workmen—None

INDUSTRY : Coal STATE : West Bengal

Dated the 5th December, 1996

AWARD

The Government of India in the Ministry of Labour in exercise of the powers conferred on

them by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 has referred the following dispute to this Tribunal for adjudication vide Ministry's Order No. L-22012(74)|91-IR(C-II), dated 20-8-91.

"Whether the management of M/s. Eastern Coalfields Ltd., Sanctoria, P.O. Disher-garh, Distt. Burdwan, in denying the workers of Bonjemehari Colliery under the Salanpur Arc the declared National Holiday on 14th November, 1989 on account of Birth Centenary of Late Pandit Jawaharlal Nehru, was justified? If not, to what relief the workmen are entitled to?"

2. The union does not appear in spite of receipt of notice by registered post as reflected by the postal acknowledgement card. Apparently not interested.

3. Accordingly 'No Dispute Award' is passed.

R. S. MISHRA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1997

का.आ. 523.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार सेक्यूरिटी प्रिन्टिंग प्रेस के प्रबन्धन के संबंध निम्नो-जको और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निर्दिष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 30-1-97 को प्राप्त हुआ था।

[स. एन-16011/2/94-आई आर (डी यू)]

के. वी. बी. उण्णी, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st January, 1997

S.O. 523.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Dispute Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Industrial Tribunal-I, Hyderabad as shown in the Annexure, in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Security Printing Press and their workman, which was received by the Central Government on 30-1-97.

[No. L-16011|2|94-IR(DU)]

K. V. B. UNNY, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I,
HYDERABAD

PRESENT :

Sri V. V. Raghavan, B.A., LL.B., Industrial
Tribunal-I.

Dated : 19th day of December, 1996

Industrial Dispute No. 79 of 1996

BETWEEN

The General Secretary, Security Printing
Press Staff Union, Mint Compound,
Hyderabad.Petitioner

AND

The General Manager,
Security Printing Press,
Mint Compound,
Saifabad,
Hyderabad.Respondent

APPEARANCES :

Sri M. Panduranga Rao and Sri M. V. Rama
Rao, Advocate for the Petitioner.

Sri P. Damodar Reddy, Advocate for Res-
pondent.

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi made a reference to this Tribunal by its Order No. L-16011|2|94-IR(DU) dt. 17-10-94 under Section 10(1)(d) and (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 for adjudication of the industrial dispute mentioned in its Schedule which reads as follows :

"Whether the management of the Security increasing the working hours from 37½ increasing the working hours from 37-1|2 hours to 44 hours, vide Notice No. SPP|A.1|I-37|92|79 dt. 25-3-1992, in respect of the employees of the Security Printing Press, Hyderabad? If not, to what relief the effected workmen are entitled to?"

After receipt of the above reference, this Tribunal issued notice to both the parties and both the parties have put in their appearances and filed a claim statement and a counter.

2. The workman filed a claims statement contending as follows :—There has been a Mint run by the Government of India at Hyderabad. Subsequently, Security Printing Press was also started in the same premises. Some staff of the Mint exercised their option to work in Printing Press and the remaining staff were recruited by the Staff Selection Committee. There is only one General Manager for the Mint and Security Printing Press. The original working hours of the Mint as well as the Security Printing Press were 37½ hours per week. They were being paid over time wages for the work done beyond 37½ hours. Since 1988 efforts have been made to increase the working hours in the Mint as well as in Security Printing Press from 37½ hours to 44 hours per week. The employees of the Mint at Calcutta obtained stay from the High Court. The employees of the Security Printing Press at Nasik got a reference made to

the Industrial Tribunal, Bombay by approaching the Central Administrative Tribunal. The Staff Associations of the Mint as well as the Security Printing Press have raised this dispute before the Regional Commissioner of Labour, Hyderabad. Efforts are being made to increase the working hours as the staff were employed under the Factories Act. The staff are prepared to work for 44 hours provided they are suitably compensated. The High Court of Andhra Pradesh held in W.P. No. 7020/85 that the workmen are entitled to over time wages when they work beyond 37½ hours per week. The Members of the Petitioner Union are governed by the Rules framed under the proviso to Article 309 of the Constitution of India and they are governed by the C.C.A. Rules. They are not governed by the Industrial Employment Standing Orders. However, they are workers within the meaning of the Industrial Disputes Act, 1947. The Pay Commission consistently opined that the wages should be fixed so that the employee may live in comfort and work efficiently. The remuneration of the employee should be commensurate with the hours of work. The remuneration should be on par with similarly situated employees working in Government of India. The General Manager increased the working hours of the Petitioners from 11-7-94 as the conciliation Proceedings failed. The conciliation with regard to Mint staff is pending and their working hours are not yet increased and it is discriminatory. The Officers of the Government of India work for 5 days in a week and the staff are still working 37½ hours a week. The Petitioners are made to work for 5½ days in a week. The General Manager gave a notice dated 21-11-86 that the hours of work of the Ministerial staff would be 40 hours per week on par with the Central Government employees and cancelled this notice by order dt. 29-12-1986. The High Court stayed the earlier notice 12-9-1994 under Section 9A of the I.D. Act. No fresh notice is given and so the time expired. The introduction of 44 working hours in a week by notice dt. 25-3-1992 is not justified. An Award may be passed that the workers are entitled to over time wages for the work done over and above 37½ hours.

3. The Respondent filed a counter contending as follows :—The Members of the petitioner union are not workmen under the Industrial Disputes Act, 1947. The Respondent is printing postal stationery, Central Excise, Match Box labels and non-judicial stamps. The said activity is a sovereign function of the State Government and as such the provisions of the I.D. Act are not applicable to the Respondent Department. It is a part of Government of India. This Respondent is not aware of the orders granted by the Calcutta High Court. The Andhra Pradesh High Court granted stay on 7-9-1994 and did not extend the same. So the department implemented the revised working hours

from 13-9-1994 with effect from 12-9-94. The dispute between India Security Press Ministerial Staff, Nasik and the Management with regard to the working hours is pending in the Industrial Tribunal, Bombay. The India Security Press personnel, Nasik implemented the revised working hours in mid 1992. The revised working hours were also implemented in other places like Security Paper Mill, Hoshangabad and Bank Note Press, Dewas long time back. There are India Government Mints at Bombay, Calcutta and Noida. There are Security Press at Nasik, Hyderabad, Dewas and Hoshangabad in different names. The working hours of the workmen and the staff in the above institutions till the Fourth Pay Commission recommendation till 1986 are as follows :—

Mints (Bombay, Calcutta and Hyderabad)	37½ hours per week for all employees.
India Security Press, Nasik, Currency Note Press, Nasik Bank Note Press, Dewas and Security Printing Press, Hyderabad.	44 hours per week for workmen and 37½ hours per week for office Staff.
Security Paper Mill, Hoshangabad.	48 hours per week for workmen and 37½ hours per week for office staff.

The Government of India accepted the Fourth Pay Commission recommendations and issued order dt. 20-10-87 increasing the working hours to 44 hours per week in respect of all the employees and the workers who were working for less number of hours per week. Many cases are filed in Courts and Tribunals. The above order is kept in abeyance. The Central Administrative Tribunals at Hyderabad and Jabalpur gave findings in favour of the Government so far as the Printing Press at Hyderabad, Dewas and Hoshangabad are concerned. So fresh order was issued on 18-1-1991 for the Press. The staff Union of India Security Press and Currency Press approached the Labour Courts and Tribunals and ultimately the Central Administrative Tribunal ordered for referring of the case to the Courts. The outer limit of working hours in Section 51 of the Factories Act is 48 hours. The Government is fully justified in increasing the working hours. It is hit by Article 14 or 16 of Constitution of India. The working hours of the Mint have no relevancy in the case of Printing Press. The staff of the Press worked for 37½ hours in a week from 1982 to 1993. The work load also increased. The working hours of the most of the Central Government employees were increased as per the Fourth Pay Commission report. The scales of pay were also increased. The employees cannot accept or be allowed to accept a part of the package consisting of working hours and the scales of pay and reject the rest considered to be onerous. The Central Administrative Tribunal, Hyderabad upheld the Government of India decision to increase the working hours in O.S. No. 74/88. It cannot be reopened

and reagitated. The claim is barred by principles of resjudicata. The Respondent is justified in increasing the working hours. The petition is liable to be dismissed.

4. The Working President of the Security Printing Press Staff Union, Hyderabad which raised the dispute is examined as W.W.1. He filed Exs. W1 to W6. The Assistant Director (Costs) and Accounts Officer in Security Printing Press are examined as M.W.1 and M.W.2 respectively. They filed Exs. M1 to M13.

5. The point for consideration are as follows :

- (1) Whether the Respondent is an industry ?
- (2) Whether this dispute is barred by principles of resjudicata ?
- (3) Whether Respondent is not justified in increasing the working hours ?

6. POINT (1) :—The contention of the Respondent is that it is manufacturing postal stationery of postal department, Central Excise Match Box Labels and non-judicial stamps which can be manufactured by the Government of India alone and it is a sovereign function of the Government and so the Respondent is not an industry within the meaning of the I.D. Act. The arguments appears attractive in the first flush as such a function cannot be given on contract to a third party by any Government. However the Parliament itself recognised the Respondent as an industry by including the Mint and the India Security Press as items 11 and 12 in the first schedule of the I.D. Act in which the industries which may be declared to be public utility service under Sub-Clause (vi) of Clause (n) of Section 2 of I.D. Act are given. Thus the Parliament itself treated the Respondent as an industry. Now the Respondent cannot plead that it is not an industry. The India Government Mints and India Security Press are added in the first Schedule by Notification No. S.O. 2/93 dt. 30-6-65 published in Gazette of India Part II Section 3(ii) dt. 10-7-1965 page 2340. Relying upon the above circumstance the Madhya Pradesh High Court held in the General Manager, Security Paper Mill, Hoshangabad v. Hari Shankar Namdeo and ANR. (1980 Lab. I.C. Page 367) that the Security Paper Mill, Hoshangabad is an industry as defined in Section 2(i) of the I.D. Act I, therefore, hold the Respondent is an industry. So this point is held in favour of the Petitioner-workmen.

7. POINT (2) :—The Respondent gave a notice dt. 16-1-1988 under Section 9-A of the I.D. Act proposing to enhance the working hours for the staff of the Mint as well as the Printing Press. Thereupon some staff and the Union filed O.As 27, 39, 71 and 74 of 1988 questioning the said notices. The Central Administrative Tribunal by Ex. M1

Order dt. 16-5-88 dismissed the said petition holding that there is no discrimination between the staff who are industrial workers and other Central Government employees as the working hours are within the outer limit fixed in the Factories Act. It was pleaded in the present counter that during the pendency of the similar cases in other Courts and Tribunals the Government took a policy decision that this matter should be kept in abeyance for some time and review the subject after all the Tribunals disposed of the matters. So the notice in dispute dt. 25-3-1992 was given. Thereafter some more notices appear to have been given. The petitioner workmen approached the Assistant Commissioner of Labour for conciliation and he sent the failure report. The Government did not refer the matter. So the Union approached the High Court and got Ex. 2 order directing to Central Government to refer the matter. Ex. W3 notice increasing the working hours from 13-9-94 was given on 12-9-1994. The Petitioner Union approached the High Court and obtained the stay. The stay was granted for short duration by the High Court and it was not extended. So the working hours were implemented by Ex. W3 from 13-9-1994.

8. The learned counsel for the Respondent argued that as the earlier notice was held to be valid by the Central Administrative Tribunal, the workmen cannot reagitate the same matter once again and they are prevented by principles of resjudicata. The Respondent is not correct. A reading of para 5 of Ex. M1 Judgement Central Administrative Tribunal shows that the Respondent itself took a plea that the petitioner-Union can approach the Industrial Tribunal through conciliation machinery as a notice under Section 9-A of the I.D. Act is given and this application is not maintainable. The Central Administrative Tribunal also directed the petitioner union to approach this Tribunal under I.D. Act by observing as follows :

"It is not as though that the workers are left with no remedy in regard to the decision taken following a notice U/S. 9-A of the I.D. Act. It is always open to seek conciliation and thereafter raise an industrial dispute and establish the right in any competent industrial Court. On the ground that the decision to increase the hours of work is not opposed to a statute, it cannot be held that the decision taken following the issue of a notice U/S. 9-A of the I.D. Act is arbitrary and illegal."

As the Respondent-Management did not implement the notice in 1988 even after Ex. M1 Judgement, the Union kept quite. When the management started to give notices again, they moved the conciliation machinery and got a reference made to this Tribunal, by approaching the High Court.

9. There is also force in the contention of the learned counsel for the petitioner that the earlier

judgement was with regard to the notice given in 1988 and the present dispute is with regard to the latest notice and so there is no res judicate. The learned counsel for the petitioner also relied upon the decision reported in *Workmen of Balmer Lawrie and Co. Ltd. v. Balmer Lawrie and Co. Ltd.* and ANR (AIR 1964 S.C. Page 728) wherein the Supreme Court held that while dealing with the industrial matters, industrial adjudication should not normally encourage technical pleas. I, therefore, hold that the dispute is not barred by principles of res judicata.

10. POINT (3).—The Petitioners are working as Clerical Staff in Security Printing Press, Hyderabad. They consist of Lower Division Clerks and Upper Division Clerks etc. Originally there was a Mint at Hyderabad. The Security Printing Press was started in the same compound in 1982, some of the staff of the Mint opted for Printing Press and the remaining staff were recruited by the Staff Selection Committee of the Central Government. They have been working for 37½ hours a week spread in 5½ days of a week. There are industrial workers also in the factory or Press proper. The workmen in the Press are working for 44 hours per week. There was Pay Revision in 1986. The report of the Fourth Pay Commission in its entirety is not placed before this Tribunal by either of the parties. The Industrial Tribunal, Jabalpur Bench extracted the relevant portion of the report with regard to the Mints and Printing Press in para 4 of page 10 of Ex. M 2 Judge-ment as follows :—

“The recommendation of the Fourth Pay Commission in respect of Security Paper Mill in para 10.174 has been cited as follows:—

“The normal working hours for the Mints and Presses are 44 hours per week. However except for the Mill Hoshangabad which is working in 2 shifts all other units are functioning extended working hours, which range from 54 to 65 hours per week. For these extended hours of work, the workers are given Over time allowance and incentive payments which presently working out to about 14 per cent of the emoluments.”

Having observed as above, in Fourth Pay Commission recommended to increasing the working hours of office staff from 37½ hours. The Government accepted it and increased the same to 40 hours per week. The actual recommendation and the orders of the Government shown in Ex. W6 and as printed in page 27 of Swamy's Compilation of Central Services Revised Rules, 1986 as follows :—

RECOMMENDATION OF FOURTH PAY COMMISSION :

37½ Hours of work :	Decision of Government
Working hours of Office staff which are at present 37½ hours a week may be reviewed by Government and increased suitably keeping in view the need to maintain and improve the level of productivity.	Accepted Number of working hours shall be increased to 40 hours per week by adding half an hour per working day.

Thereafter the Government issued Ex. W 4 is a part of the report of the Pay Commission at para 26.6 reads as follows :—

“We further suggest that the working hours of office staff, which are at present 37½ hours a week, may be reviewed by Government and increased suitably keeping in view the need to maintain and improve the level of productivity. With the introduction of 5-day week system in Government Offices, the employees should be willing to put in some extra hours of work on the working days. This will reduce the disparity in the working hours among the Industrial, operative and office staff to some extent. We recognize that total removal of disparity may not be possible for the present.”

11. Thereafter the Government issued Ex. W 5 Office Memorandum No. 13/11/86-JCA dated 7-11-1986 increasing the working hours from 37½ hours per week to 40 hours per week from 17-11-1986. It is implemented in the Ministries and Departments of Government of India and all other offices of Government of India in Mofussil.

12. While five days a week and 40 hours a week were introduced in all Government Offices, 5½ days in a week and 37½ hours a week continued in these Mints and Security Printing Presses. Then the Government of India wanted to fix separate working hours to the Mints and Printing Presses which are considered to be industries. They wanted to increase the working hours to 44 hours a week. The Ministry of Finance gave Ex. M 9 clarification dated 24-12-1986 that the office memorandum dated 7-11-1986 (Ex. W5) is not applicable to these Mints and Printing Presses. The Ministry of Defence, Government of India sent Ex. M10 letter dated 28-10-1987 to the General Manager of the Press and Security Paper Mill Hoshangabad to implement the decision to increase the working hours to 44 hours per week and issue a notice under Section 9-A of the I.D. Act. The Government of India also clarified by

Ex. M11 letter dated 9-3-1988 that the provision of the working hours had the concurrence of the President of India.

13. As stated already, there was a litigation in the Central Administrative Tribunals at several places initiated by the staff and the employees of Printing Presses. So the decision was kept in abeyance. Again the Government of India sent Ex. M12 letter dated 18-9-1991 to implement the Order and issue 7 days notice also under Factories Act. Thereupon the notices in dispute was given in 1992, when there was failure of the conciliation. The Finance Department directed the Respondent to revise the working hours. When the stay granted by the High Court lapsed, the revised working hours are implemented from 13-9-1994 by Ex. W 3 notice.

14. The contention of the learned counsel for the Petitioner was that while pay was equally increased for all the Central Government employees, the working hours are increased from 37½ hours to 44 hours a week to staff in the Press, while the working hours are only increased from 37½ hours to 40 hours a week to other Central Government employees and even to the workers in the Mint who are working in the same compound. It is also argued that the service conditions cannot be increased by an Administrative Order and it can only be made under the proviso to Article 309 of the Constitution of India. It is contended for the Respondent that the staff working in the Press are covered by the Factories Act just like other workers in the factory. The workers in the Shop Floor are working for 44 hours a week and so the Petitioner staff should also work for 44 hours a week. It was also argued that outer limit in Section 51 of the Factories Act is 48 hours per week and so the petitioner cannot complain when the working hours are increased to 44 hours.

15. The contention of the staff working in Mints and Printing Press in this regard was rejected by the Hyderabad and Jabalpure Branches of Central Administrative Tribunal by Exs. M1 & M 2 Judgements. The Central Administrative Tribunal, Jabalpure Bench pointed out that the industrial units like Railways and Defence, which are under the control of the Central Government, are working between 44 to 48 hours a week.

16. The Petitioner workmen are governed by the provisions of the Factories Act and Industrial Disputes Act, 1947. They are entitled to minimum one month's bonus under the Payment of Bonus Act as industrial workers whereas the other Government servants are not entitled to bonus. I am informed that other Government servants are also being given some production incentives of wages for 22 days in a year. The petitioner workmen as industrial workmen can approach the Industrial Tribunal in the first instance and then the High Court and Supreme Court for

redressal of their grievances whereas the other Central Government servants can approach the Central Administrative Tribunal and Supreme Court only. The Petitioner workmen have extra benefits than the other Central Government employees. The Respondent would have done well by extracting all the advantages the petitioners have then the other usual Central Government clerical staff. Instead of doing so they have relied upon the Factories Act only and filed some documents. The Petitioner cannot compare themselves with other Central Government employees. The Respondent Management has got a right to extract work from them for 48 hours a week without paying any extra remuneration or over time wages. They are entitled to over time wages only when they work beyond 48 hours a week.

17. The learned counsel for the Petitioner argued that the service condition of the Petitioners cannot be changed by Administrative Order and service condition can be changed under proviso to Art. 309 of the Constitution of India by following the procedure. In this connection he relied upon the decision reported in *State of Mysore v. Padmanabhacharya* (AIR 1966 S.C. Page 602) and in *Paluru Ramkrishnaiah v. Union of India* [1989 (2) S.C.C. Page 541]. The Finance Department has stated in Ex. M 11 dated 9-3-1988 that the increase in the working hours from 37½ hours per week to 44 hours a week has the concurrence of the President of India. So the proviso to article 309 of the Constitution of India is satisfied.

18. In the result, an Award is passed holding that the Respondent is justified in increasing the working hours from 37½ hours to 44 hours a week. The petitioners are not entitled for any relief.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 19th day of December, 1996.

V. V. RAGHAVAN, Industrial Tribunal-I, Hyd.

APPENDIX OF EVIDENCE

Witness examined for
the Petitioner.

W.W.1 M. Satya Babu.

Witnesses examined for
the Respondent.

M.W.2 M. Shyam Sunder.

M.W.2 K. Devendredu.

Documents marked for the Petitioner.

Ex. W1 17-6-94 Xerox copy of the notice issued to the Petitioner by the Management for increasing the working hours.

- Ex. W2 Xerox copy of the order in WP No. 12081/94.
- Ex. W3 12-9-94 Xerox copy of the notice regarding the change of working hours.
- Ex. W4 Extract of Pay Revision Commission at 26 page.
- Ex. W5 7-11-86 Xerox copy of Office Order dated 7-11-86.
- Ex. W6 by consent Extract xerox copy of Pay Revision Commissioner at Page 27 & 28 of Fourth Pay Commission.

Documents marked for the Respondent

- Ex. M1 Xerox copy of the Order dt. 16-5-85 in O.A. Nos. 27/88 & Batch of Hyderabad Bench of Central Administrative Tribunal.
- Ex. M2 Xerox copy of the Order in O.A. No. 94 of 1988 Central Administrative Tribunal Bench, Jabalpure.
- Ex. M3 12-11-92 Xerox copy of the Order in O.A. No. 732/92 and Batch on the file of Central Administrative Tribunal Bench, Bombay.
- Ex. M4 15-12-93 Xerox copy of the failure report submitted in the matter of issue of working hours by Regional Labour Commissioner (Central).
- Ex. M5 Xerox copy of the conciliation proceedings.
- Ex. M6 17-6-94 Xerox copy of the notice of change of service condition U/S 9-A of the I.D. Act.
- Ex. M7 Xerox copy of the High Court Order in WPMP No. 14621/94 in WP No. 12031/94.
- Ex. M8 9-7-94 Xerox copy of the letter regarding abeyance of Ex. M6.
- Ex. M9 24-12-86 Letter from the Govt. of India, Ministry of Finance to the General Manager, Indian Govt. Mint.
- Ex. M10 28-10-87 Copy of the letter regarding revision of normal hours of work for the office staff from 37½ hours to 44 hours per week from Ministry of Finance issued to the Respondent.
- Ex. M11 9-3-88 Copy of the letter regarding revision of normal hours of work for the office staff from 37½ hours to 44 hours per week from Ministry of Finance issued to the Respondent.
- Ex. M12 18-9-91 Copy of the letter regarding revision of normal hours of work for the office staff from 37½ hours to 44 hours per week from Ministry of Finance issued to the Respondent.

- Ex. M13 2-5-94 Copy of the letter regarding revision of normal hours of work for the office staff from 37½ hours to 44 hours per week from Ministry of Finance issued to the Respondent.

नई दिल्ली, 8 जनवरी, 1997

का.आ. 524.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार मै. सी.सी.एल. का कथारा वाशरी के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच, अनुबन्ध में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, 1, धनबाद के पंचपट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 7-1-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-20012/337/89 आई आर (सी-1)]
ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 8th January, 1997

S.O 524.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the award of the Central Government Industrial Tribunal-1, Dhanbad as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of Kothara washery of M/s. CCL. and their workmen, which was received by the Central Government on 7-1-97.

[No. L-20012/337/89-IR(C-J)]

BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

In the matter of reference under section 10(1)(d)(2A) of the Industrial Disputes Act, 1947.

Reference No. 135 of 1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kathara Washery of M/s. C.C. Ltd.

AND

Their Workmen

PRESENT :

Shri Tarkeshwar Prasad, Presiding Officer

APPEARANCES :

For the Employers.—Shri R. S. Murthy, Advocate.

For the Sponsoring Union, R.C.M.S.—Shri S. Bose, Secretary.

For the Workmen in part.—Shri D. Mukherjee, Advocate.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dated. the 1st January, 1997

AWARD

By Order No. L-20012(337)/89-IR. (Coal-I) dated the 5th June, 1990, the Central Government in the Ministry of Labour has, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) and sub-section (2A) of Section 10 of

the Industrial Disputes Act, 1947, referred the following dispute for adjudication to this Tribunal :—

“Whether the action of the management of Kathara Washery of Central Coalfields Ltd. P.O. Kathara, Dist. Giridih by not regularising/departmentalising S/Shri Sahdeo Yadav and 235 others (as per list furnished by the union) is legal and justified? If not, to what relief the workmen concerned are entitled?”.

2. The schedule of this reference covers 236 workers. But the Union claimed that the actual strength of such contractor workers is 279 and therefore, the union demanded that the management should regularise all the 279 workers. So far the persons covered under this reference, the management and the union agreed to settle the dispute out of court. Thereafter the management and the union agreed to resolve the issue finally by giving employment to 174 persons leaving the rest 62 and accordingly, a compromise petition was filed duly signed by both the parties. I have gone through terms of settlement and I find them quite fair and reasonable. I allow the prayer and pass an award in part in terms of the settlement. The memorandum of settlement shall form part of this award. The dispute of remaining 62 persons shall continue in the further proceeding.

3. Let a copy of this award be sent to the Ministry as required under Sec. 15 of the I.D. Act, 1947.

TARKESHWAR PRASAD, Presiding Officer

ANNEXURE-V

RASHTRIYA COLLIERY MAZDOOR SANGH

(Regd. No. 491, I.N.T.U.C. Affiliation No. 1159)

MICHAEL JOHN
SMRITI BHAWAN
RAJENDRA-PATH
Post Box No. 22
DHANBAD-826001.
Ref. No. 5/88 (KTW)
To,

The A.L.C. Hazaribagh(c)

Respected Sir,

BRANCH :
KATHARA WASHERY
P.O. KATHARA (Giridih)
Dated, 28-10-88

The Name of 236 Workmen working at Slurry pond Kathara Washery, Case No. 1/65/88 are mentioned below :—

1. Sahdeo Yadav
2. Shanker ..
3. Peyarelal ..
4. Vim ..
5. Yogender ..
6. Sivnath ..
7. Md. Eqbal
8. Md. Yunus
9. Md. Qamrudding
10. Samsul Hoda
11. Rahat Hussain
12. Md. Jamal
13. Jitan Yadav
14. Ram Kisun ..
15. Kuleswar ..
16. Madhu ..
17. Rohit ..
18. Hemlal ..
19. Safiuddin
20. Mohib Ansari
21. Islam No. I
22. Islam No.2
23. Md. Irfam
24. Lakhna Yadav

25. Vunu ..
26. Wileswer ..
27. Permod ..
28. Md. Asfaque
29. Md. Abbas
30. Qamrul No. I
31. Qamrul No. 2
32. Dhaneswer Yadav No. I
33. Kameswer ..
34. Ramdas ..
35. Basudeo .., No. 1
36. Basudeo .., No. 2
37. Basudeo .., No. 3
38. Yadu Yadav
39. Halim
40. Khatibullah
41. Talim Ansari
42. Vuneswer Yedav
43. Choti ..
44. Govind ..
45. Md. Jamir
46. Md. Mokhtar
47. Md. Haroon
48. Mustaqim
49. Rameswer Yadav
50. Roshan Yadav No. I
51. Bigan Yadav
52. Sugam Yadav
53. Maheswar Yadav
54. Dhaneswer Yadav
55. Rosan Yadav No. II
56. Abdul Barik
57. Rahis Ansari
58. Munsir Rabidas
59. Kalim No. 2
60. Tulsi Yadav
61. Dhaneswer No. 3
62. Kalim No. I
63. Alimudding No. I
64. Md. Afaq
65. Asique Ansari (Idrish)
66. Sahbhu Yadav
67. Deo Narayan Yadav
68. Yokendra Yadav
69. Fulchand Yadav
70. Fzarat Hussain
71. Alam No. 3 (Moyim)
72. Badrudding No. I
73. Dlip Kumar
74. Ashok Kumar
75. Sudhir Kumar
76. Imtiyaz
77. Sajad
78. Khemlal Yadav
79. Bindeswer Yadav
80. Alam No. I
81. Md. Raqib
82. Sayub
83. Abdul Manan
84. Md. Kasim
85. Sanjay Kr. Mishra
86. Ramadhar Yadav
87. Khiredhar Yadav
88. Piyari Yadav
89. Nirmal Yadav
90. Md. Nasir
91. Mobin
92. Brisketu

93. Rabbani No. I
94. Baleswer Yadav No. I
95. Ramlakhan Yadav
96. Dinesh Yadav
97. Rabbani No. 2
98. Arsad No. I
99. Arsad No. 2
100. Beni Yadav
101. Iswer Yadav
102. Tuplal Yadav
103. Baleswer Yadav No. 2
104. Abul Hasan
105. Alaudding
106. Rayaz (Salamudding)
107. Naresh Mahato
108. Vuneswer Yadav
109. Suresh Mahto
110. Md. Hayat
111. Atharul Haque
112. Gulsarif
113. Paras Yadav
114. Maheswer Yadav
115. Narayan Yadav
116. Ramesh Kumar
117. Kumal Kant
118. Puran Yadav
119. Md. Quadir
120. Alimudding (Sandul)
121. Zafar Imam
122. Fulchand Yadav
123. Lachmi Narayan
124. Narayan
125. Md. Ayaz
126. Sharif.
127. Vumeshwer Yadav
128. Nageswer Yadav
129. Yaddu Yadav
130. Ishaque
131. Badrudding
132. Saharuddin
133. Ashok Yadav
134. Nem Chand Yadav
135. Idrish (S/o. Pachu)
136. Rabindra Kr. Yadav
137. Abdur Rohim
138. Lalchand Yadav
139. Abdul Zabbar
140. Devki Yadav
141. Sameudding No. I
142. Islam No. IV
143. Mandil Yadav
144. Jai Kishore Yadav
145. Bijoy Yadav
146. Md. Asique
147. Md. Khaliq
148. Md. Sakir
149. Retan Kumar
150. Sukhlal Yadav
151. Mohsin
152. Nur Hasan
153. Baijnath Yadav
154. Dasrath Yadav
155. Bijoy Kumar
156. Zakir
157. Reyaz
158. Mazloom No. 2
159. Suvehandra
160. Seryu Rabidas
161. Veneshwer Yadav
162. Nur Alam
163. Guljar
164. Sayam Sunder Gope
165. Ghaneshayam Rajwar
166. Ali Box
167. Wakil
168. Mehilal Yadav
169. Shiv Shanker Yadav
170. Tajuddin
171. Tajmul
172. Baikunt Yadav
173. Naresh Mahto
174. Sikandar
175. Md. Usman
176. Ajay Kr. Ram
177. Ram Pd. Yadav
178. Chando Yadav
179. Nemul Haque
180. Md. Gayani
181. Mohiuddin
182. Razaque No. 1
183. Razaque No. 2
184. Balmakun Yadav

Basawan Group

185. Ram Nath Yadav
186. Makbul
187. Chhuttu Mia
188. Om Prakash
189. Bisun Razwar
190. Rohit Lal
191. Shayam Chand Yadav
192. Anil Kumar
193. Avinas Kumar
194. Sunil Kumar
195. Kalikant
196. Surender
197. Govind Mishra
198. Rabindra Kumar
199. Indrukuber
200. Sentosh Kumar
201. Awadh Kumar
202. Murtaza
203. Samiruddin
204. Sukar Mahto
205. Asgar.
206. Alimuddin No. II
207. Zemiruddin
208. Ramesh Gope
209. Islam No. 3
210. Basawan Singh
211. Nakul Singh
212. Sameuddin No. II
213. Wali Md.
214. Gafur
215. Khalil
216. Zabir
217. Md. Yasin
218. Nasiruddin
219. Kharhar Singh
220. Basudeo Turi
221. Khirodhar Turi
222. Mazloom No. I
223. Md. Usuf
224. Ali Hasan
225. Anant Lal Turi
226. Lakhan Singh

227. Razaque No. 3
228. Rafique
229. Narayan Singh
230. Kameswar Singh
231. Mahabir Singh
232. Baidhnath Singh
233. Govind Thakur
234. Bigan Mahto
235. Bigan Singh
236. Panchanan Singh.

Yours faithfully,

S. K. MISHRA, Organising Secy. (R.C.M.S.)

Kathara Washery.

[No. L-20012(337)/89-IR(C-I)]

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL
TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD

Reference No. 135 of 1990

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kathara
Washery of Central Coalfields Ltd., P.O. Kathara,
Dist. Dhanbad

AND

Their workmen (Through Rashtriya Colliery Mazdoor
Sangh)

Petitioner for Settlement of the Industrial Dispute under
Reference

Most respectfully beg to submit as under :—

1. That the aforesaid matter is pending before this Honourable Tribunal for adjudication.
2. That the matter has been fixed for submission of settlement on 12-4-94.
3. That the parties in the meantime have arrived at a settlement dated 4-3-94 and decided to submit the same on the 7th March, 1994 and would pray that the date may kindly be advanced from 12-4-94 to 7-3-94.
4. That required number of copies of the settlement dated 4-3-94 is filed and beg to pray that necessary orders as may deem fit and proper may kindly be passed and an award in terms of the settlement may also be passed.

For this act of kindness
the workmen as in duty bound
shall ever pray.

Dated : 7-3-94.

ANNEXURE "B" TO THE JOINT COMPROMISE PETITION OF EMPLOYERS IN RELATION TO THE MANAGEMENT OF KATHARA WASHERY OF CENTRAL COALFIELDS LTD. AND THEIR WORKMEN, SPONSORING UNION DATED 4-3-94 SUBMITTED TO THE HON'BLE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 DHANBAD IN REF. NO. 135/90 PENDING BEFORE IT.

Sl. No. in Annexure to Ref. Order	Name of Workman
1	2
52. Shri Sugan Yadav	
64. Shri Md. Afaq	
68. Shri Yogendra Yadav	
71. Shri Alam No. 3	
74. Shri Ashok Kumar	
75. Shri Sudhir Kumar	
83. Shri Abdul Manan	
120. Shri Naimuddin	
127. Shri Bhuneshwar Yadav	
142. Shri Alam No. 4	
147. Shri Md. Khaliq	
148. Shri Md. Sakir	

157. Shri Riyaz
160. Shri Sarju Rabidas
164. Shri Shyam Sunder Gope
165. Shri Ghanshyam Rajwar
168. Shri Mohilal Yadav
169. Shri Sheo Shankar Yadav
172. Shri Baikunth Yadav
174. Shri Sikander
177. Shri Ram Prasad Yadav
179. Shri Nemul Haque
184. Shri Bal Makun Yadav
189. Shri Bishun Rajwar
190. Shri Rohit Lal
191. Shri Shyam Chand Yadav
193. Shri Avinash Kumar
194. Shri Sunil Kumar
201. Shri Awadh Kumar
208. Shri Ramesh Gope
210. Shri Basawan Singh
211. Shri Nakul Singh
212. Shri Samsuddin No. II
213. Shri Wali Mohammad
214. Shri Gaffur
215. Shri Khalil
216. Shri Zahir
217. Shri Md. Yasin
218. Shri Nasiruddin
219. Shri Kharhar Singh
220. Shri Basudeo Turi
221. Shri Khirodhar Turi
223. Shri Md. Yusuf
224. Shri Ali Hassan
225. Shri Anant Lal Turi
226. Shri Dukhan Singh
227. Shri Rajak No. III
228. Shri Rafique
229. Shri Narayan Singh
230. Shri Kameshwar Singh
231. Shri Mahabir Singh
232. Shri Govind Thakur
234. Shri Bigan Mahto
235. Shri Bigan Singh
236. Shri Panchanan Singh
22. Shri Islam No. II
107. Shri Naresh Mahto
42. Shri Bhuneshwar
232. Shri Baijnath Singh
206. Shri Allimuddin No. II

Sd/-

(R. B. TRIPATHY)

Area Secretary, R.C.M.S.,

Kathara Area

For and On behalf of Workmen.

Sd/-

(S. K. PURI)

General Manager, Kathara Area
Central Coalfields Ltd.

Sd/-

(N. K. Jha)

Project Officer, Kathara Washery
Central Coalfields Ltd.

Sd/-

(LAKHAN PRASAD)

Dy. Chief Personnel Manager (KTA),
Kathara Area,
Central Coalfields Ltd.

WITNESSES :

1. Sd/-
2. Sd/-

ANNEXURE "A" TO THE JOINT COMPROMISE PETITION OF EMPLOYERS IN RELATION TO THE MANAGEMENT OF KATHARA WASHERY OF CENTRAL COALFIELDS LTD. AND THEIR WORKMEN/SPONSORING UNION DATED 4-3-94 SUBMITTED TO THE HON'BLE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1 DHANBAD IN REF. NO. 135/90 PENDING

BEFORE IT.

Sl. No. in Annexure Name of workman
to Reference Order

1. Sri Sahdeo Yadav
2. Sri Shankar Yadav
3. Sri Payare Lal Yadav
4. Sri Vim Yadav
5. Sri Yogendra Yadav
6. Sri Sheonath Yadav
13. Sri Jitan Yadav
14. Sri Ramkishun Yadav
15. Sri Kuleshwar Yadav
50. Sri Roshan Yadav No. I
54. Sri Dhaneshwar Yadav
16. Sri Madhu Yadav
25. Sri Vunu Yadav
18. Sri Hemlal Yadav
24. Sri Lakhan Yadav
17. Sri Rohit Yadav
26. Sri Baleshwar Yadav
44. Sri Govind Yadav
49. Sri Rameshwar Yadav
32. Sri Dhaneshwar Yadav No. I
34. Sri Ramdas Yadav
38. Sri Yadu Yadav
161. Sri Bhuneshwar Yadav
60. Sri Tulshi Yadav
136. Sri Rabindra Kumar Yadav
57. Sri Rahish Ansari
156. Sri Zakir
181. Sri Mohiuddin
63. Sri Alimuddin
152. Sri Noor Hassan
19. Sri Safiuddin
93. Sri Rabbani No. 1
132. Sri Saharuddin
86. Sri Makbul
131. Sri Badruddin
158. Sri Mazloom No. 2
180. Sri Md. Giyani
130. Sri Ishaque
141. Sri Samsuddin No. I
84. Sri Md. Kashim
204. Sri Sukar Mahto
99. Sri Arsad No. 2
116. Sri Ramesh Kr. Mishra
73. Sri Dilip Kr.
197. Sri Govind Mishra
159. Sri Subhchandra
176. Sri Ajay Kr. Ram
149. Sri Ratan Kumar
117. Sri Kamal Kant
195. Sri Kali Kant
199. Sri Indra Kuber
188. Sri Om Prakash
70. Sri Tezarat Hussain
80. Sri Alam No. 1
31. Sri Kamrul No. II
104. Sri Abul Hassan
97. Sri Rabbani No. II

98. Sri Arsad No. I
121. Sri Zaffar Imam
106. Sri Md. Riaz
90. Sri Md. Nasir
163. Sri Md. Gulzar
137. Sri Abdul Rahim
222. Sri Mazloom No. I
125. Sri Md. Ayaz
110. Sri Md. Hayat
105. Sri Alauddin
135. Sri Md. Idrish
51. Sri Bigan Yadav
95. Sri Ramlakhan Yadav
61. Sri Dhaneshwar No. III
53. Sri Maheshwar Yadav
66. Sri Shambhu Yadav
67. Sri Deonarayan Yadav
86. Sri Ramdhan Yadav
87. Sri Khirodhar Yadav
89. Sri Nirmal Yadav
94. Sri Baleshwar Yadav No. I
102. Sri Tuplal Yadav
100. Sri Beni Yadav
69. Sri Fulchand Yadav
96. Sri Dinesh Yadav
35. Sri Basudeo Yadav No. I
88. Sri Piyari Yadav
101. Sri Ishwar Yadav
103. Sri Baleshwar Yadav No. II
56. Sri Abdul Barique
81. Sri Md. Raquib
77. Sri Md. Sajjad
207. Sri Zamiruddin
82. Sri Sayub
183. Sri Razaque No. II
58. Sri Munshi Rabidas
187. Sri Chhotu Ansari
170. Sri Tazuddin
203. Sri Samiruddin
182. Sri Razaque No. I
72. Sri Badruddin No. I
76. Sri Md. Imtyaz
167. Sri Wakil
166. Sri Ali Baksh
30. Sri Kamrul No. I
48. Sri Mustakim
62. Sri Kalim No. I
59. Sri Kalim No. II
171. Sri Tajmul
29. Sri Abbas
146. Sri Ashique
209. Sri Ishlam No. III
205. Sri Asgar
27. Sri Pramod Yadav
55. Sri Roshan Yadav No. II
43. Sri Chhoti Yadav
37. Sri Basudeo Yadav
78. Sri Khemlal Yadav
79. Sri Bindeshwar Yadav
113. Sri Paras Yadav
115. Sri Narayan Yadav
144. Sri Jaikishore Yadav
123. Sri Lakshmi Narayan Yadav
133. Sri Ashok Yadav
108. Sri Bhuneshwar Yadav
134. Sri Nemchand Yadav
36. Sri Basudeo Yadav
143. Sri Mandil Yadav

ANNEXURE

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD
Reference No. 135/90

PARTIES :

Employers in relation to the Management of
Kathara Washery of Central Coalfields
Ltd., P.O. Kathara, Dist. Bokaro.

AND

Their Workmen.

Joint compromise petition of employers and work-
men/Sponsoring Union.

The above mentioned employers and the work-
men/Sponsoring Union most respectfully beg to
submit jointly as follows :—

- (1) That the employers and the workmen/
Sponsoring Union have negotiated the
matter covered by the above reference
with a view to arriving at an amicable
and mutually acceptable settlement
and it was agreed between the parties
on 9-8-1993 that the said matter/dispute
would be so settled.
- (2) That in pursuance of the negotiations as
referred to in para (1) above, the
Management constituted a Committee of
Officers for verification of the muster
rolls, wage-sheets etc. of the workers
maintained by the contractors and such
verification revealed that only 174 persons
referred to in the Annexure to the
Reference Order were working with the
Contractors on the date of the Reference
Order i.e. 5-6-1990 and S/Sri Ramnath
Yadav Sl. No. 185 and Surendra Sl. No.
196 were engaged by the contractor after
the said date of reference. It was further
revealed by the said verification that 60
persons referred to in the Annexure to
the Reference Order did not work with
any contractor and their names do not
find place in the records of any
contractor.
- (3) That the names of the aforesaid 174
workers referred to in para (2) above as
having been found working with the
contractors are indicated in Annexure-'A'
hereto and the names of remaining 60
workers other than S/Sri Ramnath Yadav
and Surendra are embodied in Annexure-
'B' hereto. The names of S/Sri Ramnath
Yadav and Surendra have been given in
Annexure-'C' hereto.
- (4) That on the basis of verification as carried
out by that Committee constituted by the
management and the results thereof as

140. Sri Deoki Yadav
129. Sri Yaddu Yadav
118. Sri Puran Yadav
122. Sri Fulchand Yadav
114. Sri Maheshwar Yadav
128. Sri Nageshwar Yadav
153. Sri Baijnath Yadav
138. Sri Lalchand Yadav
154. Sri Dashrath Yadav
150. Sri Sukhlal Yadav
173. Sri Naresh Mahto
124. Sri Narayan Yadav No. II
145. Sri Vijay Yadav
7. Sri Md. Egbal
8. Md. Yunus
9. Md. Kamruddin
10. Sri Samsul Hoda
12. Sri Md. Jamal
11. Sri Rahat Hussain
20. Sri Mohib Ansari
21. Sri Islam No. I
23. Sri Md. Irfan
28. Sri Md. Asfaque
45. Sri Md. Zamir
46. Sri Md. Mukhtar
40. Sri Khatibullah
41. Sri Md. Taim Ansari
39. Sri Md. Hatim
126. Sri Shariff
202. Sri Murtaza
139. Sri Md. Zabbar
91. Sri Md. Mobin
47. Sri Harun
151. Sri Md. Mohasin
162. Sri Noor Alam
65. Sri Md. Ashique
112. Sri Md. Gulshariff
111. Sri Atharul Haque
119. Sri Qadir
178. Sri Chando Yadav
33. Sri Kameshtwar Yadav
109. Sri Suresh Mahto
92. Sri Brisketu
192. Sri Anil Kr.
85. Sri Sanjay Kr. Mishra
198. Sri Rabindra Kumar
200. Sri Santosh Kr.
155. Sri Bijay Kumar
175. Sri Md. Ushman.

Sd/-

(R. B. TRIPATHY)

Area Secretary.

R.C.M.S., Kathara Area

For and on behalf of Workmen.

Sd

(S. K. PURI)

General Manager, Kathara Area
Central Coalfields Ltd.

Sd/-

(N. K. JHA)

Project Officer, Kathara Washery
Central Coalfields Ltd.

Sd/-

(LAKHAN PRASAD)

Dy. Chief Personnel Manager,
Kathara Area
Central Coalfields Ltd.

WITNESSES :

1. Sd/-
2. Sd/-

indicated in Para (2) above, the Employers and the workmen/Sponsoring Union have agreed mutually to settle the dispute/matter covered by the above reference on the following terms and conditions on an overall basis :—

- (a) It is agreed that the Management shall provide employment and absorb in its service the 174 workers referred to in Annexure-'A' hereto within a fortnight of this Joint Compromise Petition being signed by the Parties as Piece-rated workers for underground jobs according to availability of jobs. The wages payable to them will be regulated as per N.C.W.A. IV depending on the job/jobs that they are engaged.
- (b) It is agreed that the Management shall have the right to post them in the underground mines on P. R. Jobs according to its discretion and requirements either in the Units in Kathara Area of Central Coalfields Limited or other Areas etc. from time to time.
- (c) It is agreed that in respect of the 60 workers covered by Annexure-'B' hereto, they shall not be entitled to employment/absorption under the Management and the Sponsoring union foregoes the claim in respect of them.
- (d) It is agreed that in regard to S/Sri Ramnath Yadav (Sl. No. 185) and Surendra (Sl. No. 196) covered by the Annexure-'C' hereto their cases will be discussed further between the management and the Sponsoring Union and a decision shall be taken.
- (e) It is agreed that this is an overall settlement in full and final settlement of all the claims of the workmen concerned/Sponsoring Union arising out of the above reference.

- (5) That the Employers and the workmen/Sponsoring Union consider and hereby declare that the aforesaid terms and conditions of settlement are fair, just and reasonable to both the Parties.

In view of the above, the Employers and the Workmen/Sponsoring Union jointly pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to accept the above joint compromise petition and dispose of the above reference accordingly by giving an award in terms thereof.

And for this both the parties shall ever remain grateful.

Sd/-
(R. B. TRIPATHY)
Area Secretary,
R.C.M.S. Kathara Area

Sd/-
(S. K. PURI)
General Manager,
Kathara Area,
Central Coalfields Ltd.

For and on behalf of Workmen. / For & on behalf of Employers.

Witnesses : Sd/-
1. Sd/- (N. K. JHA)
2. Sd/- Project Officer,
Kathara Washery,
Central Coalfields Ltd.

For & on behalf of Employers

Sd/-
(LAKHAN PRASAD)
Dy. Chief Personnel Manager,
Kathara Area,
Central Coalfields Ltd.

For and on behalf of Employers

Sd/-
(RAL. S. MURTHY)

Advocate
For Employers

Dated : 4-3-1994.

ANNEXURE "C" TO THE JOINT COMPROMISE PETITION OF EMPLOYERS IN RELATION TO THE MANAGEMENT OF KATHARA WASHERY OF CENTRAL COALFIELDS LTD. AND THEIR WORKMEN/SPONSORING UNION DATED 4-3-94 SUBMITTED TO THE HON'BLE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD IN REF. NO. 135/90 PENDING BEFORE IT.

Sl. No. in Name of workman.

Annexure to
Ref. order.

185.	Sri Ram Nath Yadav.
196.	Sri Surendra.

Sd/-
(S. K. PURI)
General Manager,
Kathara Area,
Central Coalfields Ltd.

Sd/-
(R. B. TRIPATHY),
Area Secretary,
R.C.M.S., Kathara Area,

Sd/-
(N. K. JHA),
Project Officer,
Kathara Washery,
Central Coalfields Ltd.

For & on behalf of
Workmen.

(LAKHAN PRASAD),
Dy. Chief Personnel Manager,
Kathara Area,
Central Coalfields Ltd.

WITNESSES :—

1. Sd/- illegible
2. Sd/- illegible

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 1997

का.आ. 525.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार भारतीय जीवन बीमा निगम के प्रबन्धतंत्र के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबन्ध में निदिष्ट औद्योगिक विवाद में, केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कानपुर के पंचपट से प्रकाशित करती है जो केन्द्रीय सरकार को 15-01-97 को प्राप्त हुआ था।

[संख्या एल-17012/15/94-आई आर (बी-2)]

ब्रज मोहन, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 16th January, 1997

S.O. 525.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Kanpur as shown in the Annexure in the Industrial Dispute between the employers in relation to the management of LIC of India and their workmen, which was received by the Central Government on 15-1-97.

[No. L-17012/15/94-IR(B-2)]
BRAJ MOHAN, Desk Officer

ANNEXURE
BEFORE SRI B. K. SRIVASTAVA, PRESIDING OFFICER,
CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL
CUM-LABOUR COURT, PANDU NAGAR, KANPUR

Industrial Dispute No. 53 of 1994

In the matter of dispute :

BETWEEN

S. C. DIKSHIT,
President,
Lucknow Mandal Insurance Employees Association,
2nd Floor, 30, Hazaratganj,
Lucknow.

AND

Divisional Manager,
Life Insurance Corporation of India,
30, Hazaratganj, Lucknow.

AWARD

1. Central Government, Ministry of Labour, vide its notification No. L-17012/15/94-IR.B.2 dated 13-6-94 has referred the following dispute for adjudication to this Tribunal—

Whether the action of the management of LIC of India Lucknow in imposing the penalty of reduction of salary to the minimum in the time scale on Sri Harish Singh Rawat, Asstt. vide their order dated 23-4-83 is justified? If not, what relief is the said workman entitled to?

2. In this case although the parties were heard on preliminary issue regarding fairness and propriety of domestic enquiry, outright award is being given as for the reasons to

follow I have come to the conclusion that enquiry was fairly and properly held and conclusion is also correct. This Tribunal has no jurisdiction to interfere with the quantum of punishment in case it is found that enquiry was fairly and properly held and punishment is lesser than dismissal the dismissal, discharge or removal from service.

3. Vide policy No. 28128587 one Pratap Singh Negi had got his life insured. This policy commenced from 1-7-75. His wife Matauli Devi was the nominee. Pratap Singh Negi died on 1-5-77 hence his heirs claimed for the amount of policy for which the life of the deceased was insured. During that course it was found that premium for July 1976 was not paid. Hence the heirs of the deceased produced one certificate dated 8-10-77 to show that premium for the month of July 1976 was paid on 11-10-76. Vide another certificate dated 25-2-78 was produced to show that premium for this month was paid on 30-7-76. Finding inherent conflicts in the two receipts showing payments of the premium in July 1976 the matter was investigated. During this period the concerned workman R. S. Rawat was posted as Assistant at Branch Office, Almorah. During the course of investigation it was found that actually no premium was paid by the deceased for the month of July 1976 and two receipts mentioned above were prepared by the concerned workman for giving benefit to the heirs of the deceased in getting their money under policy. Hence the chargesheet dated 18-2-81 was issued to the concerned workman which runs as under—

1. That you prepared and got issued a certificate dated 8-2-77 under policy No. 28128587 on the life of Sri Pratap Singh Negi certifying that the premium due in July 1976 stood paid on 11-10-76 without verifying the fact of payment.
2. That you also prepared and got issued another certificate dated 25-2-78 under the said policy certifying the same premium due in July 76 having been paid on 30th July, 1976 again without actually verifying the fact that premium was actually paid or not.

The concerned workman has submitted his reply on 2-7-81 in which he alleged that he might have issued these two receipts after verifying the same from ledger and other records. It was not found satisfactory hence U. C. Saxena was appointed as enquiry officer. After completing enquiry he submitted his report on 2-7-81 holding that charges were proved. On the basis of this enquiry the concerned workman vide order dated 23-4-83 was awarded the punishment by way of reduction of salary to the minimum in the time scale. Feeling aggrieved the concerned workman has raised the instant industrial dispute.

4. In the claim statement the fairness and propriety of the enquiry report was questioned. Apart from this it was denied that these two receipts/certificates were prepared by him.

5. In the written statement the opposite party Life Insurance Corporation of India has maintained that enquiry was fairly and properly held and that it was the concerned workman who had prepared these papers in order to shower benefit upon was framed—

the heirs of the deceased. Hence following preliminary issue whether domestic enquiry conducted by the management was not fair and properly?

6. The management has filed photo copy of two forged certificate containing the alleged insurance of the concerned workman. Bhupendra Singh Negi is complainant of this case. Besides B. C. Joshi is an assistant. He did not support the version of the management by pleading ignorance. D. N. Upreti, P.W.2 is the ABM (A). He had also supported the version of the management. In rebuttal there was evidence of concerned workman H. S. Rawat WW1. I have gone through their evidence. On the one hand the management witness has categorically stated that these two receipts/certificates were prepared by the concerned workman whereas the evidence of H. S. Rawat has been evasive. On repeated questions he could not specifically deny that these papers do not bears his initials or that he had not prepared them. Thus on the one hand there had been defective evidence of the management whereas on the other hand there had been evasive reply by the concerned workman. In between the two, in

my opinion, the evidence of management was of much better quality. Hence, the enquiry officer had rightly arrived at the conclusion against the concerned workman by accepting the evidence of management.

7. Now the objection of authorised representative of the concerned workman may be taken up. In the first place it has been urged that the enquiry officer had played the role of prosecutor by cross-examining the concerned workman even before the production of the evidence by the management and later on when the concerned workman adduced his evidence in defence. I do not find force in this contention as at the opening stage the enquiry officer had simply ascertained the case of the defence and during the course of evidence the concerned workman elicited some facts by way of clarification.

8. Next it was submitted that enquiry officer had imported his knowledge for arriving his conclusion. In this connection my attention has been drawn to pages 4 and 5 of the enquiry report. The enquiry officer had taken a judicial notice of the fact that Almorah is a small place and local people do come to know if local people dies. Hence it was inferred that concerned workman must have been also to be knowing that deceased had died. In the first place I do not consider this as import his knowledge in the enquiry. Instead as observed earlier it was by way of taking of judicial notice. In any case it will have no reflection on the merits of the case as I have already shown reasons for not accepting the evidence of concerned workman. Even if this contention is correct now it stands repelled because of my finding based on discussion of evidence.

9. Next it was submitted that enquiry officer has misconducted by cross-examining the management witness. I do not find any force in this contention as what ever questions were asked by the enquiry officer they were by way of clarification.

10. Lastly it was submitted that these two charges do not amount to misconduct as there was no ill motive. Clarifying his stand authorised representative of the concerned workman has submitted that no wrongful act is done without any motive. In this case there was hardly any motive on the part of the concerned workman for perpetrating this wrongful act. In my opinion, the motive is apparent on the fact of record. The motive would have been to bestow the advantage upon heirs of the deceased to claim the insurance amount by making good the premium for the month of July, 1976 which was the only impediment in realisation of the amount. Hence I do not agree with that there was no ill motive in this case. Hence the case of Dr. S. S. Ahluwalia versus Govind Ballabh Pant University 1991 (62) FLR 49 will have no application to the case of the concerned workman.

11. Thus having overruled all the objections raised by the authorised representative of the concerned workman and having found that conclusion of the enquiry officer was correct and also having found that no procedural lapses were committed by the enquiry officer in holding of enquiry I come to the conclusion that enquiry was fairly and properly held. It has already been observed earlier that this tribunal cannot enter into the punishment in the instant case hence my award is that punishment awarded to the concerned workman is justified and he is not entitled to any relief.

B. K. SRIVASTAVA, Presiding Officer

नई दिल्ली, 22 जनवरी, 1997

कां.प्र. 526 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अन्वय में, केन्द्रीय सरकार कलकत्ता पोर्ट ट्रस्ट के प्रबन्धन के संबंध में निम्नलिखित और उनके कर्मचारियों के बीच, अन्वय में निम्नलिखित औद्योगिक विवाद में केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण, कलकत्ता के पंचसद को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 22-1-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं. प्र-32012/1/86-डी-IV(ए)]

बी.एम. डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 22nd January, 1997

S.O. 526.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Calcutta Port Trust and their workman, which was received by the Central Government on 22-1-97.

[No. L-32012/1/86-D-IV(A)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT CALCUTTA

Reference No. 62 of 1986

PARTIES :

Employers in relation to the management of Calcutta Port Trust.

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Mr. Justice K. C. Jagadeb Roy, Presiding Officer.

APPEARANCES :

On behalf of Management : Mr. G. Mukhopadhyay, Senior Labour Officer and Mr. M. K. Das, Senior Labour Officer.

On behalf of Workmen : Mr. S. Chatterjee, Joint Secretary of the Union.

STATE : West Bengal.

INDUSTRY : Port.

AWARD

By Order No. L- 32012/1/86-D-IV(A) dated 18-8-1986 the Central Government in exercise of its powers under section 10(1)(d) and (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 referred the following dispute to this Tribunal for adjudication :

"Whether the action of the management of Calcutta Port Trust in withholding the annual grade increment of Shri Nikhil Ranjan Guha, Tally Supervisor, Item No. 383, Grante No. 95F under the Traffic Department of Calcutta Port Trust for two years with having permanent effect is justified, and if not, to what relief is Shri Nikhil Ranjan Guha, the workman entitled?"

2. Both the union and the management filed their respective written statements, followed by a rejoinder from the side of the Union.

3. The workman Shri Nikhil Ranjan Guha, Tally Supervisor, Item No. 383, Grante No. 95F under the Traffic Department of Calcutta Port Trust was subjected to a disciplinary proceeding on the allegation contained in the charge sheet Ext. M-2. Admittedly the delinquent was charge-sheeted after the Vigilance and Security Adviser reported the missing of 22 drums of Dyes Cargo from 29 K.P.D. A/C. SS Schwarzborg No. 27/28 Rot, dated 21st August, 1978 which has been marked Ext. M-1. The memorandum of charges already referred to though contained in one paragraph, as would appear from Appendix-I to the Ext. M-2, this actually contained charges on three counts, such as (i) the delinquent failed to maintain/check scrutinise the relevant documents and accounting of the contents of the PT/Cg. No. 3836 loaded on 30-1-78; (ii) failed to report the discrepancy in respect of drums of Aniline marked 1/B/Calcutta XSS Schwarzborg stored in the said wagon before it was despatched to "MU" Shed and (iii) failed to report to his superior official the discrepancy in respect of the said drums as detected on unloading of wagon at the "MU" Shed. Appendix-II to the memo-

randum of charges also contained a statement of allegation on which the charges were framed against the present delinquent. On receipt of the same, the delinquent sought the permission of the authorities for inspecting and taking note from certain records mentioned in his application for inspection for preparation of his statement of defence. This application was dated 10-8-1981 and has been marked Ext. M-3 and after inspection filed his statement of defence which is borne out from paragraph 5 of Ext. M-8 the report of the Enquiry Officer. In his reply to the charge the workman refuted the charges that it was not a fact that he as a Tally Supervisor advised the Shed Clerk Shri Hazra on 27-2-1978 to prepare supplementary removal note for 5 drums. Besides, the discrepancy detected on unloading of the wagon at the "MU" Shed was intimated by him to the Tally Supervisor (C) on the very date of unloading i.e. 27-2-1978. The Chairman by his order dated 7th August, 1981 which is marked Ext. M-4 directed a joint enquiry against the concerned employees namely the present delinquent Nikhil Ranjan Guha, Tally Supervisor and Prabir Kumar Roy, Shed Clerk Grade-II.

4. The charge memorandum was issued to the delinquent under the signature of the Chairman who also ordered joint enquiry and appointed Shri H. Sen, Assistant Superintendent as the Enquiry Officer by his order dated 7-8-1981 as per the same order (Ext. M-4). The delinquent participated in the enquiry assisted by his defence assistant, which fact is borne out from the file containing the proceeding of the enquiry (marked Ext. M-7) as well as from the reported of the Enquiry Officer marked Ext. M-8.

5. As is clear from the evidence of the delinquent before this Tribunal that he had raised no objection against the mode of enquiry nor alleged any injustice before the Enquiry Officer, nor his defence assistant raised any such objection. This is absolutely clear from his statement in his cross-examination done on 12-9-1995.

6. Of the three charges referred to earlier, Shri Nikhil Ranjan Guha was found guilty by the Enquiry Officer only on the first charge namely, he failed to maintain/check/scrutinise the relevant document and accounting of contents of PT/Cg No. 3836 loaded on 30-1-1978 and was exonerated in respect of other two charges. This has also been admitted by the delinquent in his deposition before this Tribunal and is borne out in Ext. M-8, the report of the Enquiry Officer.

7. On submission of the enquiry report to the Deputy Chairman, the Deputy Chairman agreed with the finding of the Enquiry Officer and directed the issue of a second show cause notice to the delinquent before imposing the proposed punishment on him. The second show cause notice was issued under the signature of the Traffic Manager by his letter dated 10 March 1983 marked Ext. M-9. The Traffic Manager however indicated that he had been so directed to send this notice to the delinquent, to which Shri Nikhil Ranjan Guha replied by his letter dated 19-4-1983 addressed to the Traffic Manager stating therein that he was not guilty of any of the charges and requested to be absolved from all the charges. This reply has been marked Ext. M-10. The Deputy Chairman by the order dated 25-8-1983, Ext. M-11 passed the order of punishment both on Nikhil Ranjan Guha and Prabir Kumar Roy giving reasons for his such action in the said order. The punishment however differed in both the cases, while the increment of the present workman Nikhil Ranjan Guha was withheld for 2 years having permanent effect, the annual increment of Prabir Kumar Roy, Shed Clerk Grade-II was withheld for one year without permanent effect. Against this order of punishment, Nikhil Ranjan Guha appealed to the Chairman, who dismissed the appeal by his order marked Ext. M-14 and communicated to the workman by letter dated 20 July 1984 of the Traffic Manager marked Ext. M-15.

8. It is contended by the workman that though the Chairman had directed joint enquiry, that having not been done, Shri Nikhil Ranjan Guha was prejudicially affected, vitiating the entire enquiry. That apart, the finding of guilt on the first charge by the Enquiry Officer and acceptance of the same by the Deputy Chairman was based on no materials and as such the order should be quashed being perverse.

On the other hand the management has stated that the workman Nikhil Ranjan Guha was governed by the Calcutta Port Trust (earstwhile commissioner) Employees (Discipline & Appeal) Rules, 1964 and the disciplinary proceeding had been conducted in strict compliance of the Rules. A fulfilled enquiry was held in the disciplinary proceeding giving Shri Nikhil Ranjan Guha every opportunity to defend himself. There was no violation of any principle of natural justice during any stage of the disciplinary proceeding and since the Enquiry Officer found him guilty of the charge to the extent that Shri Guha failed to maintain/check/scrutinise the relevant document and account of contents P.T./Cg. No. 3836 dated on 30-1-1978 and the disciplinary authority agreed with the said finding of the Enquiry Officer and imposed the punishment, Shri Guha had no grievance at all. That apart, the management further contended that when the workman had agreed in his deposition that neither he nor his representative at the enquiry had raised any objection to the propriety of the proceeding or alleged any injustice had been caused to him, no prejudice had indeed occasioned to the workman and when his appeal had been considered by the Chairman who rejected the same, there was nothing for this workman to raise by way of any grievance against the punishment imposed.

9. After hearing the relevant submissions of both the parties and going through all the exhibits and the evidence recorded before the Tribunal, I find that there was indeed no violation of principle of natural justice in conducting the enquiry. The Tribunal does not sit in appeal against the order of the disciplinary authority, unless the order is perverse or passed on no evidence or grossly illegal not to be sustained in law. I find that the finding of the guilt on the first charge against the present workman was not without any basis. By going through the enquiry file Ext. M-7 and the enquiry report Ext. M-8, I find that the finding is squarely based on the materials on the record which are detailed in paragraph 7 of the report. The workman cannot therefore succeed on this count.

Coming to other point if the enquiry was not jointly held as per the direction of the Chairman, this fact is not borne out in the record. The evidence of MW-1 on behalf of the management stated that the enquiry was held jointly and two delinquents were summoned to the enquiry, though the notices were issued individually. The punishment was also imposed by the Deputy Chairman on both the delinquents under a single order. The workman or his representative could have raised objection before the Enquiry Officer, if at all there was no joint enquiry as per the direction of the Chairman but on the contrary as has been stated by the workman in his deposition before the Tribunal that he or his representative never raised any question of injustice being meted out to him in the enquiry. I accordingly do not find this point in favour of the workman to hold that there was no joint enquiry and as such the workman had to suffer, resulting any miscarriage of justice to him.

10. But one point which I observe is fatal to the legality of the proceeding. The disciplinary proceeding has been initiated by the Chairman himself which is apparent from the Ext. M-2, the memorandum of charges. This has been issued under the signature of the Chairman, describing himself as the disciplinary authority. The only witness examined on behalf of the management Shri B. N. Patitunda who was then the Director, Planning, CPI has also stated in his cross-examination that he was also appointed as the presenting officer by the Chairman. If the Chairman was the disciplinary authority, it becomes unconceivable how the Deputy Chairman passed the order of punishment by his order dated 25-8-1983, Ext. M-11. That apart, the Deputy Chairman does not pass the order as a disciplinary authority as is apparent from the order itself. He simply signed his name as the Deputy Chairman. The Chairman who had initiated the disciplinary proceeding was required to pass the order of punishment which he had not done but sat in appeal, which was not in accordance with law.

11. I accordingly set aside this order of punishment, having not been passed by an authority having jurisdiction to pass order of punishment and hold that withholding of annual grade increment of Nikhil Ranjan Guha as per the punishment is not justified and he is entitled to get the benefit of his salary as he normally would have received, notwithstanding the order of punishment.

The reference is answered accordingly.

Dated, Calcutta,

The 7th January, 1997.

K. C. JAGADEB ROY, Presiding Officer

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1997

का०अ०. 527.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार केरला मिनेरल्स एंड मेटल्स लि० के प्रबन्धन के संबंध निोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, कोलम के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-1-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एन-29012/107/94-आई०आर (विविध)]

बी०एम० डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 29th January, 1997

S.O. 527.—In pursuance of Section II of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Kollam as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kerala Minerals and Metals Ltd., and their workman, which was received by the Central Government on 29-1-97.

[No. L-29012/107/94-IR(Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

IN THE COURT OF THE INDUSTRIAL TRIBUNAL, KOLLAM

(Dated, this the 31st day of December, 1996)

PRESENT:

Sri C. N. Sasidharan.

INDUSTRIAL TRIBUNAL

IN

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 7/95

BETWEEN

The Managing Director, Kerala Minerals and Metals Ltd., Chavara P.O. Quilon District.
(By M[s. Menon & Menon, Advocates, Kochi)

AND

Sri. P. Ajith Kumar, Saradavilasom, Kalari, Chavara P.O., Kollam.

(By Sri T. Ramakrishna Kurup, Advocate, Kollam)

AWARD

The Government of India as per Order No. L-29012/107/94-IR(Misc.) dated 22-4-1995 referred the industrial dispute for adjudication to this Tribunal.

The issue for adjudication is the following :

"Whether the action of the management of K.M.M.M. Ltd., Chavara in terminating the services of the workman Sri P. Ajith Kumar with effect from 21-2-1994 by way of simple termination is fair and legal? If not, what relief the workman is entitled to?"

2. The workman Sri P. Ajith Kumar has filed a claim statement and the contentions are briefly as under : The worker was employed as Junior Analyst in the Laboratory of the management with an unblemished service of ten years. He was suffering from pain on legs and it was diagnosed finally at the Medical College Hospital Trivandrum by Dr. Cherian Thomas as Sciatica due to Inter vertebral Disc Pro-lapse. He was thus undergoing treatment. While so by show cause notice dated 18-1-1994 the management proposed to terminate his services on the ground of continued ill health. He submitted proper explanation requesting the management to withdraw the proposed termination. The show cause notice was against law and not maintainable. It contained false and baseless allegations and the management was completely prejudiced and was determined to terminate him from service. The management thereafter by order dated 19-2-1994 terminated his services by way of simple termination on the ground of continued ill health. That was done without conducting an enquiry and he was not given opportunity to prove his innocence. The action of management is arbitrary. The Doctor who treated the worker suggested that his disease was curable and the treatment can be completed by a period of six months. Without granting leave as requested by the workman the termination notice was issued ignoring the medical certificate produced by the workman to the effect that he was fit to do his duties. The management reached a false conclusion that the worker is still suffering from the disease and the management did not obtain expert medical opinion about the disease of the worker. The management has no authority to terminate his services without conducting an enquiry. The action of management is illegal and the workman is entitled to be re-instated in service with backwages and all attendant benefits.

3. The management opposes the claim of the workman. The contentions of the management are briefly as under : The workman was appointed in the year 1984 as a Junior Analyst and ever since his appointment his attendance was very thin. In the year 1988 he had attended for duty only 171 days. In the years 1989-90 and 1991 he attended for duty on 203, 253 and 239 days respectively. In the year 1992 he was available for work only for 110 days and in the year 1993 only on 97 days. He had been absenting from duty on sickness ground and his leave applications were supported by medical certificates issued by different Doctors. It was borne out from those certificates that he was suffering from diseases and was unable to attend for duties due to continued ill health. Hence show cause notice dated 18-1-1994 was caused to be issued as to why his service shall not be terminated. He had replied stating that he was suffering intermittent pain on legs and pain due to minimal varicocele left scrotum. He had also stated about the treatment undergone for the last few years including that of medical college. The

period of treatment of six months mentioned in the medical certificate issued from Medical College expired on 8-1-1994. But in the reply dated 25-1-94 the workman was again requesting to grant sufficient period for treatment. The management after considering the reply and other materials satisfied that he was having continued ill health and therefore terminated his services by way of simple termination on the ground of continued ill health. The action of management is legal, valid and justified. The management denies all other allegations made by the workman. The management has not terminated the services of the workman for committing any misconduct and hence it has not conducted any domestic enquiry. But the management has considered all the materials and came to the conclusion that he is having continued ill health and is unable to report for duty. Even after producing medical certificate showing that he was fit to do his duties, he was absenting from duty and he was not actually fit to resume duties. The management is entitled to terminate his services on the ground of continued ill health. It was not necessary to give any further opportunity to the workman as alleged. As he was a Junior Analyst who was supposed to work in the Laboratory of management and who was unable to report for duty continuously it was not in the interest of the company to function without such a person. Considering that aspect also the management terminated his services. He is not entitled to any benefit according to the management.

4. The evidence consists of both oral and documentary. The workman examined himself as WW1. One Psychiatrist was examined as WW2 on the side of the workman. Exts. W1 to W15 have also been marked on his side. The manager (Personnel and Administration) was examined as MW1 and Exts. M1 to M8 have been marked on the side of the management.

5. The management has terminated the services of the workman by way of simple termination on the ground of continued ill health by Ext. 13 order. The case of the management for termination as per Ext. W13 and as spoken to by the management witness MW1 is on the ground of continued ill health only and not on other grounds alleged in Ext. W11. Show cause notice issued to the worker. As per the written statement also the management has stated the reason for the termination as continued ill health. The definite case of the worker is that he had no continued ill health at the time of termination from service and the decision of the management is vitiated by the ill will against the worker. According to him W13 order is illegal and unjustified. The management in support of their conclusion that the worker was suffering from continued ill health and was unable to discharge the duties assigned to him placed reliance on the medical certificates and leave applications produced by the worker. Exts. W2 to W10, Ext. W4, W15 and Exts. M1 to M8 are the documents relied on by the management in support of their conclusion. It is interesting to note that in any of the certificates it is stated that the workman is totally incapacitated to do the work. (which he was doing under the contract of employment).

6. The learned counsel for the management has pointed out the leave applications and the medical certificates proving that the workman has been suffering from continued ill health. Ext. M1 is leave application enclosing Ext. W2 medical certificates dated 8-7-1993 issued by Dr. Cheriyan M. Thomas, professor of Orthopaedics, Medical College Hospital, Trivandrum applying for 45 days leave from 21-6-1993 onwards. In Ext. W2 the Doctor has certified that the workman was under his treatment for Lumbar Disc Prolapse and he was advised rest and leave for 45 days. As per Ext. W4 leave application dated 22-9-1993 the worker has applied for leave for 7 days supported by Ext. W4-A Medical certificate issued by Dr. N. Sasidharan who was examined here as WW2. As per Ext. W4-A the workman was undergoing continued treatment for Sciatica (L) Side from 27-8-1993 onwards and he needed rest and treatment for a further period of 7 days from 22-9-93. On 6-10-1993 as per Ext. M2 and W5 leave applications the workman applied for loss of pay leave for the period from 27-8-1993 to 5-10-1993 supported by Ext. W5-A medical certificate certifying that he was undergoing treatment for Sciatica (L) side from 27-8-1993 onwards and was fit to resume work from 6-10-1993 onwards. Again as per Ext. W-6 application dated 13-10-1993 he applied for 2 days sick leave i.e. 10-10-1993 and 11-10-1993 due to pain of the same disease. On 14-10-1993 as per Ext. W3 the workman again requested to sanction leave on loss of pay on medical grounds admitting that he could not regularly attend duty in the years 1991-92 and 1992-93 as he was suffering from Varicocele (L) and Sciatica (L) disease. On 25-10-1993 he has applied for 1 day's compensatory off on 24-10-1993. According to the management as the workman was continuously absented from duty on the ground of ill health he was referred to the District Medical Officer, Kollam and after examination as per Ext. W7 letter Deputy District Medical Officer has reported that the workman was suffering from sciatica due to Lumbar Disc Prolapse and Minimal Varicocele left Scrotum. As per Ext. W7 the workman was found fit for duty since he was having no acute attack at that time. Even then the worker's per Ext. W8 leave application again applied for leave from 7-11-1993 to 11-11-1993 due to the very same disease. As per Ext. M4 dated 13-11-1993 the workman wanted to avail off day on 14-11-1993. As per Ext. M5 dated 19-11-1993 he has applied for ten days leave from 17-11-1993 stating that he was undergoing treatment for Sciatica disease. As per Ext. M6 Medical Certificate the workman was undergoing treatment for Sciatica from 17-11-1993 and he was advised rest and treatment for ten days from 20-11-1993. By Ext. W9 dated 22-11-1993 the workman was again requested to grant leave on loss of pay for the period suggested in Ext. M6 certificate. Again as per Ext. W10 he requested to extend his leave for further 7 days from 27-11-1993. According to the management on the basis of the above certificates and leave applications the management could understand that the workman was unable to discharge his duties due to continued ill health. On going through the above certificates and leave applications it is evident that he has been suffering from Sciatica disease. But at the very same time WW2 and the

Deputy District Medical Officer as per Ext. W5-A and W7 respectively found the workman fit to resume duty which shows that the disease of the workman was curable. Further these medical certificates would show that he was suffering from the disease intermittently and not continuously as understood by the management.

7. It is pertinent to note that the management has approached the issue with double standard. As per Ext. W4, W5, W9 and W10 the management was planning to conduct domestic enquiry into the circumstances under which the worker was availing leave. It is evident that the management has doubted the genuineness of the illness of the worker. It is also noticeable that as per Ext. W7 the Subject of the letter is unauthorised absence. It is thus clear that for the purpose of granting leave, medical certificate produced by the worker issued by the Doctors who treated him were not sufficient according to the management. But at the same time for reaching the conclusion that the worker was having continued ill health those very same certificates were sufficient and satisfactory to the management. No doubt the worker has not produced any certificate from the company Medical Attendant though according to the Management the workman was repeatedly requested to produce the same as per Ext. W1 standing order No. 21(b)(i). Of course the workman was bound to produce that same. But the Medical Attendant has only M.B.B.S. qualification and the worker has produced certificates from more qualified and competent Doctors even according to MW1 and also produced Ext. W7 which was issued by Deputy District Medical Officer after examining the workman. Therefore the management ought to have condoned the non production of the certificate from company's Medical Attendant. Ext. W5 letter could reveal the attitude of the worker as well as the management regarding Medical certificate. As stated above the management was planning to conduct a domestic enquiry and as per Ext. W7 the subject referred is unauthorised absence. But the management has changed their attitude suddenly and issued Ext. W11 show cause notice stating the ground for termination as continued ill health. The action of management is quite reprehensible and improper.

8. Ext. W11 is the show cause notice calling upon the workman to give explanation for not terminating the service on the ground of continued ill health. In answer to that the workman submitted Ext. W12 explanation categorically stating that he is not suffering from continued illness and was prepared to prove his innocence and informing that he was prepared to undergo any kind of medical check up to convince the management that he was not having continued ill health. But the management without subjecting the workman for medical examination concluded that he was suffering from continued ill health. According to the management even the certificates and leave applications submitted by the workman mentioned earlier would clearly establish that he was suffering from continued ill health and also that he had attended only on 97 days for work during the year 1993. It is also contended that even after submitting Ext. W12 explanation the workman has submitted leave applications and medical certificates Ext. W14 and W15 as he was suffering from Sciatica (L) side. According to the

management no further medical check up was necessary or required for proving continued ill health. But as held by me above in any of the certificates it is stated that the workman was medically unfit to do the work which he was entrusted in the company. As stated earlier the management doubted the genuineness of the medical certificates produced by the worker and was planning to conduct a domestic enquiry. As per Ext. W7 the subject referred is unauthorised absence. The workman has filed leave applications supported by medical certificates for the days of his absence as per the rules of the company. But the management ignored all these, changed their attitude, issued Ext. W11 show cause notice and terminated his services as per Ext. W13 order for continued ill health. It is also specific to note that in Ext. W13 the management has not stated the authority under which the service of the workman was terminated. No doubt MW1 has explained that the workman was not terminated as per the provisions in the standing orders but as per the delegation of powers to the Managing Director by the General body. Copy of the resolution was also produced here. But there is no whisper in Ext. W13 about such an authority. From the circumstances stated above it is clear that the action of management is colourable exercise of power as contended by the learned counsel for the workman. On that ground also Ext. W13 is vitiated and is liable to be quashed.

9. The management has placed reliance on 3 decisions in support of their claim that the workman was suffering from continued ill health. The first authority cited is that of the Supreme Court in workmen of the Bangalore W.C. and Silk Mills Company V. Its management (1962 I LLJ 213). In that case the workmen concerned were discharged on the ground that they are medically unfit and were not in a fit condition of health to continue in service. The reason for their discharge was that they could not render the service required from them under the contract of service. The next authority cited is the decision of the Patna High Court in Burrakur Coal Company Ltd. V. Azimaruddin Ashraff and another (1960 II LLJ 434). In that case also the workman concerned was wholly unfit for active duties because of old age infirmity. The next authority cited is that of the Supreme Court in Anand Bihari V. Rajasthan State Road Transport Corporation (AIR 1991 SC 1003). There also drivers concerned developed weak eyesight which was not of required standards to drive buses. The facts involved in the above 3 cases and the fact involved in the instant case are quite distinguishable. No doubt as per the ratio of the judgement of the Supreme Court in the decision reported in AIR 1991 SC 1003 any disorder in health which incapacitates an individual from discharging the duties entrusted to him or affects his work adversely or comes in the way of his normal and effective functioning can be covered by the phrase "continued ill health". But in the instant case the workman was not permanently incapacitated to discharge his duties as in the above 3 cases. It is also important to note that the Supreme Court in the aforementioned decision held that courts have to place a realistic and not a technical or pretentious meaning on the phrase continued ill health. Applying that principle to the facts of the present case it cannot be held that the workman was suffering from conti-

nued illness necessitating termination from service. According to me the above three decisions have no application to the facts and circumstances involved in the instant case.

10. The management has a contention that the evidence of WW2 to the effect that workman is not having continued ill health cannot be believed at all and is inconsistent. According to the learned counsel for the management WW2 had issued medical certificate to the workman time and again without any consistency. It was pointed out that as per Ext. W4-A medical certificate dated 22-9-1993 WW2 had certified that the workman was undergoing continuous treatment for sciatica (L) side from 27-8-1993 onwards and he needs rest and treatment for a further period of 7 days from 22-9-1993. But as per Ext. W5-A dated 5-10-1993 WW2 had certified the workman fit to resume work from 6-10-1993 onwards. However as per Ext. M6 Medical certificate dated 20-11-1993 the Doctor had certified that the workman was undergoing treatment for sciatica from 17-11-1993 and was advised rest and treatment for ten days from 20-11-93. Again as per Ext. W14 medical certificate the workman was advised rest and treatment for a period from 7 days from 2-2-94 for the very same disease. The very same medical Officer as per Ext. W15 medical certificate dated 11-2-1994 certified that the workman was advised rest and treatment for a further period of 7 days as he was suffering from Sciatica (L) side. According to the learned counsel it is clear from the certification by WW2 as per the above certificates to the effect that the workman was fit to resume duty was of no value. But WW2 has explained that after issuing fitness certificate he has again advised rest to the workman for the same disease but considering the age and other factors the workman can be completely cured. It is also evident that from the above certificates the workman was suffering from disease intermittently. The deposition of WW2 regarding continued ill health is worth quoting as below.—“continued ill health means patient is unable to do his daily duties and occupation. He is a bed ridden patient. Continued ill health nu oru definition parayanilla”. WW2 has categorically deposed that sciatica disease of the workman is completely curable and it is not continued ill health. Therefore there is no inconsistency in the evidence of WW2 as alleged. The further contention of the learned counsel for the management is that even Ext. W7 certificate certifying that the workman was not having acute attack on 5-11-1993 was proved in correct from Exts. W8, M4, M5, M6, W9, W10, M7, W14, W15, and M8. This contention is also devoid of merit as explained by WW2 as stated above.

11. The further argument on behalf of the management is that WW2 is admittedly not specialised in Orthopedic and no Orthopaedician was examined by the workman before this Tribunal WW2 is a psychiatrist but he has stated that he is competent to treat the workman and that statement remains uncontroverted. Further the diagnosis of the disease of the workman

as Sciatica was found to be correct by the orthopaedic surgeon at the Medical College Hospital. As per the medical certificates issued by him and proved before this Tribunal he is a Neuro Physician also. Now the argument that no orthopaedician was examined is also without force as the management has not afforded opportunity to the workman as requested by him in Ext. W-12 explanation. Without conducting any medical examination as provided under clause 6 of Ext. W-1 standing order to prove that the workman was medically unfit to do his duties on account of the disease Sciatica the management has terminated his service. The further contention that the management cannot afford to retain the service of an employee like the workman when it is clear that he was unable to report for duty as per the contract of employment due to his continued ill health. It is also pointed out that as per Ext. W12 the workman requested sufficient time for treatment without specifying the period required which also shows that he is suffering from continued ill health and he was incapable of doing his duties. The workman has explained that he required six months time for treatment as certified by Doctor Cheriyan Thomas. Even though the workman has not specified the period of time required for treatment as per Ext. W12 explanation the management has not subjected him for a medical examination as provided in clause (6) of the standing order before terminating his service. As stated earlier the burden is upon the management to establish that the workman has been suffering from continued ill health. But the management failed to establish the same. In these circumstances the above arguments advanced by the learned counsel for the management are unsustainable.

12. According to the management the workman was working as a Junior Analyst in the Laboratory of the management and that unit is one of the most important section in so much that quality of the raw materials and end products are to be certified by the said laboratory. Further only if the quality of the items are certified by the Laboratory raw materials can be received and the end products can be despatched. According to the management the workman being a Junior Analyst occupied an important post and due to his continued absence without going on long leave the management cannot make suitable alternate arrangements. On this ground also the service of the workman was terminated. But it has come out in evidence through MW-1 that there are more than ten analysts in the Laboratory and the intermittent absence of the workman will not cause much difficulty to the management as alleged.

13. The workman has a contention that the management has not taken disciplinary action against several employees who had absented continuously and the management hurried to take action against him alone which according to him is a clear case of victimisation. Specific instances are also pointed out. But the management witness has explained the circumstances under which such employees were granted leave and the action initiated against employees who unauthorisedly took employment abroad. The case of Shri A. M. Aslam was one of the instance. In that case the Government of Kerala had

directed the management to grant long leave as a Special case. In the case of M/s. Patric Benedict, Samuel Abraham and P. V. Ranganath the management had initiated disciplinary proceedings against him and meanwhile they reported for duties. On the basis of the finding of the Enquiry Officer the management had imposed Punishment of barring of annual increment of the said employees. Smt. Indira who was unauthorisedly absented from duty was proceeded against by issuing chargesheet and in pursuance to the instruction from Government of Kerala she was re-engaged. S/s. D. Raju, V. C. Jose and James Paul were granted leave from management for taking employment abroad as per the Government policy. The above explanation of M. W-1 is supported by the relevant documents produced by the management on the request of the workman. It is not established by the workman that the management has granted leave to any of the employee for continued sickness and treatment. Therefore the contention of the workman that he was victimised is misconceived.

14. Now according to the learned counsel for the management it has terminated the services of the workman as per Ext. W-13 order on the ground of continued ill-health. The further argument that as per the definition of "retrenchment" under section 2(oo) of the Industrial Disputes Act, 1947 termination of the service of a workman on the ground of continued ill-health will not be retrenchment as the same has been specifically excluded as per clause (C) thereof. Therefore according to the learned counsel since it is established that the termination of the services of the workman is on the ground of continued ill health, he is not entitled to get any relief in this reference. This argument is without force as the evidence on record clearly established that the workman was not having continued ill-health and was not unfit to discharge his duties warranting termination from service. On the other hand the evidence of WW-2 proved that the disease of the workman is curable.

15. From the discussions made above I have no hesitation to hold that the management has terminated the services of the workman on the wrong assumption that he is having continued ill-health without conducting medical examination as per clause 6 of the standing orders of the company and without affording opportunity to the workman to prove that he is not having continued ill-health though requested by him by Ext. W-12. The action of management is therefore arbitrary, illegal and liable to be quashed. Consequently the workman is entitled to be reinstated in service. But since the workman has not established even before this Tribunal that his disease Sciatica is completely cured and he is fit to discharge his duties in the management company it is not just or proper to straight away direct the management to reinstate the workman in the service of the company. However considering the totality of circumstances particularly on sympathetic consideration that everything happened due to illness of the workman and taking into account the difficulty in getting another employment for him now a days when highly qualified and experienced persons are waiting in the long que for employment

and also in the interest of justice it is only proper and necessary to afford him one more opportunity to work in the management company. Accordingly there will be a direction to reinstate the workman in the service of management company if he produces medical certificate from expert orthopaedician preferably from Medical College Hospital certifying that his disease sciatica is completely cured and is fit to discharge his duties in the company. Further the workman will be ready to undergo medical examination if any required by the management. He shall also produce the certificate of fitness from the Medical Attendant of the company as provided under clause 21(b)(i) of the standing orders. The workman will be eligible to get back wages and other attendant benefits from the date on which he became medically fit to resume his duties.

16. In the result, an award is passed holding that the action of the management of Kerala Minerals and Metals Ltd., Chavara in terminating the services of Shri P. Ajith Kumar with effect from 21-2-1994 by way of simple termination is unfair and illegal. Shri P. Ajith Kumar is accordingly entitled to be reinstated in service subject to the conditions stated above.

C. N. SASIDHARAN, Industrial Tribunal
Kollam.

APPENDIX

Witnesses examined on the side of the workman

W. W-1. Sri P. Ajith Kumar.

W. W-2. Dr. N. Sasidharan.

Witness examined on the side of the Management

M. W-1. Sri K. Anil Kumar.

Documents marked on the side of the workman

W-1. Copy of certified standing orders of management company.

W-2. Photostat copy of Medical certificate issued to the workman by Dr. Cherian Thomas dated 8-7-1993.

W-3. Leave application submitted by the workman dated 14-10-1993.

W-4. Leave application submitted by the workman dated 22-9-1993.

W-4(a) Medical certificate issued to the workman by Dr. N. Sasidharan dated 22-9-1993.

W-5. Leave application submitted by the workman dated 6-10-1993.

W-5(a) Medical Certificate issued to the workman by Dr. N. Sasidharan dated 5-10-1993.

W-6. Leave application submitted by the workman dated 13-10-1993.

W-7. Letter issued to the management from District Medical Officer, Kollam dated 8-11-1993.

W-8. Leave application submitted by the workman dated 12-11-1993.

W-9. Leave application submitted by the workman dated 22-11-1993.

W-10. Leave application submitted by the workman dated 27-11-1993.

W-11. Show cause notice issued to the workman from the management dated 18-1-1994.

W-12. Explanation submitted by the workman to the management dated 25-1-1994.

W-13. Order of the Managing Director of the company terminating the services of the workman dated 19-2-1994.

W-14. Medical certificate issued to the workman from Dr. N. Sasidharan dated 2-2-1994.

W-15. Medical Certificate issued to the workman from Dr. N. Sasidharan dated 11-2-1994.

Documents marked on the side of the Management

M-1. Leave application submitted by the workman to the Management dated 12-7-1993.

M-2. Leave application submitted by the workman to the Management dated 6-10-1993.

M-3. Leave application submitted by the workman to the Management dated 25-10-1993.

M-4. Leave application submitted by the workman to the Management dated 13-11-1993.

M-5. Leave application submitted by the workman to the Management dated 19-11-1993.

M-6. Medical certificate issued to the workman by Dr. N. Sasidharan dated 20-11-1993.

M-7. Leave application submitted by the workman to the Management dated 7-2-1994.

M-8. Leave application submitted by the workman to the Management dated 11-2-1994.

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1997

कम-सां 528.—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार वेदचण्ड सीमेन्ट कार्पोरेशन लि० के प्रबन्धत्व के संबद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के संघाट को प्रकटित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 31-1-97 को प्राप्त हुआ था।

[सं. एल-29011/10/90-आई०आर (बिबिध)]

बी०एम० डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 31st January, 1997

S.O. 528.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Madras as shown in the Annexure in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Chettinad Cement Corporation Ltd. and their workmen, which was received by the Central Government on the 31st January, 1997.

[No. L-29011/10/90-IR(Misc.)]

B. M. DAVID, Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL,
TAMIL NADU, MADRAS

Wednesday, the 20th day of November, 1996

PRESENT :

THIRU S. THANGARAJ, B.Sc., L.L.B.,
INDUSTRIAL TRIBUNAL

INDUSTRIAL DISPUTE NO. 34 OF 1990

(In the matter of the dispute for adjudication under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947 between the Workmen and the Management of Chettinad Cement Corporation Ltd., Trichy Dist).

BETWEEN :

Workmen represented by :

1. The General Secretary,
Chettinad Cement Quarry Workers Union,
Alambadi Mines, P.O. Pin 624 620 Palayam (via) Anna Dist.
2. The Secretary,
Chettinad Cement Anna Thozhilalar Sangam, Seethanagar Mines, (via) Palayam,
Vedachandur Taluk, Anna Dist. 624 620.

Vs.

The General Manager,
M/s. Chettinad Cement Corporation Ltd.,
Puliyur Factory 639 114, Karur Taluk,
Trichy Dt.

REFERENCE :

der No. L-29011/10/90-IR(Misc), Ministry of Labour, dated 25-4-1990. Govt. of India, New Delhi.

This dispute coming on for final hearing on Thursday, the 10th day of October, 1996, upon perusing the reference, claim and counter statement and all other material papers on record and upon hearing the arguments of Mr. S. Ayyathurai, Advocate appearing for workmen and of Thiru S. Rama subramanian & Associates, Advocate appearing for the Management and this dispute having stood over

till this day for consideration, this Tribunal made the following :

AWARD

The Government of India, in Order No. L-29011/10/90/Misc., Ministry of Labour, dated 25-4-90, referred this dispute u/s. 10(1)(d) of the I.D. Act, 1947 to this Tribunal for adjudication of the following issue :

“Whether the demand of the Chettinad Cement Quarry Workers Union and Chettinad Cement Anna Thozhilalar Sangam, Alambadi, Mines on the management of M/s. Chettinad Cement Corporation Limited, Alambadi Mines, for grant of special incentive to the workers on par with the special incentive granted to the members of staff w.e.f. 1-1-1988 is justified? If so, to what relief are the workmen concerned entitled to?

2. On service of notice, the petitioner and the respondent appeared before this Tribunal and filed their claim statement, replies statement and counter statement respectively.

3. The main averments found in the claim statement are as follows :

The respondent company employed 160 workers, 12 electrical staff and 18 supervisors. The workers working in the mines are members of three unions and among them two are the petitioner unions. The majority of workers belong to the petitioner unions. The respondent gave special increment to the members of the staff working in the office whereas the same was not given to the workers working in the mines. The management rejected the claim of the workmen on the ground that it was the prerogative of the respondent to grant increment to its staff members. The management has not given any valid reason for granting additional increment to the staff. When the workers contacted the General Manager (Mines) and the Technical Director and asked them to grant additional increment has been granted to the staff members who did not take part in the strike in the year 1986 and 1987. The management is in a position to meet the financial increase to grant additional increment to the workers. The staff members are not disadvantageously placed comparing to the workmen. The action of the management granting additional increment only to the staff members and not to the workers is arbitrary and unjustified. Award may be passed directing the management to grant additional increment for the mine's workmen on par with staff members w.e.f. 1-1-1988.

4. The main averments found in the counter filed by the respondent are as follows :

In the year 1985 and 1986 the management decided to reorganise its business and for

such purpose they modernised their plant at cement factory. Due to the modernisation the wet process of producing cement was converted into dry process and the capacity was increased from 4 lakhs tonne per annum to 6 lakhs tonne per annum. At the time of modernisation the staff members apart from their routine work also assisted the respondent/management which involved installing machinery making invoice and payments to various people from whom the necessary products were brought. As 50% of the machinery were imported the said work involved clearing of the machinery from customs department and necessary documentation and the same had to be done in swift and efficient manner without any administrative delay. The staff members took extra effort which enabled the smooth obtaining of the machinery and cleaning up all papers and clerical work relating to the same. The staff members took special and keen interest in the work of the installation of machineries. In view of the unstinted support extended by the staff during the modernisation process the management thought fit to reward the staff for the extra effort put in by them and therefore paid them one special increment in token of appreciation. This increment could not be extended to the petitioner union members since they had not put any additional effort to expedite the modernisation of the company. The management has given promotion to certain category of workmen by taking into the nature of work and vacancy. The Deputy General Manager, Mines and Technical Director at no point of time stated that the staff were given additional increment because they did not take part in the strike in the year 1986 and 1987. The discrimination can be only with the person who are equally situated and not between persons who are not similarly situated. The claims of the petitioner union are not sustainable. The I.D. may be dismissed.

5. In the additional counter statement the management has stated that the management have acted as per Clause 18 of the Standing Orders. The claims made by the petitioner union are not in consonance of the Standing Orders of the respondent management. Hence the claim of the petitioner-union cannot be accepted.

6. Two witnesses have been examined on the side of the petitioner union, and Exs. W-1 to W-3 have been marked. One witness was examined on the side of the respondent/management and Ex. M-1 to M-11 have been marked.

7. The only point for our consideration is : Whether the demand of the Chettinad Cement Quarry Workers Union and Chettinad Cement Anna Thozhilalar Sangam Alambadi Mines, on the management of M/s. Chettinad Cement Corporation Ltd., Alambadi mines for grant of special incentive to the workers on par with the special incentive granted to the members of staff w.e.f. 1-1-1988 is justified ? If so, what relief are the workmen concerned entitled to ?

8. The Point : The respondent Chettinad Cement Corporation Ltd., is having its factory at Puliur. The said factory is having mines at Alambadi. The Chettinad Cement Quarry Workers Union Alambadi Mines and Chettinad Cement Anna Thozhilalar Sangam have raised this dispute contending that the special incentive granted to the workmen should be extended to the mines workers also. The respondent management has stated that the additional increment was granted to the staff members of the company considering the special effort put in by them for the modernisation process and it could not be extended to the members of the two unions since they had not put in any additional effort to expedite the modernisation of the Company.

9. The petitioner management has alleged that the additional increment granted to the staff members of the company was not granted to the workers of the Alambadi mines and such a benefit should be extended to the said workmen. The respondent categorically stated that due to the special efforts put in by the members of the staff in the modernisation process the respondent gave them additional increment. During the time of modernisation process which involved installing the machinery, making invoice and payments to various people from whom products brought, the staff members apart from their routine work assisted the management in the above duties. Further, since 50% of the machinery were imported, the staff members enabled smooth obtaining of the machines, cleared and other connected duties. In consideration of the special efforts put in by the staff members the management has rewarded them with an additional increment. The members of the petitioner unions are not entitled to get that special increment since they had not put in additional efforts to expedite the modernisation work of the company. The members of the petitioner unions were not engaged in the modernisation process is the case of the respondent. To substantiate the same the respondent filed various documents. The modernisation process went on for the period between 1985 to 1991 and Ex. M.1 shows the details of labourers engaged through registered contractors to carry out the erection work. These documents will clearly show that the workers belonging to the petitioner unions were not engaged in the said process. Ex. M-3 production figures show that between 1985 and 1991 the old plant was running in full swing even during the erection period. It is another proof, to show that the workers of the petitioner unions were not engaged in the erection work. Ex. M-2 shows that all these workers who are members of the petitioner unions did their usual work. Though there was no addition in the staff category, the staff members

after attending their routine work engaged themselves in the modernisation process. The evidence of WW1 and WW2 is not very clear on this aspect. Their claim that the additional increment granted to the staff members should be granted to the workers also is not based on reasons, whereas the management has filed various documents to show that these workers were not engaged in the modernisation process and during the said period between 1985 to 1991 the regular production work went in full swing. However, it is clear from Ex. M.2 that the staff members attended their usual work and apart from that they also attended the work in connection with the modernisation process. M.W.1 has clearly stated these facts. Therefore, the claim of the petitioner unions that the workers who are members of the petitioner unions are also entitled to get the additional increment cannot be accepted.

10. It was argued on the side of the petitioner unions that it was discriminatory apart from unjustifiable, the order passed by the management to grant special increment only to the staff members and not to the workmen. Further, it was argued on the side of the petitioner unions that the special increment was granted to the staff members for not participating in the strike held in 1987 and that when they contacted the Deputy General Manager (Mine) and the Technical Director regarding the special increment they revealed that the special increment was paid to those who did not participate in the two strikes in the year 1986 and 1987. At the time of strike 14 workmen did not participate in the strike and their names are shown in Ex. M.9 and the management has not granted any additional increment to those workmen who did not participate in the strike. Apart from that Ex. M.2 shows that without any discrimination the management had given promotion to factory and quarry workers in the year 1985. Once again Ex. M.7 shows that promotion and increment were given to factory and quarry workers between the period 1985 and 1995. Apart from that the management has also granted one special increment to all the category of permanent workers from 1-1-1991. All these documents show that no discrimination was shown to the workers those who had participated in the two strikes in 1986 and 1987. Hence the contention of the petitioner unions that the special increment was granted to the staff members was not extended to the workmen for the reason that they joined the strike in 1986 and 1987 cannot be accepted. The management has made it clear that the staff members while attending to their normal work had also attended to extra work in connection with the modernisation of the plant and in appreciation of their service the management has granted a special increment to the staff members. None of the workmen who are members of the petitioner unions had any occasion to work in the modernisation process. It is clear from the documents filed on the site of the management that the workman attended to their normal work and engaged in the usual production. Whenever a special reward is conferred on somebody in appreciation of their service others who had not partici-

pated in the work are not entitled to get that reward. The management had stated that in view of the special effort put in by the staff members the special increment was granted to them, by way of reward. Since it was not an usual increment, the workers of the petitioner unions who had not taken part in the special efforts are not eligible to get the special allowance which is nothing but a reward.

11. The management has contended that clause 18 of the Standing Orders gives enough power to the management to grant additional increment for Special reasons. Cl. 18 reads as follows :

"Every workman shall be entitled to the ordinary annual increment as a matter of course, except in so far as it has been stopped as a punishment. The management may for special reasons grant one or two more additional increments or promote a worker from daily rate to monthly scales or from one scale to another."

It is clear that the management has power to grant additional increment as per their Standing order. So also, the management can grant additional increment to the staff members and the workers are not automatically entitled to have the additional increment. Ex. M-4 shows that the management has also given one additional increment to all the workmen which will squarely fall under Clause 18 of the Standing Order. So, the allegation of the petitioner unions that the management have discriminated the workers is of no avail.

12. The petitioner has stated that in Ex. M-2 the management has not stated all those reasons stated in their counter statement and on the contrary those reason are stated as an after thought in order to avoid payment of special increment to the workmen. Ex. W-2 is the reply given by the management to Ex. W-1 petition filed by the union to the Asstt. Commissioner of Labour, Madras. Ex. W-2 is the reply to Ex. W-1. When the petitioner unions have filed an elaborate claim statement the management had filed an apt reply to the various allegations raised in the claim statement. So, the counter statement cannot be taken as an after thought in order to refuse the claim of the petitioner-unions. From the foregoing reasons it is clear that the special increment was granted to the staff members as a reward for the Special efforts taken by them during the period of the modernisation of the plant. When the members of the petitioner-unions had not put in any such special efforts during the said period, they are not entitled to have additional increment which was granted as a reward. The various reasons stated by the petitioner unions are unacceptable. Therefore, the claim of the petitioner-union cannot be allowed.

In the result, award is passed dismissing the claim. No costs.

Dated this the 20th day of November, 1996.

Sd/-

S. THANGARAJ, Industrial Tribunal.

WITNESSES EXAMINED

For Workmen :

W.W.1 : Thiru P. Laxmanan.

W.W.2 : Thiru P. Chinnasami.

For the Management :

M.W.1 : Thiru S. Sivasankara Ganesan.

DOCUMENTS MARKED

For Workmen :

W-1/17-8-88 : Copy of 2-K petition filed by the petitioner.

W-2/30-8-88 : Counter filed by the management (Copy).

W-3/15-3-90 : Conciliation failure report (copy).

For Management :

Ex. M-1 : Details of labourers engaged through Registered contractors during the period between 1985 and 1991. (xerox copy).

Ex. M-2 : Statement showing the strength of factory and quarry staff during the period between 1987 and 1995 (xerox copy).

Ex. M-3 : Statement showing the production figures between 1985—1991 (xerox copy).

Ex. M-4 : Xerox copy of Order showing special increment given in the year 1991.

Ex. M-5 : Standing Orders of the respondent/management (xerox copy).

Ex. M-6 : Order given in the year 1985 showing the list of promotions given to factory & quarry workers (xerox copy).

Ex. M-7 : List for the period between 1985 and 1995 showing the promotions and increment to factory and quarry workers (xerox copy).

Ex. M-8 : Statement showing difference in benefit between Staff and workmen (xerox copy).

Ex. M-9 : List of workmen who had attended duty during strike period but not given any special increment (xerox copy).

Ex. M-10 series : Copies of the production cell meeting minutes from 31-10-1986 to 2-2-90 (xerox copy).

Ex. M-11 series : List of promotion and increment to workmen in Factory and quarry from 1985 to 1996 (xerox copy).

नई दिल्ली, 1 फरवरी, 1997

कां.प्रा. 529 :—औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का. 14) की धारा 17 के अनुसरण में, केन्द्रीय सरकार एम सी सी एल के प्रबन्धन के संबंध में निोजकों और उनके कर्मचारों के बीच, अनुबंध में निविष्ट औद्योगिक विवाद में औद्योगिक अधिकरण, हैदराबाद के पंचाट को प्रकाशित करती है, जो केन्द्रीय सरकार को 29-1-97 को प्राप्त हुआ था।

[नं० एल-22012/64/84-डी-3(बी)]

बी०एम० डेविड, डेस्क अधिकारी

New Delhi, the 1st February, 1997

S.O. 529.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the Award of the Industrial Tribunal, Hyderabad as shown in the Annexure, in the industrial dispute between the employers in relation to the management of S.C.C. Ltd. and their workman, which was received by the Central Government on 29-1-97.

[No. L-22012/64/84-DII(B)]

B. M. DAVID; Desk Officer

ANNEXURE

BEFORE THE INDUSTRIAL TRIBUNAL-I
AT HYDERABAD

PRESENT :

Sri V. V. Raghavan, B.A., LL.B., Industrial Tribunal-I

Dated, the 23rd day of December, 1996

Industrial Dispute No. 60 of 1985

BETWEEN

The Workmen of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division II, P.O. Godavarikhani, Distt. Karimnagar (A.P.)
—Petitioner

AND

The Management of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division-II, P.O. Godavarikhani, Distt. Karimnagar (A.P.)
—Respondent

APPEARANCES :

Sri A. K. Jayaprakash Rao, Advocate—for the Petitioner

Sri K. Srinivasa Murthy, Advocate—for the Respondent

AWARD

The Government of India, Ministry of Labour, New Delhi made a reference to this Tribunal by its Order No. L-22012(64)/84-D.II(B), dated 3.10.1985 under Section 10(1)(d) and (2A) of the Industrial Disputes Act, 1947 (Hereinafter referred to as the Act) for adjudication of the industrial dispute mentioned in its Schedule which reads as follows :

"Whether the management of Singareni Collieries Company Limited, Ramagundam Division II, P.O. Godavarikhani, District Karimnagar (A.P.) are justified in dismissing Sri Saliganti Narasiah Hauler Khalasi, GDK 6A Incline from service w.e.f. 26-10-1983 ? If not, to what relief is the workman concerned is entitled ?"

After receipt of the above reference, this Tribunal issued notice to both the parties and both the parties have acknowledged the receipt of notice. Subsequently, a claims statement was filed by the Petitioner-Union and the Respondent filed a Counter.

2. The Petitioner-Union filed a claims statement contending as follows :—The Workman Saliganti Narasiah was served with a charge sheet on 28-8-1983 alleging that he instigated and encouraged the other employees to abuse and assault the Head Overman with a spade. The workman was made to appear before the Enquiry Officer even before he could submit his explanation. The Management has determined to take disciplinary action against the petitioner. The enquiry was not conducted properly and he was not permitted to take the assistance of any workman. He was not able to cross-examine the witnesses. He is not conversant with English while deposition was recorded in English. The contents therein were not explained to him. The workman himself gave evidence and nothing was elicited in the cross-examination to disbelieve him. The Enquiry Officer's report is based on surmises and conjectures. The Management mechanically accepted the report of the Enquiry Officer and dismissed the workman from service on 26-10-1983. The misconduct of the workman was not proved. There is no legal evidence in support of the charge sheet. The punishment of dismissal from service is disproportionate to the gravity of the misconduct. He is entitled to reinstatement with continuity of service, back wages and other attendant benefits.

3. The Respondent filed a counter contending as follows : The delinquent workman was served with a charge sheet and he submitted an explanation to the Management. The Management witnesses were examined in the presence of the workman. He did not avail the services of other workman to defend him. He did not choose to cross

examine the Management's witnesses but he examined himself and four more witnesses on his behalf. The depositions were explained to him in Telugu. Then only he signed on the depositions. The enquiry was conducted properly as per the principles of natural justice. The charge proved against the Petitioner workman is a grave one. Hence he was dismissed from service. The validity of the domestic enquiry may be decided as a preliminary issue. The Court may grant permission to the Management to prove the misconduct in this Court, in the event the Court comes to the conclusion that the enquiry is bad in law. The claim statement may be dismissed.

4. The Management did not file the record of domestic enquiry into Tribunal for a long time. The Management and its Advocate were absent on 1-10-1986. The workman filed a Memo into Tribunal for permission to lead evidence on his behalf. The permission was granted. The then Chairman, Industrial Tribunal recorded the statement of W.W.1 and marked order of dismissal as Ex. W1 and passed an Award on 21-10-1986 directing the reinstatement of the workman was with full back wages and other benefits. It was accepted by the Government and published in the Gazette dated 29-11-1986. Thereupon the Management filed W.P. No. 5629/87 in the High Court. The High Court by an order dated 22-7-1987 directed the Management to comply with Section 17-B of the I.D. Act or reinstate the Petitioner and also directed the Management to deposit half of the back wages. Ultimately, the High Court allowed the Writ Petition on 25-10-95 and directed this Tribunal to receive the domestic enquiry file to be filed by the Management, consider the entire record and pass an Award on merits. Hence the file is taken on file and proceeded with.

5. The Management again did not file the domestic enquiry record in the Tribunal upto 11-10-1996. There is no representation of the Respondent on that day. So it is treated that there is no domestic enquiry. However, in view of the request made in the counter the Management is permitted to adduce evidence in proof of the misconduct in this Tribunal. The Management examined J. Lakshminarayana, the then Head Overman and present Under Manager who was said to have been assaulted by the Petitioner-workman. The record of domestic enquiry is exhibited through him at a belated stage. The workman did not appear again to give evidence. So the award is pass on the material available on record.

6. The point for consideration is whether the Management is not justified in dismissing Saliganti Narasiah from service?

7. POINT.—The Petitioner workman who is a Hauler Khalasi R/A was served with Ex. M1 charge sheet with the following charge :

"On 20-8-83 in the IInd Shift after booking your in muster you have instigated and encourage your colleague Sri S. K. Hussain to abuse the shift head overman and assault him with a spade. In fact you accompanied Sri S. K. Hussain to the overman room and also abused the Head Overman in most filthy language. Due to the timely intervention of some of the workmen at the place, the Head-overman was saved. This is a serious misconduct under the Company's Standing Order 16(5)."

The Petitioner gave a reply Ex. M2 denying the charge and pleading that he learnt that J. Lakshminarayana the Head Overman beat Shaik Hussain Hauler Driver. Thereafter the enquiry was conducted in which J. Lakshminarayana the then Head Overman, D. Rayalingu, Overman and A. Komaraiah, Sirdar were examined for the Management. Exs. M5 to M7 are their depositions. They have stated that the Petitioner workman used abusive language and asked others not to intervene in the fight between Lakshminarayana, Head Overman (M.W. 1) and Sri Hussain, Hauler Khalasi. They were not cross-examined by the Petitioner. The Petitioner-workman examined himself and also examined other workmen by name D. Lakshminarayana, Babumiya, Gouraiya and Konda Mondi as his witnesses. Their depositions before the Enquiry Officer are Exs. M8 to M12. Their evidence is that the Petitioner workman did not go to Lakshminarayana M.W.1 at all and they learnt that at their place of work M.W.1 assaulted Shaik Hussain Hauler Khalasi.

8. Now in the Tribunal the workman as W.W.1 repeated his version, Lakshminarayana (M.W. 1) the then Head Overman improved his version by stating that the Petitioner-workman abused him in vulgar language and beat him with shovel.

9. The real dispute is between M.W.1 and Shaik Hussain. There was no dispute between M.W. 1 and the Petitioner workman. Even if the entire evidence of the Management is believed, it is only established that the Petitioner-workman abused the General Manager and asked others not to intervene between the physical fight between M.W.1 and Shaik Hussain. Anyway the other officers like Overman and Sirdar prevented Hussain from bearing M.W.1. So there was no actual beating at all.

10. The Petitioner workman only abused Lakshminarayana M.W.1 in filthy language. There is no beating or assault at all.

11. The learned counsel for the workman relied upon some decisions in *Ved Prakash Gupta v. Messrs Delton Cable India (P) Ltd.* (1984 (1) LLJ Page 546) wherein the Supreme Court held that the punishment of dismissal from service for using abusive language to superior officer is shockingly disproportionate, regard being had to the charge framed against the workman. In *Rama Kant Misra v. The State of U.P. and others* (1982 (1) LLJ, Page 472) The Supreme Court held that the order of dismissal for using abusive language is not justified and the previous conduct of the workman in 14 years of service has to be looked into. In *Palghat BPL & PSP Thozilali Union v. BPL India Ltd. & ANR* (1996 (II) LLJ Page 335) again the Supreme Court held that throwing stones by the striking workmen against the officers going to the factory outside the premises of the factory does not deserve dismissal. The Labour Court under Section 11-A of the I.D. Act considered the quantum of misconduct for punishment. The Supreme Court held that the Labour Court is justified in taking a lenient view, setting aside the order of dismissal and directing reinstatement of the workman with 25 per cent of back wages. In *A. Venkata Ramana v. The Chairman, Industrial Tribunal-cum-Labour Court, Ananthapur and ANR* (1996 LLR Page 1117). His Lordships G. Bikshapathi J held as follows :

"Under these circumstances, the Court considers that even assuming that the charge of attempt of assault is proved Whether the punishment of removal would be proper and justified. Admittedly, in the instant case, the charge as extracted supra, regulates to the alleged attempt of assault on Sri S. Venkat Reddy, Traffic Superintendant. Even assuming that the charge of assault is proved, I am of the opinion that the punishment of removal is not commensurate with the gravity of the misconduct alleged against the petitioner. It is not the case that the petitioner had a bad record in the previous years.

In the above circumstances, the Order of dismissal has to be set aside.

12. The High Court while granting stay of the operation of the Award ordered for payment of wages under Section 17-A of the Act or reinstatement by the Management and also ordered for deposit of half of the back wages from the date of removal to the date of filing proceedings in the High Court. The High Court permitted the workman to withdraw half of the deposited amount without giving security and other half after furnishing security. The records disclose that no amount was deposited into this Tribunal. It is not known whether the back wages were paid to the petitioner-workman directly or through the Authority under the payment of Wages Act. There

is no evidence whether the Petitioner was reinstated or not. But from a reading of the judgment of the High Court in the Writ Petition, I understand that the Petitioner workman was reinstated, as the High Court observed "pending disposal of the proceedings before the Industrial Tribunal, the Respondent workman will be continued as an employee of the Petitioner Company as he is being continued now". It is also ordered by the High Court that the back wages already paid to the employee in pursuance of the order of this Tribunal shall not be recovered pending disposal of the proceedings before the Industrial Tribunal.

13. In the circumstances of the case, it is ordered that the Petitioner shall be continued in service with continuity of service. He is not entitled to any other monetary benefits from the date of dismissal. Any amount already paid to him in pursuance of the orders of the High Court shall not be recovered from him. An Award is passed accordingly.

Dictated to the Stenographer, transcribed by him, corrected by me and given under my hand and the seal of this Tribunal, this the 23rd day of December, 1996.

V. V. RAGHAVAN, Industrial Tribunal

APPENDIX OF EVIDENCE

Witness examined for the Petitioner	Witness examined for the Respondent
W.W.1 S. Narasaiah	M.W.1 J. Lakshminarayana

DOCUMENTS MARKED FOR THE PETITIONER

Ex. W1 25-10-83 Dismissal order issued to Sri Saliganti Narasaiah

DOCUMENTS MARKED FOR THE RESPONDENT

Ex M1 22-8-83 Charge sheet issued to S. Narasaiah.

Ex. M2 25-8-83 Explanation submitted by WW.1.

Ex. M3 26-8-83 Notice of Enquiry.

Ex. M4 3-9-83 Notice of Enquiry.

Ex. M5 3-9-83 Statement of Sri J. Lakshminarayana, Head Overman in the enquiry.

Ex. M6 3-9-83 Statement of Sri B. Rayalingu, Overman in the enquiry.

Ex. M7 3-9-83 Statement of Sri Allam Komaraiah in the enquiry.

Ex. M8 3-9-83 Statement of Sri S. Narasaiah in the enquiry.

Ex. M9 3-9-83 Statement of Sri Devana Konda Lakshminarayana Hauler Khalasi in the enquiry.

Ex. M10 3-9-83 Statement of Sri Md. Babu Miya, Trammer in the enquiry.

Ex. M11 3-9-83 Statement of Sri G. Ganesh, Trammer in the enquiry.

Ex. M12 3-9-83 Statement of Sri Konda Mondli, Trammer in the enquiry.

Ex. M13 3-9-83 Enquiry Report.

Ex. M14 25-10-83 Dismissal order issued to S. Narasaiah.

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1997

का०आ० 530 :—जबकि श्री तारकेश्वर प्रसाद, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश को श्रम मंत्रालय में भारत सरकार के दिनांक 27 जून 1996 की अधिसूचना (सं० ए-11016/2/95-सी एल एस-2) द्वारा श्रम न्यायालय सं० 1 धनबाद का पीठासीन अधिकारी नियुक्त किया गया था,

और जबकि तत्कालीन श्रम एवं रोजगार मंत्रालय में भारत सरकार के दिनांक 22 मई, 1965 की सं० का०आ० 1697 की अधिसूचना द्वारा गठित धनबाद में श्रम न्यायालय सं० 2 में पीठासीन अधिकारी की एक रिक्ति हुई है।

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 8 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री तारकेश्वर प्रसाद को उनके वर्तमान कार्यभार के अलावा उक्त श्रम न्यायालय सं० 2 धनबाद के पीठासीन अधिकारी के रूप में, उनके

सतिरिक्त कार्यभार ग्रहण करने से तीन माह की अवधि के लिए अथवा श्रम न्यायालय सं० 2 धनबाद में नियमित पदधारी के कार्य ग्रहण करने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करती है।

[का०सं० ए-11016/4/93-सी एल एस-II]

एस०वी० कृष्णन, अवसर सचिव

New Delhi, the 31st January, 1997

S.O. 530.—Whereas Shri Tarkeshwar Prasad, Addl. Distt. and Sessions Judge was appointed as Presiding Officer, Labour Court, No. 1, Dhanbad by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour (No. A-11016/2/95-CLS-II), dated 27th June, 1996;

And whereas a vacancy of Presiding Officer has occurred in the Labour Court, No. 2 at Dhanbad constituted by the notification of the Government of India in the then Ministry of Labour and Employment No. S.O. 1697, dated the 22nd May, 1965.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 8 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby appoints Shri Tarkeshwar Prasad, as the Presiding Officer of the said Labour Court, No. 2, Dhanbad in addition to his present charge for a period of three months with effect from his taking over the additional charge or till the regular incumbent of Labour Court, No. 2, Dhanbad joins, whichever is earlier.

[No. F. A-11016/4/93-CLS-II]

S. V. KRISHNAN, Under Secy.